खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-211

तेलंगाना विधायक अयोग्यता विवाद

सुप्रीम कोर्ट का विधानसभा अध्यक्ष को तीन महीने में फैसला लेने का निर्देश

दलबदल पर जताई चिंता अध्यक्ष की देरी पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

संसद से दलबदल विरोधी कानून की समीक्षा का आग्रह

उच्च न्यायालय के फैसले को किया रद्द

नयी दिल्ली/हैदराबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर गुरुवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को तीन महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की कि ऐसे मामलों में अध्यक्ष द्वारा अत्यधिक देरी लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करती है।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने यह निर्देश देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे पर उनकी नोटिस के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सात महीने बाद ही संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यदि विधायक सुनवाई में शामिल होने में किसी तरह की टालमटोल करते हैं, तो उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने संसद से विधायकों की अयोग्यता की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा करने का आग्रह किया। पीठ ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले दलबदलुओं के खिलाफ कार्रवाई को विफल करने के लिए ऐसी कार्यवाही (सुनवाई और फैसला) में अत्यधिक देरी करते हैं। शीर्ष अदालत ने तेलंगाना उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 22 नवंबर, 2024 के फैसले के खिलाफ दायर बीआरएस नेता पी. कौशिक रेड्डी और के. टी. रामाराव की अपील को स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें अध्यक्ष को चार हफ्तों के भीतर सुनवाई के लिए तारीखें तय करने के एकल पीठ के निर्देश को रद्द कर दिया गया था।

▶10 पर

मालेगांव बम विस्फोट

17 वर्ष बाद सभी सात आरोपी बरी

एनआईए अदालत ने कहा– आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मालेगांव में हुए 2008 के बम विस्फोट मामले में, 17 वर्ष बाद आज राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। एनआईए अदालत की अध्यक्षता कर रहे विशेष न्यायाधीश ए. के. लाहोटी ने सभी आरोपियों को बरी करने की घोषणा करते हुए एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकता। बरी किए गए आरोपियों में सुश्री ठाकुर के साथ-साथ लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल हैं।

अधिवक्ता रंजीत नायर ने बताया कि वह आरोपी संख्या 11 सुधाकर चतुर्वेदी की तरफ से पैरवी कर रहे थे और अदालत ने उन्हें इस आधार पर बरी कर दिया है कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर ने मीडिया को बताया कि अदालत ने इस घटना को बहुत बुरी करार दिया है और कहा है कि इस घटना में जिन लोगों की जानें गई हैं, उनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती। हालांकि, अदालत ने सभी मृतकों के परिजनों को वित्तीय मदद देने का आदेश दिया है।

▶10 पर

तेलंगाना स्पीकर एससी के निर्देश पर कानूनी राय लेंगे

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार ने गुरुवार को कहा कि वह भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों की अयोग्यता के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने के बाद कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेंगे और भविष्य की कार्रवाई तय करेंगे।

दल-बदल कर सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर फैसला करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, प्रसाद कुमार ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के भाषणों के अनुसार, अदालतें राष्ट्रपति और स्पीकर पर सवाल नहीं उठा सकतीं। प्रसाद कुमार ने बताया, सुप्रीम कोर्ट के

▶10 पर

एससी के फैसले के बाद बीआरएस का कांग्रेस पर तीखा हमला, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को दलबदल करने वाले 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिए जाने के बाद, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने गुरुवार को कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया। पार्टी नेताओं ने इस फैसले को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के मुंह पर तमाचा बताया और कांग्रेस की संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश का स्वागत किया, जिसमें तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को दलबदल करने वाले 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने के भीतर फैसला करने को कहा गया है।

▶10 पर

मालेगांव फैसले के बाद कांग्रेस पर हमला

रेणुका चौधरी के हिंदू भी आतंकवादी वाले बयान पर बवाल

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मालेगांव बम धमाका मामले में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत द्वारा साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी किए जाने के बाद, कांग्रेस एक बार फिर तीखे हमलों के केंद्र में आ गई है। इस बार, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि हिंदू भी आतंकवादी हो सकते हैं। रेणुका चौधरी की यह टिप्पणी कांग्रेस की

▶10 पर

पीड़ित परिवार आरोपियों को बरी करने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट जाएंगे

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मालेगांव बम विस्फोट के पीड़ितों के परिवारों ने राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) विशेष अदालत के उस आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट जाने का फैसला किया है, जिसमें सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया गया है।पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील शाहिद नदीम ने कहा, हम यहीं नहीं रुकेंगे... हम बॉम्बे हाईकोर्ट जाएंगे, हम सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। नदीम ने इस बात पर जोर दिया कि 7/11 मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में, महाराष्ट्र सरकार ने पिछले सप्ताह बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा 12 व्यक्तियों को

▶10 पर

ट्रंप के टैरिफ पर बोले पीयूष गोयल

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ पर लोकसभा में भाषण दिया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति ने पारस्परिक टैरिफ पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया...5 अप्रैल 2025 से 10% बेसलाइन शुल्क लागू हो गई है। 10% बेसलाइन टैरिफ के साथ भारत के लिए कुल 26% टैरिफ की घोषणा की गई। पूर्ण देश-विशिष्ट अतिरिक्त टैरिफ 9 अप्रैल 2025 को लागू होने वाला था। लेकिन इसे शुरू में 10 अप्रैल 2025 को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया और फिर 1 अगस्त 2025 तक और बढ़ा दिया गया।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, मार्च 2025 में भारत और अमेरिका ने एक न्यायपूर्ण, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए बातचीत शुरू की थी। इसका लक्ष्य अक्टूबर-नवंबर 2025 तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना था।

पीयूष गोयल ने कहा, सरकार हाल की घटनाओं के प्रभावों की जाँच कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय निर्यातकों, उद्योगों और सभी हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है और इस मुद्दे पर उनके आकलन के आधार पर जानकारी एकत्र कर रहा है। सरकार किसानों, मजदूरों, उद्यमियों, उद्योगपतियों, निर्यातकों, एमएसएमई और औद्योगिक क्षेत्र के हितधारकों के कल्याण की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हम अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, एक दशक से भी कम समय में भारत 'फ्रेजाइल पांच' अर्थव्यवस्थाओं में से निकलकर दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने

▶10 पर

अंडमान-निकोबार में ईडी की पहली बड़ी कार्रवाई

200 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में पूर्व सांसद सहित कई ठिकानों पर छापेमारी

पोर्ट ब्लेयर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अपनी पहली बड़ी तलाशी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एए-नएससीबी) से जुड़े एक बड़े पैमाने के बैंक लोन घोटाले के संबंध में की गई। ईडी ने पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास नौ स्थानों के साथ-साथ कोलकाता में दो जगहों पर छापेमारी कर वित्तीय अनियमितताओं के महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए हैं। ईडी अधिकारियों के अनुसार, पोर्ट ब्लेयर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं, जो सहकारी बैंक द्वारा ऋण और ओवरड्राफ्ट सुविधाओं की मंजूरी में व्यापक उल्लंघनों का संकेत देते हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बैंक की आंतरिक प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों को दरकिनार करते हुए, कई फर्जी फर्मों को धोखाधड़ी से ऋण लाभ प्रदान किए गए।

ईडी ने दावा किया कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पूर्व सांसद श्री कुलदीप राय शर्मा, जो एएनएससीबी के उपाध्यक्ष भी थे, के कथित लाभ के लिए धन का लेन-देन करने हेतु लगभग 15 फर्जी कंपनियां स्थापित की गईं। इन संस्थाओं ने धोखाधड़ी से 200 करोड़ से अधिक की ऋण सुविधाएँ प्राप्त कीं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा नकद में निकाला गया और कथित तौर पर लाभार्थियों को सौंप दिया गया, जिनमें स्वयं शर्मा भी शामिल थे।

यह ध्यान देने योग्य है कि ईडी ने यह जांच अंडमान निकोबार पुलिस की अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कई निजी व्यक्तियों और एएनएससीबी के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी (ऋखठ) दर्ज किए जाने के बाद शुरू की है। यह कार्रवाई केंद्र शासित प्रदेश में वित्तीय अपराधों के खिलाफ एऊ के बढ़ते दायरे को दर्शाती है।

कैबिनेट का मेगा फैसला

रेलवे नेटवर्क का विस्तार, किसानों की आय बढ़ाने को बड़ी सौगात

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छह राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंज़ूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 574 किलोमीटर का विस्तार होगा। पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत नियोजित इन परियोजनाओं में इटारसी-नागपुर चौथी लाइन, छत्रपति संभाजीनगर-परभणी दोहरीकरण, अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन, और डांगोआपोसी-जर-ोली तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत और देश को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ये परियोजनाएँ 2,300 से ज़्यादा गाँवों तक कनेक्टिविटी बढ़ाएँगी। रेलवे ने कहा कि लाइन क्षमता में वृद्धि से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं।

वैष्णव ने घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए परिव्यय को 1,920 करोड़ रुपये बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अनुमोदन में घटक योजना-एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्यवर्धन अवसंरचना (आईसीसीवीएआई) और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं (एफटीएल) के अंतर्गत 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए 1,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 23°

असम में मियांलैंड की मांग पर बवाल, मुख्यमंत्री सरमा बोले

यह सपना कभी पूरा नहीं होगा

गुवाहाटी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। असम के गोलाघाट जिले में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद कुछ तत्वों द्वारा की गई मियांलैंड की मांग ने पूरे राज्य में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस मांग को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा है कि यह सपना भारत में कभी पूरा नहीं होगा। यह मांग पहचान की राजनीति, अवैध घुसपैठ और मूल निवासियों के अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है, साथ ही यह दर्शाता है कि कुछ तत्व असम के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचाने का खतरनाक खेल खेल रहे हैं।

यह विवाद तब गहराया जब नगालैंड सीमा से सटे संवेदनशील उरियामघाट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान एक अवैध अतिक्रमणकारी ने कहा, अगर बड़े लोग बोडोलैंड की मांग कर सकते हैं, तो हम मियां लोग भी मियांलैंड की मांग कर सकते हैं। अगर 35 लाख बोडो को बोडोलैंड मिल सकता है, तो हम 1.4 करोड़ मियां मुसलमान अपना अलग राज्य क्यों नहीं मांग सकते?

अवैध घुसपैठियों पर सरकार का कड़ा रुख

इस तुलना को गलत बताते हुए, असम के मूल निवासियों और विभिन्न संगठनों ने इसे बोडोलैंड आंदोलन के संघर्ष का अपमान बताया है। बोडोलैंड आंदोलन दशकों तक शांतिपूर्ण संघर्ष और जातीय पहचान पर आधारित था, जबकि मियांलैंड की मांग अवैध भूमि अतिक्रमण और संदेहास्पद नागरिकता वाले लोगों द्वारा की जा रही है, जिसका कोई ऐतिहासिक या संवैधानिक आधार नहीं है।

मियां शब्द असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए प्रयुक्त होता है, जिनमें से अधिकांश को बांग्लादेश से आए प्रवासियों का वंशज माना जाता है। 1971 के बाद से लगातार अवैध घुसपैठ ने असम के कई जिलों की जनसांख्यिकी को गंभीर रूप से बदल दिया है। यह वही मुद्दा है जिसने 1979-1985 के असम आंदोलन को जन्म दिया और अंततः असम समझौते तक पहुंचाया, लेकिन दशकों बाद भी मूल निवासियों का मानना है कि इन वादों को पूरी

▶10 पर

पहले 8.8 तीव्रता वाला भूकंप : अब रूस में फटा सबसे ऊंचा ज्वालामुखी, धधक रही आग

मॉस्को,31 जुलाई (एजेंसियां) ।

रूस में बुधवार को आए 8.8 तीव्रता वाले भूकंप की दहशत कम नहीं हुई थी और अब ज्वालामुखी फट गया जिससे लोग और डर गए। यूरेशिया का सबसे ऊंचा ज्वालामुखी, क्लुचेव्स्कॉय सक्रिय हो गया है। बुधवार देर रात ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ है। इससे पहले रूस के सुदूर कामचात्का के पास इस भूकंप ने पूरे प्रशांत महासागर क्षेत्र में तहलका मचा दिया है।

भूकंप के कुछ ही घंटों बाद ही क्लुचेव्स्कॉय ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू हो गया। रसियन एकेडमी ऑफ साइंस के मुताबिक धधकता हुआ लावा, ज्वालामुखी के पश्चिमी ढलान से नीचे गिरने लगा। अचानक उथले लावा को कई मील दूर से देखा गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि भूकंप के बाद इस तरह ज्वालामुखी का सक्रिय होना इस क्षेत्र के लिए असामान्य नहीं है। जानकारी के मुताबिक रूसी तट पर यह खतरनाक भूकंप तड़के सुबह आया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की के रहने वाले 25 वर्षीय यारोस्लाव ने कहा, ऐसा लगा जैसे दीवारें कभी भी ढह सकती हैं। कम से कम तीन मिनट तक धरती लगातार कांपती रही। फिलहाल अमेरिका, जापान और रूस सहित कई क्षेत्रों के लिए सबसे बुरा दौर बीत चुका है क्योंकि सुनामी संबंधी चेतावनी के स्तर को कम कर दिया गया है, लेकिन दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट पर चिली और कोलंबिया में नई चेतावनी जारी की गई है। इस बीच रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने कामचात्का को लेकर चेतावनी दी है कि भूकंप के बाद के झटकों की आशंका है, जिनकी तीव्रता 7.5 तक हो सकती है।

बता दें कि भूकंप के बाद प्रशांत महासागर में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई थी जिसके बाद कई देशों में ऊंची लहरें देखी गई हैं। रूसी वैज्ञानिकों ने इसे 1952 के बाद इस क्षेत्र में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप बताया है। भूकंप समुद्र तट से 19.3 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसका केंद्र 160,000 से अधिक लोगों की आबादी वाले पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से करीब 119 किलोमीटर दूर था।

न्यूज ब्रीफ

कमला हैरिस कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को घोषणा की कि वे अगले साल कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी। पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद उन्होंने एक और चुनाव अभियान छोड़ते हुए इस दौड़ में शामिल होने के बारे में महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। खबर के अनुसार, कमला हैरिस ने बयान में कहा कि वह अब लोगों की बात सुनेंगी। ऐसे डेमोक्रेट्स उम्मीदवारों का चयन करेंगी, जो निडर होकर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी। पूर्व अमेरिकी सीनेटर और कैलिफोर्निया की पूर्व अटॉर्नी जनरल हैरिस जनवरी में लॉस एंजिल्स लौटने के बाद से ही राज्य के शीर्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना तलाश रही थीं। उनके गर्वनर पद की दौड़ से हटने का मतलब है कि वह अब 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ सकती हैं। कमला हैरिस नवंबर के बाद से जनता के बीच कम नजर आई हैं। वह अपने कुछ प्रसिद्ध दोस्तों की शादियों में जरूर शामिल हुई हैं। पिछले हफ्ते एप्पल की उत्तराधिकारी ईव जॉब्स की शादी के लिए इंग्लैंड में थीं। ईव मां लॉरेन पॉवेल जॉब्स उनकी करीबी दोस्त हैं। जून में वह हिलेरी क्लिंटन के सहयोगी और डेमोक्रेटिक मेगाडोनर के बेटे की शादी में शामिल हुईं। मई में उन्हें न्यूयॉर्क में मेट गाला में देखा गया।

ट्रंप का ब्राजील पर 50 टैरिफ, लूला के सामने अर्थव्यवस्था को संभालने की चुनौती

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने की घोषणा की है। यह ट्रंप के वर्तमान कार्यकाल में किसी देश पर लगाया गया सबसे अधिक टैरिफ है। यही नहीं, अमेरिका ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के आपराधिक मामले की निगरानी कर रहे उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश पर भी प्रतिबंध लगा दिया। जायर बोल्सोनारो, ट्रंप के सहयोगी हैं और उन पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की कोशिश करने का आरोप है। खबर के अनुसार, अमेरिका का कल का यह कदम ट्रंप प्रशासन और लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के बीच संकट को और बढ़ा देने वाला है। साथ ही यह कदम राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला डि सिल्वा के लिए कड़ा संदेश है। ट्रंप ने पिछले शुक्रवार को कहा था कि अगर ब्राजील बोल्सोनारो के खिलाफ आरोप वापस नहीं लेता तो वह 50 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका की नए टैरिफ की घोषणा पर लूला ने ट्रंप पर ब्राजील को दबाने और बातचीत के प्रस्तावों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। रियो टाइम्स के अनुसार, टैरिफ 6 अगस्त से प्रभावी होगा। अमेरिका के इस कदम से राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के सामने देश की अर्थव्यवस्था को संभालन और नौकरियों की रक्षा करने की असली चुनौती है। अमेरिकी वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने ब्राजील के उच्चतम संघीय न्यायालय के विवादास्पद न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर लूला को कड़ा संदेश दिया है। लूला ने अपनी प्रतिक्रिया में बोल्सोनारो समर्थकों पर ट्रंप के कदमों का समर्थन करने के लिए देशद्रोही होने का आरोप लगाते हुए ब्राजील की संप्रभुता की रक्षा करने का आह्वान किया है।

बीआरएएस ने बलूचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य बलों पर हमले और वाहनों को फूंकने की जिम्मेदारी ली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आजादी की लड़ाई में शामिल सशस्त्र समूहों के समन्वयक संगठन बलूच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने जमुरान क्षेत्र में पाकिस्तान के सैन्य बलों और उनको रसद सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों पर हमला करने का दावा किया है। बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने स्वीकार किया कि यह हमला उसके लड़ाकों ने किया। लड़ाकों ने सुरक्षा बल के कई जवानों को ढेर कर दिया। बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने 30 जुलाई को जारी बयान में यह दावा किया है। प्रवक्ता खान ने कहा कि 28 जुलाई की रात संगठन के लड़ाकों ने जमुरान के नवानो के पास पाकिस्तान सेना के लिए रसद सामग्री ले जा रहे वाहनों को रोककर उनमें आग लगा दी और चेतावनी देने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया। बयान में कहा गया कि बीआरएएस के लड़ाके रातभर इलाके में जमे रहे और 29 जुलाई को दूसरा हमला किया। पाकिस्तान सेना के वाहनों और मोटरसाइकिलों के काफिले पर कथित तौर पर रिमोट-नियंत्रित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल कर हमला किया गया। इसके बाद स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की।

फ्रांस, ब्रिटेन के बाद कनाडा भी फिलिस्तीन को मान्यता देगा, इजराइल ने इन कोशिशों को पाखंड बताया

ओटावा,31 जुलाई (एजेंसियां) ।

फ्रांस और ब्रिटेन के बाद कनाडा और माल्टा ने भी फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की है।सितंबर में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में कनाडा, फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा।

पिछले दस दिनों के भीतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देने की घोषणा की। फिलिस्तीन के मुद्दे पर फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के साथ आने से जी-7 के तीन महत्वपूर्व देश एकसाथ आ गए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि कनाडा 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा देने संबंधी कदम उठाएगा। हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें जोड़ते हुए कार्नी ने कहा कि फिलिस्तीन को साल 2026 में आम चुनाव कराने होंगे, जिसमें हमास को कोई भूमिका नहीं होगी। साल 2006 के बाद से वहां चुनाव नहीं हुए हैं। साथ ही हथियार मुक्त फिलिस्तीन की शर्त जोड़ी गई है। कार्नी ने इस संबंध में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात कर इन शर्तों का उल्लेख किया। कार्नी के मुताबिक फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने शर्तों को लेकर अपनी सहमति दे दी है। उधर, माल्टा के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव क्रिस्टोफर कटाजार ने कहा कि उनका देश सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा। खास बात यह है कि ब्रिटेन और कनाडा ने फिलिस्तीन को मान्यता देने के लिए शर्तें रखी हैं। ब्रिटेन का कहना है कि इजराइल अगर हमास के साथ सीजफायर पर सहमत नहीं होता है तो वह सितंबर में फिलिस्तीन को मान्यता देगा। कनाडा ने अगले साल चुनाव कराने और हथियारमुक्त फिलिस्तीन की शर्त रखी है। जबकि फ्रांस ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश की मान्यता देने की मुहिम शुरू करते हुए बिना शर्त समर्थन दिया है। फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा दिए जाने की इन घोषणाओं का इजराइल कड़ा विरोध करता रहा है। कनाडा की घोषणा के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह गाजा में संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई की कोशिशों को बाधित करेगा। इजराइल ने इसे पाखंड और समय की बर्बादी करार दिया है। फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में 147 देशों का समर्थन है लेकिन संयुक्त राष्ट्र से उसे अभीतक अलग देश की मान्यता नहीं मिली है। फिलिस्तीन 70 के दशक से ही संयुक्त राष्ट्र में स्वतंत्र देश की मान्यता के लिए प्रयासरत है। गाजा में इजराइल और हमास के बीच करीब दो साल से जारी संघर्ष में अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहां खाद्यान्न संकट के साथ शरणार्थी शिविरों पर हमले से गहरा मानवीय संकट पैदा हो गया है। इसे लेकर इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के बेतगारी संघ के अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर बुधवार शाम रंगपुर डिवीजन की एक अदालत में पेश किया। अदालत ने पांचों को जेल भेज दिया। अलदादपुर बालापारा गांव रंगपुर के गंगाचारा उपजिले में आता है। खबर के अनुसार, किशोरगंज पुलिस थाना के प्रभारी अशरफुल इस्लाम ने बताया कि रंगपुर की अदालत ने यासीन अली (25), स्वाधीन मिया (28), अशरफुल इस्लाम (28), अतीकुर रहमान खान (30) और सद्दाम हुसैन सलीम (22) को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सभी आरोपित निलफामारी के किशोरगंज उपजिले के अंतर्गत मगुरा गांव के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक अशरफुल ने बताया कि संयुक्त बलों के सदस्यों ने बुधवार तड़के आरोपितों को उनके घरों से दबोचा। इससे पहले मंगलवार रात पीड़ितों में से एक रवींद्र नाथ रॉय ने गंगाचारा मॉडल पुलिस थाने में तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला दर्ज कराया था। प्राथमिकी में 1,200 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। रॉय का आरोप है कि उनके पांच मवेशी, नकदी और सोने के आभूषण लूट लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदू समुदाय पर हमला शनिवार रात और रविवार दोपहर किया गया था।

अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान कैलिफोर्निया में दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

वाशिंगटन,31 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान हादसा बुधवार को मध्य कैलिफोर्निया में नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास हुआ। इस लड़ाकू विमान का पायलट सुरक्षित है। नौसेना का कहना कि जांच शुरू कर दी गई है।

नौसेना के बयान के अनुसार यह विमान मध्य कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो शहर से लगभग 40 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में नेवल एयर स्टेशन के पास खेत में गिर गया। इस दौरान उसमें आग लग गई। हादसे के दौरान पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। शाम लगभग 6:30 बजे हुई इस दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। फ्रेस्नो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि कैलिफोर्निया फायर ने पायलट की मदद की। नौसेना ने कहा कि विमान को स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन वीएफ-125 (रफ रेडर्स) को सौंपा गया था। रफ रेडर्स पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षित करते हैं। एफ-35 पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकूऔर दुनिया के सबसे उन्नत युद्धक विमानों में से एक और अमेरिकी सेना के बेड़े का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसकी कीमत लगभग 10 करोड़ डॉलर है। इससे पहले जनवरी में एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान अलास्का के आइल्सन वायुसेना अड्डे पर एक ए-35ए विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है। इस हादसे में भी सकुशल बच गया था। लॉकहीड मार्टिन कंपनी का कहना है कि दुनिया भर में 17 से अधिक देश एफ-35 प्रयोग करते हैं। हाल के वर्षों में रखरखाव और परिचालन के मुद्दों पर इस जेट को अधिक जांच का सामना करना पड़ा है।

सऊदी अरब ने 12 ईरानी मछुआरों को रिहा किया: ईरानी दूतावास

सऊदी अरब में कैद 12 ईरानी नागरिकों को रिहा कर उनके स्वदेश भेज दिया गया है। यह जानकारी ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने बुधवार को दी। रिहा किए गए सभी व्यक्ति मछुआरे हैं, जिन्हें सऊदी जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ईरान के दूतावास के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मछुआरों की रिहाई कानूनी कार्यवाहियों और आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद संभव हो सकी। दूतावास ने यह भी बताया कि इस पूरे प्रकरण में लगातार राजनयिक प्रयास और सऊदी अधिकारियों के साथ संवाद की अहम भूमिका रही। हालांकि रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है कि इन मछुआरों को कब गिरफ्तार किया गया था और उनकी रिहाई तथा स्वदेश वापसी की तारीखें क्या थीं। अब भी 15 मछुआरे बंद हैं तसनीम एजेंसी ने यह भी जानकारी दी है कि अब भी 15 अन्य ईरानी मछुआरे सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं, जिन पर इसी तरह का आरोप है। ईरानी दूतावास उनके मामलों को भी प्राथमिकता के साथ सऊदी विदेश मंत्रालय के समक्ष उठा रहा है, ताकि उनकी भी जल्द रिहाई सुनिश्चित की जा सके।

नेपाल की ओली कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी

काठमांडू,31 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने अपने मंत्रिमंडल में सभी मंत्रियों के कामकाज में प्रदर्शन के आधार पर व्यापक फेरबदल करने की तैयारी कर ली है और सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रमुख घटक दल नेपाली कांग्रेस की सहमति मिलते ही मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर ओली मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारियों गुरुवार की सुबह एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में प्रधानमंत्री ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और दोनों पार्टियों के अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए ।

नेपाली कांग्रेस के नेता तथा सरकार में गृहमंत्री रमेश लेखक ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में फेरबदल के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल फेरबदल के लिए कुछ आधार तय किए गए हैं जिसके मुताबिक दोनों ही दलों अपने अपने संगठन में आंतरिक विचार विमर्श करने के बाद फिर से बैठक करने पर सहमति जताई है।

नेपाली कांग्रेस के तरफ से अध्यक्ष देउबा और गृह मंत्री रमेश लेखक के साथ साथ उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का उपस्थित थे जबकि नेकपा यूएमएल के तरफ से प्रधानमंत्री ओली के अलावा उनकी पार्टी उपप्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री विष्णु पौडेल, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार रिमाल ने कहा कि बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि सभी मंत्रियों को बदला जाए या कुछ मंत्रियों को। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के कामकाज एवं प्रदर्शन के आधार पर बदलने को लेकर लगभग सहमति बनी है। गठबंधन के अन्य दलों के तरफ से नए मंत्रियों की सूची आ चुकी है। बस कांग्रेस के तरफ से निर्णय आते ही मंत्रिमंडल में फेरबदल कर दिया जाएगा।

नेपाली कांग्रेस के भीतर सभी मंत्रियों को बदलने के लिए पार्टी अध्यक्ष पर दबाव दिया जा रहा है जबकि ओली सरकार में पार्टी अध्यक्ष देउबा की पत्नी आरजू राणा विदेश मंत्री के रूप में कार्यरत हैं इसलिए सभी मंत्रियों के बदलने की संभावना कम बताई जा रही है।

अमेरिका ने पहले भारत को झटका दिया फिर पाकिस्तान से कर ली डील

वाशिंगटन,31 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के साथ बहुत बड़ी डील करने की बात कह रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ने पाकिस्तान के तेल भंडार विकसित करने में मदद करने की तैयारी की है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा है कि हो सकता है कि किसी दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। भारत के साथ टैरिफ डील को उन्होंने कहा है कि बातचीत जारी है।

ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, हमने अभी पाकिस्तान के साथ डील पूरी की है। जिसमें पाकिस्तान और अमेरिका उनके तेल भंडार विकसित करने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। हम एक तेल कंपनी का चुनाव करने की प्रक्रिया में है, जो इस साझेदारी की अगुवाई करेगी। कौन जानता है कि वो (पाकिस्तान) किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे। ट्रंप का कहना है कि बहुत बड़े तेल भंडार विकसित करने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद करने की डील की है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि इस काम को किस कंपनी को सौंपा जाएगा। खास बात है कि यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब भारत पर ऊंची टैरिफ दर के साथ अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण जुर्माना भी लगाया है। ट्रंप ने 25 प्रतिशत शुल्क लगाने को लेकर बुधवार को ब्रिक्स समूह व नई दिल्ली के साथ भारीव्यापार घाटे का हवाला दिया और कहा कि अमेरिका इस समय भारत के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, हम अभी बातचीत कर रहे हैं और इसमें ब्रिक्स का मसला भी शामिल है। आप जानते हैं, ब्रिक्स मूलत: अमेरिका विरोधी देशों का एक समूह है और भारत इसका सदस्य है। यह अमेरिकी मुद्रा पर हमला है और हम किसी को भी ऐसा नहीं करने देंगे। ट्रंप ने कहा, यह निर्णय आंशिक रूप से 'ब्रिक्स' की वजह से लिया गया है और इसमें कुछ हद तक घाटे की भूमिका है। हमें बहुत बड़ा घाटा हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी मेरे मित्र हैं लेकिन वे हमारे साथ व्यापार के मामले में बहुत ज्यादा जुड़े नहीं हैं।

न्यूजीलैंड में सुनामी गतिविधि शुरू, तटीय इलाकों में लहरें और तेज धाराएं दर्ज

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि देश के तटवर्ती क्षेत्रों में सुनामी की गतिविधि शुरू हो चुकी है। बुधवार देररात देशभर में मोबाइल फोन पर अलर्ट प्रसारित कर लोगों को समुद्र, तटों, बंदरगाहों, नदियों और खाड़ियों से दूर रहने की सलाह दी गई। हालांकि अब तक किसी इलाके में अनिवार्य निकासी आदेश जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मजबूत समुद्री धाराएं और लहरों का अचानक उठना लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। न्यूजीलैंड, भूकंप के केंद्र से लगभग 6,000 मील दूर है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप के कारण उत्पन्न लहरों की पहली श्रृंखला सबसे बड़ी नहीं हो सकती। आने वाले समय में और भी बड़ी लहरें तटों से टकरा सकती हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यह खतरा गुरुवार दोपहर तक बना रह सकता है और तब तक लोग समुद्री इलाकों से पूरी तरह दूर रहें। आपातकालीन विभाग ने लोगों से सावधानी और संयम बरतने की अपील की है और कहा है कि जब तक आधिकारिक रूप से अलर्ट रद्द नहीं किया जाता, तब तक सभी को इस खतरे को वास्तविक और गंभीर मानना चाहिए।

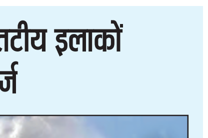

सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद भारत का बड़ा कदम

30,000 करोड़ के सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मिली हरी झंडी

पाकिस्तान में मचेगी खलबली

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर लगातार दबाव बढ़ा रहा भारत अब एक और बड़े कदम के साथ सामने आया है। सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के बाद, भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के सिधु इलाके में बनने वाले सावलकोट हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है। यह परियोजना पाकिस्तान के लिए 'मिर्ची' साबित हो सकती है, जो पहले से ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बैकफुट पर है।

नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (एनएचपीसी) ने इस परियोजना के लिए इंटरनेशनल कॉम्पिटिटिव बिडिंग (आईसीबी) के तहत ई-टेंडर जारी कर दिए हैं। ई-टेंडर फाइल करने की आखिरी तारीख 10 सितंबर तय की गई है। यह कदम दर्शाता है कि भारत इस परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। रामबन के सावलकोट में बनने वाले इस प्रोजेक्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट 1984 के आसपास बननी शुरू हुई थी। हालांकि, उस समय इसकी उच्च लागत और सिंधु जल संधि के कारण इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। दरअसल, पाकिस्तान के 'चरित्र और व्यवहार' को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। जम्मू के रामबन में बगलिहार हाइड्रो प्रोजेक्ट पर काम कर चुके रिटायर्ड चीफ इंजीनियर सुरिंदर थापा के अनुसार, पाकिस्तान सिंधु जल संधि की आड़ में यहां बन रहे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स में लगातार अड़ंगे लगाता रहता था, जिससे परियोजनाएं लेट होती थीं और उनकी लागत कई गुना बढ़ जाती थी। यही कारण है कि 2002 में सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट की डीपीआर बनने के बावजूद इसे हरी झंडी नहीं मिली थी।

सुरिंदर थापा ने बताया कि अब जब सिंधु जल संधि को भारत ने स्थगित कर दिया है, यह बिल्कुल सही मौका है कि इस परियोजना को उचित लागत और समय पर पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों को बिजली और पानी का फायदा होगा, बल्कि भू-रणनीतिक रूप से भी यह प्रोजेक्ट भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

यह परियोजना चिनाब नदी पर बनने वाले सबसे बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 1856 मेगावाट होगी। इसे बनाने में 30 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा की लागत आएगी। पहले सिंधु जल संधि के चलते सरकार इसे शुरू करने से झिझक रही थी, क्योंकि इतने बड़े निवेश के बाद अगर पाकिस्तान की ओर से आपत्ति आती तो प्रोजेक्ट को घाटे का सामना करना पड़ सकता था।

अब जब सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है, तो एनएचपीसी ने इस प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। इस परियोजना से न केवल बड़े पैमाने पर बिजली पैदा होगी, बल्कि इसके पानी का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों में सिंचाई के लिए भी किया जा सकेगा।

भारत के इस बड़े कदम के बाद पाकिस्तान में कैसी खलबली मचती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

भारतीय डाक विभाग का ऐतिहासिक फैसला

अब 1 सितंबर से केवल स्पीड पोस्ट ही होगा पत्र और पार्सल भेजने का एकमात्र साधन

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय डाक विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 1 सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा को पूरी तरह से बंद करने की घोषणा की है। इस नई व्यवस्था के तहत, अब पत्र, पार्सल और अन्य सभी सामग्री भेजने के लिए केवल स्पीड पोस्ट सेवा ही उपलब्ध होगी। इस बड़े बदलाव का मुख्य उद्देश्य डाक सेवाओं को अधिक तेज, आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है। डाक विभाग के महानिदेशक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस बदलाव के लिए सभी प्रक्रियाओं, प्रशिक्षण सामग्री और तकनीकी दस्तावेजों को अगस्त के पहले सप्ताह तक अपडेट कर लिया जाएगा।

रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा, जो औपनिवेशिक काल से चली आ रही थी, अपनी विश्वसनीयता और कानूनी महत्व के लिए जानी जाती थी। यह सेवा विशेष रूप से सरकारी पत्राचार, नौकरी के नियुक्ति पत्र, कानूनी दस्तावेज और महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पत्रों के लिए बेहद लोकप्रिय थी। इसकी मुख्य खासियतें थीं ट्रैकिंग सुविधा, प्राप्तकर्ता की पहचान का सत्यापन और डिलीवरी का लिखित प्रमाण।

डाक विभाग का मानना है कि 1986 में शुरू हुई स्पीड पोस्ट सेवा कहीं अधिक तेज और उपयोगी है। इसमें रियल-टाइम ट्रैकिंग, डिजिटल भुगतान विकल्प और बीमा जैसी आधुनिक सुविधाएं पहले से ही मौजूद हैं, जो इसे आज के डिजिटल युग की मांगों के अनुरूप बनाती हैं। यह बदलाव डाक सेवाओं में एकरूपता लाएगा और परिचालन खर्च को कम करने में भी सहायक होगा।

हालांकि, यह निर्णय उन लोगों के लिए एक भावनात्मक झटका हो सकता है, जिनके लिए रजिस्टर्ड पोस्ट दशकों से भरोसे का प्रतीक रही है। भारतीय डाक विभाग ने सभी सरकारी कार्यालयों, बैंकों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य संगठनों को निर्देश दिया है कि वे 1 सितंबर तक अपनी प्रक्रियाओं को स्पीड पोस्ट के अनुरूप ढाल लें। पटना सहित देशभर के डाकघरों में कर्मचारियों को नई व्यवस्था के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यह कदम डिजिटल युग में डाक सेवाओं को और अधिक प्रासंगिक और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। स्थानीय निवासियों से भी अपील की गई है कि वे इस बदलाव को अपनाएं और स्पीड पोस्ट का उपयोग शुरू करें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल रहेंगे सरकारी मुलाजिम

जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश में इस बार भी 15 अगस्त के दिन होने वाले स्वतंत्रता समारोहों में आपको बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी व अधिकारी नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति पक्की करने के लिए सरकारी आदेश भी जारी किया गया है। सरकारी कर्मियों को उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर तिरंगे के साथ डीपी लगाने को भी कहा गया है, ताकि समाज में व्यापक संदेश जाए।

हालांकि पहले भी स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस समारोहों में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को उपस्थित रहने के आदेश जारी होते रहे हैं, लेकिन इस बार यह आदेश 15 दिन पहले जारी कर शासन ने इस पर गंभीरता से अनुपालन करने को कहा है। सरकारी विभाग के प्रमुखों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। गैरहाजिर होने वाले कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू कश्मीर सरकार ने श्रीनगर और जम्मू में तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 15 अगस्त को बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर और मौलाना आजाद स्टेडियम, जम्मू में आयोजित होने वाले मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोहों में अपने आधिकारिक कर्तव्य के रूप में शामिल होने का निर्देश दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस हर साल 15 अगस्त को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उत्सव है। परिपत्र में कहा गया है कि हमारे राष्ट्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस समारोह में शामिल होना प्रत्येक सरकारी कर्मचारी का कर्तव्य है।

कठुआ में ड्रोन से आया नशीला पदार्थ जब्त

जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)। पुलिस ने जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सीमा पार से ड्रोन द्वारा गिराए गए नशीले पदार्थों से भरा एक पैकेट बरामद किया। हीरानगर इलाके में कवर में लिपटा एक पैकेट ड्रोन द्वारा गिराया गया था, जिसे पुलिस और बीएसएफ ने बरामद किया। पैकेट में 400 ग्राम नशीला पदार्थ पाया गया। ड्रोन द्वारा गिराई गई किसी अन्य वस्तु की जांच के लिए पूरे इलाके में तलाशी ली गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोभित सक्सेना ने कहा कि सतर्कता बरती जा रही है और तलाशी अभियान जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर पर खुलासे से बौखलाए ट्रंप?

पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम के दावे को लेकर बढ़ी तकरार

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर आखिरी समय में एक डील होने की उम्मीद थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक भारत पर 25% टैरिफ थोपकर बड़ा झटका दिया है। शुक्रवार से भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में एक्सपोर्ट पर 25% टैरिफ और जुर्माने का भुगतान करना होगा। ट्रंप के इस अप्रत्याशित कदम से भारतीय खेमे में हैरानी है, खासकर तब जब उन्होंने पहले बिग डील का संकेत दिया था।

ट्रंप स्पष्ट रूप से रूस के साथ भारत के बढ़ते कारोबार को लेकर असहज थे, चाहे वह ऊर्जा क्षेत्र हो या रक्षा खरीद। इस दुर्भावना में अमेरिकी संसद भी शामिल रही है, जहां रूस से पेट्रोलियम पदार्थ खरीदने वाले भारत जैसे देशों पर 500% ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव भी लाया गया है। ट्रंप ने ऐसे सांसद की पीठ भी थपथपाई थी।

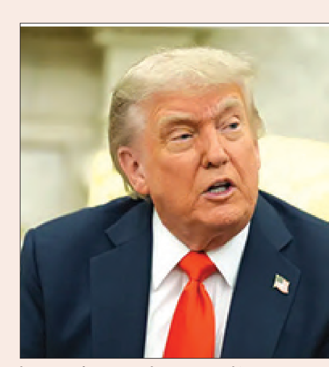

हालांकि, सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि असल में ट्रंप ने यह टैरिफ लोकसभा में बुधवार को दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भाषण से बौखलाकर लगाया है। दावा है कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम में अमेरिकी दखल को खारिज कर दिया, इसी बात ने ट्रंप को भड़का दिया है। गौरतलब है कि ट्रंप कई बार इस बात के लिए अपनी पीठ थपथपा चुके हैं कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान संघर्ष विराम उन्होंने ही करवाया। जबकि, भारत बार-बार उनके इन दावों को खारिज कर चुका है। मंगलवार को तो पीएम मोदी ने लोकसभा में स्पष्ट कह दिया कि दुनिया के किसी भी देश के नेता की इसमें कोई भूमिका नहीं रही।

जो भी हो, यह तय है कि अमेरिका और भारत के कई मामलों में बेहतर रिश्तों के बावजूद भी ट्रंप भारत के प्रति नरम रवैया दिखाने में नाकाम रहे हैं। जबकि, उनके ही प्रशासन ने यूके, इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस, जापान और यूरोपीय संघ जैसे देशों को अच्छे ऑफर दिए हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि भारत के पास बातचीत के लिए कुछ सौदेबाजी के हथियार अभी भी हैं और वह दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते भी करना चाहता है, जिससे उसे बढ़त मिल सके। हालांकि, सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका को भारत का कुल निर्यात बमुश्किल लगभग 2% है, जो उसके लिए उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि भारत के लिए अमेरिका जो चीन के बाद सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। यही नहीं, बात निर्यात की हो तो भारत से सबसे ज्यादा सामान अमेरिका ही जाता है।

अमेरिका कई ऐसी चीजों पर भी एक से डेढ़ साल में और टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है, जिससे भारत को भविष्य में और दिक्कत हो सकती है। ट्रंप ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10% टैरिफ लगाने की भी धमकी दे चुके हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इसकी नीतियां अमेरिका के खिलाफ हैं और यह डॉलर का विकल्प खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

इसका मतलब है कि भारत को अभी अमेरिकी व्यापारिक चुनौतियों से छुटकारा मिलने वाला नहीं है, जब तक कि बीच का कोई रास्ता न निकल जाए। लेकिन, अमेरिका को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के साथ व्यापारिक पंगा लेना, क्या उसके दीर्घकालिक हित में है? क्योंकि, भारत ने अगर इस चुनौती का सामना कर लिया तो एक दिन बाजी पलटते भी देर नहीं लगेगी!

डॉ. रविकृष्ण चेबोलू ने संभाला सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स, मुंबई के प्रमुख का पदभार

मुंबई, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने डॉ. रविकृष्ण चेबोलू को 28 जुलाई, 2025 से विशिष्ट वैज्ञानिक और उडखठ इनोवेशन कॉम्प्लेक्स, मुंबई का प्रमुख नियुक्त किया है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री, जो उडखठ के अध्यक्ष भी हैं, ने वेतन मैट्रिक्स के स्तर 16 पर उनकी नियुक्ति को अनुमोदित किया है।

मुंबई स्थित सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स को अनुवादात्मक अनुसंधान, उद्योग सहयोग और नवाचार-आधारित विकास के लिए एक गतिशील केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। यह स्टार्टअप्स, एमएसएमई और उद्योग जगत के दिग्गजों को सीएसआईआर की वैज्ञानिक क्षमताओं से जोड़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा, जिससे प्रौद्योगिकी विकास और व्यावसायीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. सी. हेबोलू ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गोवर्धन मेहता के मार्गदर्शन में कार्बनिक रसायन विज्ञान में पीएचडी की है और रटगर्स विश्वविद्यालय तथा कनेक्टिकट विश्वविद्यालय (अमेरिका) से पोस्ट-डॉक्टोरल प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दवा उद्योग में एक प्रक्रिया रसायनशास्त्री के रूप में की और बाद में व्यवसाय विकास,

विपणन, रणनीति और सामान्य प्रबंधन में कई नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाईं। उनकी पेशेवर यात्रा अरागेन और लॉरस लैब्स जैसी भारतीय फार्मा/सीडीएमओ संस्थाओं और एजिलेंट टेक्नॉलॉजीज, वेस्ट फार्मास्युटिकल्स और यूरोफिन्स जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक फैली हुई है।

डॉ. चेबोलू को नवाचार-संचालित विकास रणनीतियों को डिजाइन करने और विभिन्न कार्यों में विविध, उच्च-प्रदर्शन वाली टीमों का निर्माण कर उन्हें सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए जाना जाता है। उनका अनुभव उत्पाद-आधारित और सेवा-उन्मुख दोनों संगठनों को कवर करता है और दवा की खोज और विकास से लेकर विनिर्माण, पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों और विश्लेषणात्मक विज्ञानों तक संपूर्ण फार्मास्युटिकल मूल्य श्रृंखला तक फैला हुआ है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. श्रीनिवास रेड्डी ने डॉ. चेबोलू को बधाई देते हुए कहा कि उनका समृद्ध उद्योग अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण विज्ञान और नवाचार में उडखठ के प्रयासों को मजबूत करने के लिए नए विचार और ऊर्जा लाएगा। डॉ. चेबोलू की नियुक्ति से सामाजिक प्रभाव के लिए वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने के सीएसआईआर के मिशन को महत्वपूर्ण रूप से बल मिलने की उम्मीद है।

सीएसआईआर भारत का प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जिसके पास 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 आउटरीच केंद्रों और मुंबई स्थित इनोवेशन कॉम्प्लेक्स का एक विशाल नेटवर्क है। रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, वैमानिकी, पदार्थ विज्ञान और पर्यावरण अनुसंधान में इसके वैज्ञानिक योगदान राष्ट्रीय विकास और नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अवध बार के अध्यक्ष बने पंडित एस चंद्रा, ललित तिवारी महासचिव

लखनऊ, 31 जुलाई (ब्यूरो)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ स्थित अवध बार एसोसिएशन के चुनाव में पंडित एस. चंद्रा अवध बार के अध्यक्ष और ललित किशोर तिवारी महासचिव निर्वाचित हुए हैं। 4071 मतों की गणना के बाद बुधवार शाम को मुख्य चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता एचजीएस परिहार ने चुनाव परिणाम घोषित किया।

अवध बार एसोसिएशन में डॉ. शैलेंद्र प्रसाद शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष और हरिओम पांडेय एवं पवन कुमार सिंह उपाध्यक्ष मध्य चुने गए हैं। राघवेंद्र पांडेय कनिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए हैं। संयुक्त सचिवों के तीन पदों पर गौरव श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद शुक्ल और आशुतोष सिंह निर्वाचित हुए। आलोक त्रिपाठी कोषाध्यक्ष चुने गए। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों पर रंजना श्रीवास्तव, आदर्श मेहरोत्रा, अजय सिंह, कौशल मणि त्रिपाठी दिवाकर नाथ तिवारी व निवेदिता गुप्ता चुने गए। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के छह पदों पर अंकित मिश्र, अभिषेक त्रिपाठी, पुष्पांजलि पांडेय, नीलिमा जायसवाल व राम सुफल यादव निर्वाचित हुए। चुनाव में 22 पदों पर 135 अधिवक्ता प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई थी।

एमएम कॉलेज विक्रम के सेमिनार हॉल में भीषण आग लाखों की संपत्ति जलकर राख

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। विक्रम प्रखंड स्थित एमएम कॉलेज के प्रशासनिक भवन परिसर में गुरुवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग कॉलेज के सेमिनार हॉल में लगी, जिसमें कागजात समेत लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने की सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत विक्रम पुलिस को खबर दी। लेकिन विक्रम में मौजूद दमकल वाहन खराब होने के कारण आग बुझाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों ने अपने स्तर से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण प्रयास सफल नहीं हो सका।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सूचना पालीगंज अनुमंडल पदाधिकारी अमनप्रीत सिंह को दी गई। एसडीओ के निर्देश पर आसपास के प्रखंडों से दमकल की गाड़ियाँ भेजी गई। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के दौरान सेमिनार हॉल में रखे जरूरी दस्तावेज, फर्नीचर और अन्य कीमती सामान पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गए। आग लगने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि विक्रम प्रखंड में मौजूद दमकल वाहन चालू हालत में होता तो आग पर समय रहते काबू पाया जा सकता था और भारी नुकसान से बचा जा सकता था। गौरतलब है कि इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कॉलेज प्रशासन और स्थानीय लोग अब घटना की जांच और क्षति के आकलन की मांग कर रहे हैं।

बॉलीवुड की मुमताज : स्टंट क्वीन से सिल्वर स्क्रीन की सुपरस्टार बेमिसाल रहा फिल्मी सफर

हिंदी सिनेमा में जब भी 60-70 के दशक की खूबसूरत अभिनेत्रियों का जिक्र होता है, तो मुमताज का नाम सबसे पहले याद आता है। उनका सफर किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। उनकी शुरुआत बेहद मामूली रही, लेकिन रास्ता मुश्किलों से भरा रहा और आखिर में चकाचौंध से भरी जिंदगी देखने को मिली। एक वक्त था जब मुमताज को सिर्फ स्टंट फिल्मों की 'हीरोइन फॉर हायर' माना जाता था। 31 जुलाई 1947 को मुंबई में जन्म लेने वाली मुमताज का असली नाम मुमताज बेगम जहान देहलवी था। उन्होंने महज 11 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। वह अपने आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर आगे बढ़ती रहीं।

उनके करियर का पहला बड़ा मोड़ 1963 में रिलीज हुई फिल्म 'फौलाद' से आया, जिसमें उन्होंने मशहूर पहलवान और अभिनेता दारा सिंह के साथ लीड रोल निभाया। यह एक एक्शन फिल्म थी। उन्हें 'सिकंदर-ए-आजम', 'राका', 'वीर भीमसेन', 'टार्जन कम्स टू देल्ही', 'रुस्तम-ए-हिंद', और 'डाकू मंगल सिंह' जैसी एक्शन फिल्मों में दारा सिंह के साथ कास्ट किया गया।

इन फिल्मों में मुमताज कभी तलवारें चलाती नजर आती, तो कभी पेड़ों पर चढ़कर स्टंट करती दिखती। वह फिल्मों में खलनायकों से खूब भिड़ी और मारधाड़ से भरपूर किरदार निभाए। मुमताज ने दारा सिंह के साथ करीब 16 फिल्मों में काम किया, जिनमें से 12 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। इंडस्ट्री ने उन्हें 'स्टंट फिल्मों की नायिका' के टैग से नवाजा।

हालांकि, इस टैग ने उन्हें बड़े बैनर्स और स्टार नायकों से दूर भी कर दिया। कई अभिनेता, खासकर शशि कपूर और जीतेंद्र जैसे नाम, उनके साथ काम करने से कतराते थे। मुमताज ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1967 में आई फिल्म 'राम और श्याम' और 1969 में आई फिल्म 'दो रास्ते' के जरिए लोगों को दिखाया कि वह सिर्फ स्टंट सीन ही नहीं, बल्कि इमोशन और रोमांस सीन्स को भी बेहतरीन तरीके से निभा सकती हैं।इसके बाद 'बंधन', 'सच्चा झूठा', 'खिलौना', 'रोटी', 'चोर मचाए शोर', और 'आपकी कसम' जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड रोल निभाया और सुपरहिट परफॉर्मेंस दी।

1970 में फिल्म 'खिलौना' में दमदार अभिनय के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके अलावा 1996 में उन्हें फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

मुमताज की सबसे मशहूर जोड़ी राजेश खन्ना के साथ रही। दोनों ने आठ फिल्मों में साथ काम किया और हर फिल्म हिट साबित हुई। पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री, खासकर 'प्रेम कहानी' और 'आपकी कसम' जैसी फिल्मों में, दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ गई। 1974 में जब मुमताज करियर के शिखर पर थीं, तब उन्होंने मयूर मधवानी से शादी करके फिल्मों से दूरी बना ली। शादी के बाद उन्होंने कुछ सालों के लिए इंडस्ट्री से दूरी रखी और परिवार को प्राथमिकता दी।

1990 में मुमताज ने एक बार फिर फिल्म 'आंधियां' के साथ वापसी की, लेकिन यह फिल्म चल नहीं सकी। इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से संन्यास ले लिया, लेकिन उनकी जिंदगी में एक गंभीर मोड़ आया, जब उन्हें कैंसर का पता चला। उन्होंने तुरंत इलाज करवाने का फैसला लिया और अमेरिका में कीमोथैरेपी से लेकर सर्जरी तक का कठिन और दर्दनाक इलाज करवाया, लेकिन मानसिक तौर पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी और ठीक होकर लौटीं।

मुमताज ने उस वक्त एक इंटरव्यू में कहा था, मैं हर उस महिला को बताना चाहती हूं, जो कैंसर से जूझ रही है कि यह अंत नहीं है। अगर मुझ जैसी औरत इससे उबर सकती है, तो कोई भी कर सकता है। हिम्मत मत हारो, जिंदगी बहुत खूबसूरत है।

काजोल ने खुलासा किया कि क्या वह अपनी फिल्में नहीं देखती

अभिनेत्री काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। उन्होंने बातचीत में खुलासा किया कि वह अपनी फिल्में नहीं देखती हैं। अभिनेत्री से पूछा, क्या वह अपनी फिल्में देखती हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने बताया, वह अपनी फिल्में नहीं देखतीं।

काजोल ने कहा, नहीं, मैं अपनी फिल्में नहीं देखती, मैं बहुत बुरी हूं। मैं फिल्में नहीं देखती, बल्कि मैं किताबें पढ़ती हूं। मैं फिल्में बहुत कम देखती हूं।अभिनेत्री से पूछा गया कि वह अपनी कौन-सी फिल्में फिर से देखना पसंद करेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, डीडीएलजे और 'कुछ कुछ होता है' को फिर से सिनेमाघरों में देखना चाहूंगी।

उन्होंने आगे कहा, शायद प्यार तो होना ही था को मैं फिर से पर्दे पर देखना चाहूंगी। मुझे लगता है कि प्यार तो होना ही था को फिर से देखना मजेदार होगा।वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री अपकमिंग मोस्ट अवेटेड ड्रामा फिल्म सरजमीन में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान भी हैं।काजोल ने बताया, सरजमीन में एक भावनात्मक गहराई थी, जिसने अभिनेत्री के रूप में मुझे वास्तव में आकर्षित किया। यह भूमिका मेरे लिए व्यक्तिगत स्तर पर बहुत ही खास थी। इब्राहिम ने फिल्म में अपने मुश्किल किरदार को शानदार तरीके से निभाया है। मैं उसके लिए काफी खुश और उत्साहित हूं। सरजमीन में मेरे किरदार में कई परतें हैं, जो कहानी को जोड़े रखती हैं।इसके अलावा, काजोल ने लेखिका ट्विंकल खन्ना के साथ टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल नामक एक टॉक शो में भी हिस्सा लिया है। दोनों अभिनेत्रियां बॉलीवुड के कुछ बड़े नामों के साथ तीखी और बेबाक बातचीत करेंगी।

राज कुंद्रा की पहली पंजाबी फिल्म मेहर का पोस्टर जारी, कहा किरदार ने बदली मेरी सोच

बिजनेस से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले राज कुंद्रा ने मंगलवार को अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'मेहर' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनके किरदार ने उन्हें अंदर से बदल दिया है और उनकी सोच को नई दिशा दी है। वह फिल्म में करमजीत सिंह का किरदार निभा रहे हैं, जो काफी भावनात्मक है और अपने परिवार से बेइंतहा प्यार करने वाला है। वह मुश्किलों में भी शांत और मजबूत बना रहता है।राज कुंद्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह करमजीत सिंह नाम के किरदार में दिख रहे हैं। उनके साथ गीता बसरा और बाल कलाकार मास्टर अगमवीर सिंह भी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राज कुंद्रा ने ब्लू कलर का सूट पहना हुआ है और वह चारपाई पर बैठे दिख रहे हैं। उनके हाथ में एक ट्रॉफी है।

पोस्टर जारी करते हुए राज कुंद्रा ने लिखा, फिल्म 'मेहर' का पहला लुक पोस्टर आपके सामने है। मैं एक ऐसी दुनिया में कदम रख रहा हूं, जहां भावनाएं, रिश्ते और एक विरासत की कहानी है। ये मेरी पहली पंजाबी फिल्म है। इसमें मेरे साथ खूबसूरत एक्ट्रेस गीता बसरा भी हैं। फिल्म में मेरा किरदार करमजीत सिंह है, जिसने मुझे अंदर से बदल दिया और मेरी सोच को नई दिशा दी है। इस कहानी को जीते हुए मैंने हर भावना को महसूस किया। फिल्म को राकेश मेहता ने बड़े ही जुनून के साथ डायरेक्ट किया है।

राज कुंद्रा ने अपनी पोस्ट में फिल्म के म्यूजिक और टीम के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, ''इस फिल्म का संगीत 'ड्रीम्स म्यूजिक' नामक कंपनी ने तैयार किया है, जो आपका दिल को छू लेगा। मैं अपने प्रोड्यूसर दिव्या भटनागर और रघु खन्ना का दिल से धन्यवाद करता हूं। फिल्म 5 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज हो रही है। उम्मीद है कि आप लोग हमें उतना ही प्यार देंगे, जितना पंजाब ने मुझे दिल से अपनाया।''

आगामी पंजाबी फिल्म 'मेहर' का निर्देशन राकेश मेहता कर रहे हैं। इस फिल्म में राज कुंद्रा के अलावा बनिंदर बनी, सविता भट्टी, रूपिंदर रूपी, दीप मनदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तारसेम पॉल और कुलवीर सोनी जैसे कलाकार हैं। 'मेहर' फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

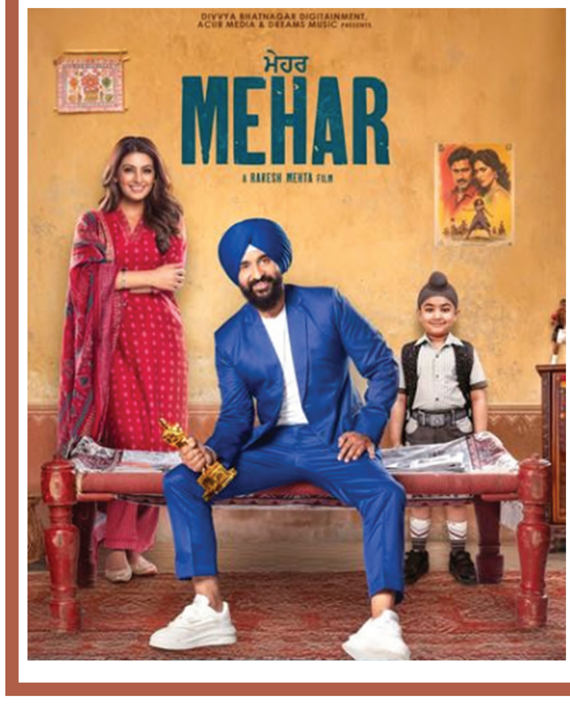

अनुपमा में परी का किरदार मिलना सरप्राइज की तरह था : इशिता दत्ता

टीवी के लोकप्रिय सीरियल अनुपमा में परी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस इशिता दत्ता ने बताया कि जब वह शो के प्रोड्यूसर से मिली थीं, तो उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उन्हें इस शो में काम मिलेगा। उनके लिए परी का रोल मिलना एक सरप्राइज जैसा था।इशिता दत्ता का किरदार काफी चुलबुली और नेक दिल वाली लड़की का है, जिसके चलते लोग उनके किरदार को काफी पसंद कर रहे हैं।एक्ट्रेस ने बताया कि परी का रोल निभाना उनके लिए बेहद खास और मजेदार रहा। उन्हें इस किरदार में काम करने में खुशी भी महसूस हुई और एक गहरी सीख भी मिली।

इशिता ने कहा, मुझे परी की सकारात्मक सोच और संस्कार काफी पसंद हैं, जो अनुपमा के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं। जिंदगी में मुश्किलों के बावजूद, परी हमेशा आत्मविश्वास से भरी रहती है और सही बात के लिए हमेशा डटकर खड़ी होती है। परी का आत्मविश्वास और मुश्किलों का सामना करने की ताकत को पर्दे पर दिखाना मुझे सुकून भरा एहसास देता है। मैं इस किरदार को पाकर आभारी महसूस कर रही हूं।

उन्होंने बताया, ''जब मैंने राजन शाही सर से पहली बार मुलाकात की, तो मुझे पता नहीं था कि यह शो 'अनुपमा' है। मुझे उस वक्त लगा कि यह किरदार अच्छा है और इसे निभाने में मजा आएगा। बाद में जब मुझे पता चला कि यह देश का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला सीरियल है और मैं राजन शाही सर के साथ काम करूंगी, तो यह मेरे लिए एक सरप्राइज की तरह था। यह मेरे लिए बेहद खास पल था। उन्होंने कहा, राजन शाही का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे ऐसा रोल दिया, जो मेरे लिए चुनौतिपूर्ण था, लेकिन अनुभव शानदार रहा। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसे शो का हिस्सा हूं, जिसे लोग बहुत प्यार करते हैं।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार : डॉली चावला

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार 'मीरा' के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है।

डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती।उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।डॉली ने शो को 'हां' कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे 'मीरा' के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है।

'तुम से तुम तक', 'आर्या' और 'अनु' के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। डॉली ने कहा, वास्तविक जीवन में भी उम्र के अंतर वाली प्रेम कहानियां होती हैं। प्यार धीरे-धीरे बढ़ता है। 'अनु' और 'आर्या' की कहानी भी ऐसी ही है, जो धीरे-धीरे खुलती है। उम्र सिर्फ एक संख्या है।प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

वाशी योग में देवी लक्ष्मी निम्न राशियों को दिलाएंगी चौतरफा लाभ

युति हो रही है जिससे वाशी योग बन रहा है। इस शुभ योग में माता लक्ष्मी वृषभ, कर्क, कन्या और मकर राशि पर अपनी विशेष कृपा बरसाने वाली हैं। इन्हें व्यापार और नौकरी में खूब तरक्की मिलेगी। साथ ही, जरूरी कार्यों में आ रही रुकावटें भी दूर होने लगेंगी। कार्यस्थल पर इनके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी दिन अनुकूल रहेगा जिससे धन आगमन के भी योग बनते रहेंगे। उत्तम संपत्ति प्राप्त होने की संभावना है और व्यापार में छोटे-छोटे अवसरों से बड़ा लाभ मिल सकता है। इनके पारिवारिक जीवन में भी खुशियां आएंगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर होंगे।

मेष राशि : कार्यक्षेत्र में अटके कार्य होंगे पूरे

व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आपका कोई काम लंबे समय से बीच में अटका हुआ है, तो वह शाम के समय पूरा हो सकता है, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। जीवनसाथी का भी आपको पूरा सहयोग प्राप्ति होगा। आर्थिक मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। लेकिन संतान की ओर से कोई ऐसा समाचार मिल सकता है, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा।

वृषभ राशि : पद और प्रतिष्ठा में होगी वृद्धि

कार्यक्षेत्र में शांति और संयम के साथ काम करने से आपको सफलता मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उन्हें अपने प्रयासों का अब शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है। शासन और सत्ता अच्छी दोस्ती या बातचीत होने से आपको लाभ मिल सकता है। कार्यस्थल नए प्रोजेक्ट हाथ लग सकते हैं, जिससे प्रतिष्ठा और पद में वृद्धि होगी। हालांकि, रात में कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन राशि : यात्रा के दौरान सतर्क रहना जरूरी

किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई मूल्यवान वस्तु खोने या चोरी होने का डर बना रहेगा। अगर कार्यक्षेत्र में आपके जरूरी काम रुके हुए थे तो अब वे पूरे होने लगेंगे। आपको अपने प्रोजेक्ट से जुड़ा को शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। रात में किसी मांगलिक कार्य में जाने की संभावना है।

कर्क राशि : उत्तम संपत्ति मिलने के योग

आपके लिए यह दिन शुभ रहने वाला है। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगेंगे। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार में कामकाज के सिलसिले में की गई यात्रा आपके लिए सुखद और लाभदायक हो सकती है। शाम के समय आप अपने प्रियजनों से मिल सकते हैं या उनसे जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि : आमदनी के मिलेंगे नए स्रोत

राशि का स्वामी सूर्य कर्क राशि द्वादश भाव में है। इससे नौकरी में आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनने शुरू हो सकते हैं। वहीं, कार्यस्थल पर अपनी मधुर वाणी से आपको सम्मान प्राप्त होगा और मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, आपके विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों को शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि : व्यापार में पाएंगे बड़ी सफलता

आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि कराने वाला होगा। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से अब बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। यह आपके अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है। अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब आपको जीत मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। संतान की ओर से भी कोई सुखद समाचार सुनने को मिलेगा।

तुला राशि : आर्थिक मामलों में होगा लाभ

दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आपके चारों और खुशहाली भरा वातावरण बना रहेगा। आर्थिक मामलों में अगर कई दिनों से पैसों की लेन-देन को लेकर समस्या चल रही थी तो अब वह हल हो सकती है। इससे आपको अब पर्याप्त मात्रा में धन लाभ भी होगा और सुख में वृद्धि होगी। व्यापार में किसी पास या दूर की यात्रा की योजना बनकर स्थगित हो सकती है।

वृश्चिक राशि : व्यापार में छोटे-छोटे अवसरों पर दें ध्यान

आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। जरूरी मामलों में परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार करने वालों को अपने आसपास के छोटे-छोटे अवसरों को भी पहचानना होगा। बड़े मुनाफे के चक्कर में छोटे लाभों को हाथ से जाने देना नुकसानदायक हो सकता है। सेहत पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है। शरीर से जुड़ी समस्या होने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में विरोधी भी करेंगे प्रशंसा

कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी आपके काम और रचनात्मक सोच की प्रशंसा करेंगे। शासन व सत्ता पक्ष से अच्छी जान पहचान और बातचीत होने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामले में आपको ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन का सहयोग मिल सकता है। शाम को आप किसी कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं।

मकर राशि : आर्थिक मामलों में मिलेगी सफलता

रोजगार और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट और प्रयास उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहकर्मियों की ओर से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। लेकिन शाम के समय किसी भी विवाद या झगड़े से आपको दूर रहना होगा। पारिवारिक जीवन में भी खुशियां दस्तक दे सकती हैं।

कुंभ राशि : विवादों से रहें दूर, न करें जल्दबाजी

कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल नहीं रहेगा। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें और जोखिम भरे निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर मेहनत के बाद भी आपको नुकसान हो सकता है। व्यापार में किसी समाचार के चलते आपको अचानक यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। ऐसे में विवाद से बचें और सावधान रहें।

मीन राशि : यात्राओं के दौरान रहें सावधान

आर्थिक मामले में आपको अपने ससुराल पक्ष से पैसों की लेन-देन करने से बचना होगा। ऐसा करने से संबंध खराब होने का भय बना रहेगा। व्यापार से जुड़ी यात्राओं में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा को मूल्यवान वस्तु खोने की संभावना है। ऐसे में अगर संभव हो तो अभी के लिए यात्राओं को टाल दें। आपका ज्यादा समय संतान की चिंता और उनके कामों में व्यतीत हो सकता है और दांपत्य जीवन में धीरे-धीरे खुशियां आएंगी।

कजरी तीज का व्रत 12 को रखा जाएगा
जानिए व्रत की सही तिथि और महत्व

भाद्रपद महीने की शुरुआत में कजरी तीज मनाई जाती है। भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन के इस पर्व में कुंवारी कन्याएं और महिलाएं व्रत रखती हैं। वैसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएं कजरी तीज का व्रत रखती हैं और अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। साथ ही वैवाहिक जीवन में सुख, शांति, संतान के लिए कजरी तीज व्रत रखा जाता है।

कजरी तीज का शुभ मुहूर्त

कजरी तीज भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। 11 अगस्त को तृतीया तिथि सुबह 10.34 बजे लगेगी और 12 अगस्त को सुबह 8.41 बजे इसका समापन होगा। उदया तिथि होने की वजह से 12 अगस्त को कजरी तीज का व्रत रखा जाएगा। खास बात यह है कि इस दिन मंगलवार की चतुर्थी तिथि होने से अंगारकी चतुर्थी और बगुला चतुर्थी का भी संयोग बन रहा है। ऐसे में इस दिन एक साथ दो-दो व्रत का संयोग बन रहा है, जो सुहाग और संतान दोनों के लिए लाभदायक होगा।

कजरी तीज का महत्व

कजरी तीज का व्रत महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। वे भगवान शिव और माता पार्वती से अपने सुखी और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। कजरी तीज को लेकर मान्यता है कि भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कठोर तप किया था। इसके साथ ही कजरी तीज का व्रत भी रखा था। ऐसे में महिलाएं पति की सलामती के लिए यह व्रत रखती हैं। वे सोलह शृंगार करते हुए पति के लिए यह व्रत रखती हैं।

कठिन होता है कजरी तीज व्रत

वहीं कई जगहों पर कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर के लिए यह व्रत रखती हैं। कजरी तीज का व्रत थोड़ा कठिन होता है। क्योंकि महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं। इसमें शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है और भगवान शिव-पार्वती की पूजा की जाती है।

शराब के साथ प्रकट हुई देवी लक्ष्मी की बड़ी बहन कौन थी?
जिसके विवाह के लिए भगवान विष्णु को करना पड़ा ऐसा इंतजाम

लाल-लाल आंखें, दुर्बल और मैला शरीर और तन पर गंदे कपड़े और लोहे के आभूषण... कुछ ऐसी है मां लक्ष्मी की बड़ी बहन अलक्ष्मी की छवि। मां लक्ष्मी से बिल्कुल उलट। जहां मां लक्ष्मी सुख-समृद्धि और सौभाग्य की देवी हैं तो वहीं उनकी बहन अलक्ष्मी जहां निवास करती हैं वहां दरिद्रता, दुख, क्लेश आदि होता है। उनकी कहानी बड़ी रोचक है। अलक्ष्मी को क्यों मां लक्ष्मी की बहन माना जाता है और कैसे उनके विवाह के लिए देवी लक्ष्मी स्वयं भगवान विष्णु से अड़ गई थीं। साथ ही अलक्ष्मी का निवास कहां है और उसे अपने घर में प्रवेश करने से कैसे दूर रखा जा सकता है।

मां लक्ष्मी की बड़ी बहन हैं अलक्ष्मी

माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी की उद्गम हुआ था। इसी प्रकार कथा यह भी कहती है कि मदिरा के साथ अलक्ष्मी भी समुद्र मंथन से ही निकली थी। इसलिए उन्हें मां लक्ष्मी की बड़ी बहन कहा जाता है। तब मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु ने विवाह करना चाहा लेकिन अलक्ष्मी बड़ी थीं। ऐसे में सनातन धर्म के अनुसार पहले अलक्ष्मी का विवाह होना जरूरी था, तभी छोटी बहन यानी देवी लक्ष्मी का विवाह होता।

क्यों भगवान विष्णु से अड़ गईं देवी लक्ष्मी

चूंकि अलक्ष्मी का स्वरूप कुरूप था और शरीर भी गंदगी से भरा था इसलिए कोई भी उनसे विवाह नहीं करना चाहता था। बताया जाता है कि इसके बाद मां लक्ष्मी भगवान विष्णु से जिद पर अड़ गईं कि पहले अलक्ष्मी का विवाह होगा, इसके बाद ही वह उनके साथ शादी करेंगी। इसके बाद भगवान विष्णु को अलक्ष्मी के विवाह के लिए इंतजाम करना पड़ा। उन्होंने उद्दालक ऋषि को अलक्ष्मी से विवाह के लिए मनाया। इसके बाद उन दोनों का विवाह हुआ।

अलक्ष्मी का निवास कहां पर है

विवाह के बाद अलक्ष्मी को लेकर उद्दालक ऋषि अपने आश्रम में पहुंचे लेकिन अक्ष्मी ने वहां जाने से इनकार कर दिया। तब ऋषि ने पूछा कि आपका निवास कहां है। इस पर अलक्ष्मी ने बताया कि जहां गंदगी होती है। लड़ाई झगड़ा होता है। मांस-मदिरा का सेवन होता है। अधर्म के काम होते हैं। वह ऐसे घरों में निवास करती हैं। तब उद्दालक ऋषि अलक्ष्मी को पीपल के पेड़ के नीचे बैठाकर उनके लिए उचित स्थान ढूंढने के लिए चले गए।

अलक्ष्मी से कैसे बच सकते हैं

पीपल के पेड़ के नीचे बैठे-बैठे अलक्ष्मी को काफी समय बीत गया और उद्दालक ऋषि नहीं आए तो वह दुखी हो गईं। बड़ी बहन को दुखी देखकर मां लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को अपनी व्यथा कही। तब श्रीहरि विष्णु ने कहा कि पीपल मेरा ही निवास है, ऐसे में अलक्ष्मी यहां पर निवास कर सकती है। तब से अलक्ष्मी का निवास पीपल के पेड़ के नीचे माना जाता है। साथ ही पीपल की पूजा करने वाले को अलक्ष्मी नुकसान नहीं पहुंचाती है। इसके साथ ही कहा जाता है कि अलक्ष्मी को खट्टा और मिर्च वाला भोजन पसंद है। इसीलिए घरों और प्रतिष्ठानों के बाहर नींबू मिर्च टांगा जाता है ताकि अलक्ष्मी वहीं से भोजन करके लौट जाए। अंदर प्रवेश न करे। इसके साथ ही जहां साफ-सफाई हो, धार्मिक गतिविधियां हों, वहां भी अलक्ष्मी का प्रवेश नहीं होता है।

पुत्रदा एकादशी 5 को मनाई जाएगी
जानिए शुभ मुहूर्त और महत्व

पुत्रदा एकादशी सावन मास के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है और इसका विशेष महत्व है। इसे पवित्रा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। पुत्रदा एकादशी का व्रत संतान की प्राप्ति और उसकी रक्षा के लिए रखा जाता है। एकादशी तिथि पर भगवान लक्ष्मी नारायण की भी पूजा करने का महत्व है।

साल में दो बार आती है पुत्रदा एकादशी

वैसे पुत्रदा एकादशी साल में दो बार आती है। पहली सावन मास में मनाई जाती है और दूसरी पौष मास में आती है। सावन के महीने में मनाई जाने वाली पुत्रदा एकादशी का अपना महत्व है। जहां एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है वहीं अभी सावन का महीना चल रहा है, जिसमें भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। ऐसे में सावन की पुत्रदा एकादशी पर भगवान शिव और विष्णु दोनों की कृपा पाने का मौका होता है। इस पर वे मनोकामना भी पूरी करते हैं।

पुत्रदा एकादशी का महत्व

पुत्रदा एकादशी को लेकर मान्यता है कि इस दिन वैवाहिक दंपति को व्रत रखना चाहिए और विधिपूर्वक, पूरे नियम धर्म के साथ पूजा पाठ करनी चाहिए। इससे संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही भगवान विष्णु और शिवजी अपने भक्तों को सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। यही नहीं एकादशी व्रत करने वाले के दुख-दर्द भी दूर होते हैं।

पुत्रदा एकादशी का शुभ मुहूर्त

सावन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 4 अगस्त को सुबह 11.42 बजे लग रही है और 5 अगस्त को दोपहर 1.13 बजे तक रहेगी। सूर्योदय कालीन एकादशी होने की वजह से एकादशी व्रत 5 अगस्त को रखा जाएगा। इस दिन ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में रवि योग का भी संयोग बन रहा है। इसके साथ ही सुबह 4.20 से 5.02 बजे तक ब्रह्म मुहूर्त और दोपहर 12 बजे से 12.54 बजे तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा जो उत्तम मुहूर्त माने जाते हैं। ये शुभ कार्यों और पूजा पाठ के लिए अनुकूल माने जाते हैं।

अगस्त महीने का पहला प्रदोष व्रत 6 को किया जाएगा

प्रदोष व्रत भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की जाती है। मान्यताओं के अनुसार प्रदोष व्रत करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। साथ ही व्यक्ति को संतान सुख, धन संपत्ति का लाभ भी मिलता है। इस दिन व्रत करने से भगवान शिव आपकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। साथ ही घर परिवार में सुख समृद्धि और खुशहाली आती है।

बता दें कि हर महीने की शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत किया जाता है। पंचांग की गणना के अनुसार 6 तारीख को अगस्त माह का पहला प्रदोष व्रत किया जाएगा। 6 तारीख को दोपहर में 2 बजकर 9 मिनट से द्वादशी तिथि समाप्त होकर त्रयोदशी तिथि का आरंभ होगा। संध्याकाल में त्रयोदशी तिथि व्याप्त होने के कारण 6 तारीख को ही बुध प्रदोष व्रत का संयोग बनेगा। 6 अगस्त को बुधवार होने के कारण इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाएगा। शास्त्रों में विधान है कि जब भी त्रयोदशी तिथि प्रदोष काल यानी शाम के समय होती है उस समय ही प्रदोष व्रत किया जाता है। क्योंकि, प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर प्रसन्न मुद्रा में नृत्य करते हैं।

शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि होने से शिव जी का वास वृषभ पर होगा। जिसे की बेहद शुभ और अभीष्ट सिद्धि देने वाला बताया गया है। यानी इस दिन किए गए व्रत को करने से आपकी जो भी मनोकामना है वह जरूर पूरी होगी।

प्रदोष व्रत का महत्व

शिव पुराण में प्रदोष व्रत को लेकर बताया गया है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से प्रदोष व्रत करता है भगवान शिव उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। साथ ही व्यक्ति को धन संपत्ति लाभ के साथ साथ संतान सुख की प्राप्ति भी होती है। भगवान शिव का आशीर्वाद और कृपा पाने के लिए हर महीने प्रदोष व्रत करना चाहिए।

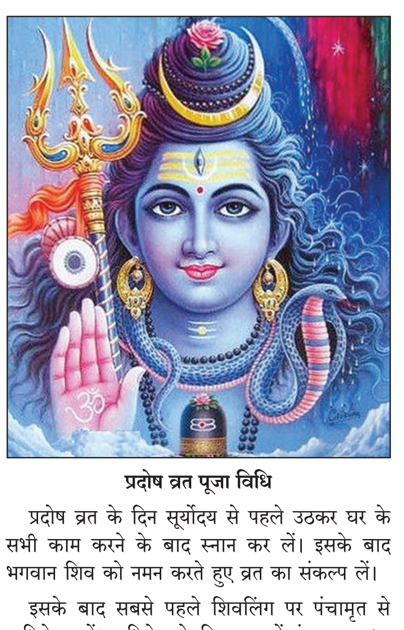

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सूर्योदय से पहले उठकर घर के सभी काम करने के बाद स्नान कर लें। इसके बाद भगवान शिव को नमन करते हुए व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद सबसे पहले शिवलिंग पर पंचामृत से अभिषेक करें। अभिषेक के लिए जल में गंगाजल, दूध, दही, शहद आदि चढ़ाकर अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ओम नमो भगवते रुद्राय नमः मंत्र का जप करें।

फिर शिवलिंग पर सफेद चंदन, धतूरा, शमी के पत्तियां, फूल, फल, भस्म आदि अर्पित करें। ये सभी चीजें अर्पित करते हुए ओम तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि! तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् मंत्र का जप करें।

इसके बाद घी का दीपक जलाकर भगवान शिव की आरती करें। प्रदोष व्रत में दो बार पूजा करें। पहले सुबह और दूसरा प्रदोष काल का समय व्रत करें। पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती के बाद पूजा पाठ में की गई भूल चूक के लिए माफी मांगे।

रोगों की जड़ में हो सकता है वास्तु दोष

वास्तु शास्त्र प्रकृति पर आधारित विज्ञान है, मनुष्य को अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रकृति के सानिध्य में पंचतत्व का सही सम्मिश्रण प्राप्त करना अनिवार्य है। पंचतत्व में से एक भी तत्व की कमी विकार उत्पन्न कर कष्ट का कारण बनती है। इसीलिए भवन निर्माण के समय वास्तु और प्रकृति के समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यदि घर में किसी भयंकर बीमारी ने प्रवेश कर लिया है तो वास्तु दोष से इंकार नहीं किया जा सकता। यदि ऐसी स्थिति है तो वास्तु के निम्न तथ्यों पर विचार करें।

भवन या गृह की भूमि जब नैऋत्य कोण में ढलान वाली होती है तो वह रोग कारक होती है। भूमि जब वायु कोण में ढलान वाली होती है तो भी रोग उत्पन्न होता है। विकर्ण भूमि में रहने से कर्ण रोग उत्पन्न होता है।

यदि किसी वास्तु में गलत स्थान से रास्ता निकाला जाता है तो वास्तु पुरुष का जो अंग भंग होता है वह उस घर के स्वामी के उसी अंग को भंग करता है।

जिस घर में खिड़कियां उचित स्थान पर नहीं बनी होती है, उसमें भी मनुष्य रुग्णता को प्राप्त करता है।

मान्यताओं के अनुसार यदि किसी घर में गर्भवती स्त्री हो तो उसे अपने घर के दरवाजों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, अगर दरवाजा खोलते-बंद करते समय आवाज करता है तो यह गर्भवती स्त्री के लिए हानिकारक है।

बीम के नीचे सोना, बैठना और पढ़ना स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होता है अतः घर के किसी भी कमरे में बीम के नीचे कार्य करने से बचें।

बिस्तर के गद्दे के नीचे कोई भी कागज, दवा का पर्चा, दवा, रुपया-पैसा न रखें नहीं तो उस पर सोने से शरीर के अंगों में तकलीफ होने लगेगी।

जो भूमि अग्निकोण और दक्षिण के बीच में नीची और वायव्य कोण और उत्तर के बीच में ऊंची होती है उसमें भी रोग होता है।

इस प्रकार और भी अनेक ऐसे वास्तुदोष के संकेत होते हैं जो वहां पर रहने वालों को रोगग्रस्त करके रखते हैं। अतः घर में कोई लम्बे समय से बीमार हो तो जन्म कुंडली की ग्रहदशा सुधार के साथ-साथ वास्तु दोष को शमन करवाना आवश्यक रहता है। जब ग्रहदशा सुधार के साथ वास्तु में संशोधन कराके घर, भवन, कार्यालय को दोषमुक्त कराया जाता है, तो बीमारी, रोग-शोक छूमंतर हो जाते हैं।

संपादकीय

बनते-बिगड़ते संस्थान

बनते बिगड़ते संस्थानों की कहानी में पुनः केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुशलक्षेम व पता पूछा जा रहा है। सियासत की छावनी की तरह फिर इसकी छत के नीचे सवालों का चरित्र खड़ा है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, दो परिसर, दो संसदीय क्षेत्र। यूं तो देहरा वो सब जीत गया, जो धर्मशाला को अभी तक नहीं मिला, फिर भी हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर के सरोकार पहरेदारी कर रहे हैं। निर्माण की समीक्षा में वह 16 साल के सफर की ईंटें देख रहे हैं, जबकि दूसरी ओर जदरांगल परिसर का न नाम बचा और न ही निशान दिखाई दे रहे हैं। क्यों दोनों परिसरों में कोई समन्वय है। देहरा की वकालत के ताज आरंभ में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से जुड़ते हैं, फिर अनुराग के दिल के करीब इसके ख्वाब सजते हैं। बीच में पूर्व विधायक रविंद्र सिंह रवि और अब विधायक कमलेश के विकास की झड़ी में देहरा परिसर प्रगति कर रहा है। अनाथ तो धर्मशाला के ख्वाब हैं, जो यहां के जनप्रतिनिधियों की शिकायत करते हैं। इस बीच 16 साल और कई सरकारें गुजर गईं। परीक्षाएं तो धर्मशाला ने दीं, जो अंग्रेजों के वक्त से ही शिक्षा का हब रहा, लेकिन हाय री सियासत, तेरी खिड़कियां हमेशा उलटी दिशा में ही खुलती हैं। ऐसा नहीं है कि प्रदेश के सबसे बड़े जिला मुख्यालय की सियासी तकदीर केवल केंद्रीय विश्वविद्यालय के कारण बिगड़ी, इससे पहले मेडिकल कालेज की जमीन ऐसी खींची कि यहां के जोनल अस्पताल का रुतबा बार-बार डिस्पेंसरी सरीखा हो गया। आश्चर्य यह कि डेढ़ हजार की ओपीडी को आकर्षित करता अस्पताल करीब एक साल से बिना मेडिसन के एमडी के भी 'जोनल' बना हुआ है। केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर का निर्माण भी देहरा के साथ शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने भी अपने पैगाम कठिन कर दिए। बेशक हमीरपुर के सांसद कह रहे कि अस्थायी परिसर से आगे बढक़र स्थायी परिसर देहरा की दीवारें मजबूत कर दी जाएं, लेकिन राष्ट्रीय संस्थान का दर्जा आज भी धर्मशाला में छात्रों की प्राथमिकता के कारण बचा हुआ है। अस्थायी परिसर के बावजूद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अगर अपनी रैंकिंग की रोशनी में नई उपलब्धि हासिल की है, तो छात्र समुदाय से खेलती हिमाचल की राजनीति ही एकमात्र दोषी मानी जाएगी। बहरहाल, प्रश्न अब कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज से भी पूछना चाहिए कि आखिर जदरांगल परिसर का शिलान्यास कब होगा। विडंबना यह है कि जदरांगल का शिलान्यास खामोश है, जबकि कोशिश यह है कि देहरा परिसर का शीघ्र अति शीघ्र उद्घाटन हो जाए। जाहिर है इस तमगे के हकदार सांसद अनुराग ठाकुर हैं। हिमाचल के चार संसदीय क्षेत्रों के विकास का मूल्यांकन करें तो केंद्रीय परियोजनाओं के फलक पर हमीरपुर संसदीय क्षेत्र एक उदाहरण है, जहां मेडिकल कालेज, एम्स, पीजीआई सेटेलाइट सेंटर, हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज, एनआईटी, ट्रिपल आईटी, आईआईएचएम, भारतीय खेल प्राधिकरण का खेल छात्रावास तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर स्थापित हो रहे हैं, जबकि रेलवे विस्तार के कारण वंदे भारत ट्रेन के अलावा अंब-अंदौरा से हिमाचल पूरे देश से जुडऩे को अग्रसर है। सवाल अब यह पैदा होता है कि बाकी सांसद आखिर करते क्या रहे और कर क्या रहे हैं। सांसद अगर चाहते तो अब तक हिमाचल में कई आईटी पार्क बन चुके होते। विडंबना यह है कि इस दौरान धर्मशाला में हाई आल्टीट्यूट खेल परिसर उजड़ गया और कान्वेंशन सेंटर की जमीन भी खिसक चुकी है। सांसद तो शांता कुमार भी रहे और उनके ड्रीम प्रोजेक्ट भी रहे, लेकिन केंद्र से हिमाचल का नाता हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से ही सशक्त हुआ। अगर हमीरपुर और कांगड़ा के सांसद प्रयास करें तो अंब-अंदौरा तक पहुंची रेल लाइन को ज्वालामुखी तक पहुंचा कर यह देवी दर्शन रेल सर्किल साबित हो सकता है। हिमाचल के तमाम सांसदों को अनुराग ठाकुर से सीखने की जरूरत है।

सियासत की छावनी की तरह फिर इसकी छत के नीचे सवालों का चरित्र खड़ा है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, दो परिसर, दो संसदीय क्षेत्र। यूं तो देहरा वो सब जीत गया, जो धर्मशाला को अभी तक नहीं मिला, फिर भी हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर के सरोकार पहरेदारी कर रहे हैं। निर्माण की समीक्षा में वह 16 साल के सफर की ईंटें देख रहे हैं, जबकि दूसरी ओर जदरांगल परिसर का न नाम बचा और न ही निशान दिखाई दे रहे हैं। क्यों दोनों परिसरों में कोई समन्वय है। देहरा की वकालत के ताज आरंभ में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल से जुड़ते हैं, फिर अनुराग के दिल के करीब इसके ख्वाब सजते हैं। बीच में पूर्व विधायक रविंद्र सिंह रवि और अब विधायक कमलेश के विकास की झड़ी में देहरा परिसर प्रगति कर रहा है।

लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी

हिंसक भाषा बोध के बीच भाषाई सहिष्णुता की अपील

उमेश चतुर्वेदी

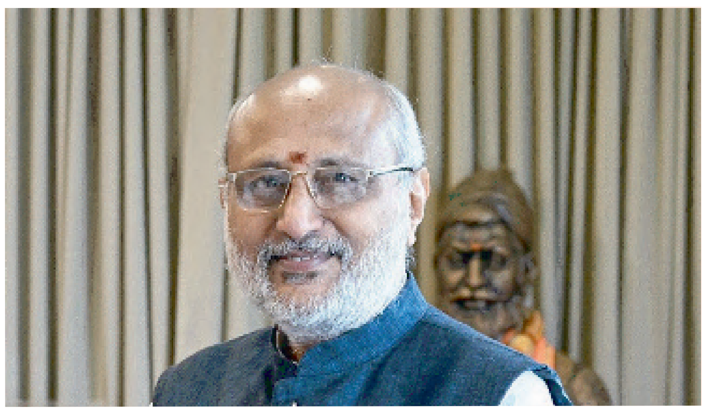

आमची मराठी बोध को लेकर जारी सियासी खींचतान के बीच आए राज्यपाल के बयान को लेकर विवाद नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए। सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है। तमिलनाडु के कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन आपसी बातचीत में मानतेरहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय व्याप्ति के लिए हिंदी का सहयोग जरूरी है। इन पंक्तियों के लेखक से कई बार उन्होंने हिंदी सिखाने की अपील की है। यह बात और है कि हिंदी के कुछ शब्दों के अलावा कुछ ज्यादा नहीं सीख पाए। तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में उन्हें तमिल मोदी कहा जाता रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हिंदी के कटु विरोध के लिए जानी जाती रही है। 1968 में तमिलनाडु में हिंदी को राजभाषा बनाने के खिलाफ हिंसक आंदोलन हो चुका है। राधाकृष्णन ने उस आंदोलन की हिंसक तपिश को महसूस किया है। इसके बावजूद हिंदी सीखना उनकी चाहत रही है। हिंदी विरोध की आंच में पली-बढ़ी तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी आपसी बातचीत में मानती है कि उसने क्या खोया है। वह पीढ़ी अब प्रौढ़ावस्था के उतरार्ध की ओर बढ़ रही है। वह मानती है कि अगर हिंदी विरोध की आंच से झुलसने का उसे अंदाजा होता तो हिंदी के विरोध में वह अपनी जिंदगी और अपने सपनों को होम नहीं करती। राज्यपाल ने वैसे कुछ ऐसा नहीं बोला है, जिसे तूल दिया जा सके। उन्होंने कहा है कि किसी को पीटने के बाद क्या वह तत्काल मराठी बोलने लगेगा। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। सीपी राधाकृष्णन 1998 और 1999 में लगातार दो बार कोयंबटूर से चुने गए थे। उन दिनों वे तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष भी रहे। उसी दौर की एक घटना का जिक्र उन्होंने अपने बयान में किया है। इस बयान में उन्होंने कहा है कि एक बार वे तमिलनाडु में कहीं जा रहे थे तो तमिल न बोलने के चलते कुछ हिंदीभाषी लोगों के साथ स्थानीय भाषा आंदोलनकारी मारपीट कर रहे थे। जिसके लिए उन्होंने हिंदीभाषियों से माफी मांगी और तमिल बोलने की जिद्द करने वाले लोगों से कहा था कि क्या उनके हाथों पिट जाने के बाद कोई तत्काल तमिल बोल पाएगा।भारत की हर भाषा का सम्मान हो, हर भाषा को बोलने वालों का सम्मान हो, इस सोच को बढ़ावा देने की जरूरत है। भारत की हर भाषा एक-दूसरे से जुड़ी है। भारत की भाषाएं आपस में बहनें हैं। इनके बहनापा को बढ़ावा देने की जरूरत है। कोई भाषा श्रेष्ठ है या कोई भाषा कमजोर है, इसकी तुलना भी बेमानी है। बहुभाषी भारत में एक कहावत पूरी शिद्दत से कही जाती है कि कोसृ-कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी। इसका आशय साफ है कि कुछ ही दूरी पर भाषा का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन क्या व्यक्ति इसका व्यवहार करना छोड़ देता है,क्या कुछ दूरी पर बदली भाषा से वह घृणा करने लगता है। भाषाओं की दुनिया किसी राष्ट्र की चौहद्दी नहीं हैं कि बाड़ लगाकर उन्हें रोक दिया जाएगा, भाषाओं का समाज नदी के पाट की तरह भी नहीं है कि उनके किनारों को बांध बनाकर रोक दिया जाएगा और उसके पानी को नियंत्रित कर लिया जाएगा। दरअसल भाषाएं नदी के प्रवाह की तरह हैं। जिस तरह हर नदी का अपना प्रवाह है, उसके प्रवाह की अपनी ध्वनि है, कुछ ऐसा ही हाल हर भाषा का है। लेकिन तमिल हो या मराठी, उन्हें बेहतर मानने और बाकी भाषाओं को कमतर समझने की सोच सही नहीं है। हर भाषा उसे बोलने वाले मूल धारा के व्यक्ति के लिए उसकी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ साधन है। राज्यपाल के बयान का मकसद भाषाओं की दुनिया की इसी खूबसूरती से परिचित करना और उनके गौरवबोध से लोगों का परिचय कराना है। महाराष्ट्र में मराठी बोली जाए या तमिलनाडु में तमिल का व्यवहार बाकी भाषाओं की तुलना में बेहतर हो, इससे भला किसी को क्यों इनकार होगा। लेकिन मराठी और तमिल को बेहतर बताने और हिंदी को कमतर बताने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हिंदी ही क्यों, बाकी भारतीय भाषाओं को कमतर बताना भी उचित नहीं होगा। भाषा को लेकर गौरवबोध होना तो ठीक है, लेकिन अपनी भाषा के गौरवबोध को कथित तौर पर स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा लेना या जबरदस्ती करना उचित नहीं है। ऐसा करना एक तरह से कानून-व्यवस्था का मामला बन जाता है। ऐसे में राज्यपाल का यह कहना उचित ही है कि कानून-व्यवस्था ठीक नहीं रहेगी तो निवेशक राज्य में आने से बचेंगे, निवेश घटेगा तो राज्य में उत्पादक इकाइयां कम होगीं, इससे रोजगार घटेगा और राज्य का राजस्व भी। भाषा की राजनीति को इन तथ्यों को भी समझना होगा। उसे देखना होगा कि भाषा के प्रति प्यार और स्नेह अराजकता का जरिया ना बने। भाषा को लेकर आक्रामक राजनीति करने वाले दलों को भी समझना होगा कि भाषाई स्वाभिमान के नाम पर होने वाली जबरदस्ती अंततः दूसरे पक्ष को भी उकसाती है। सोचिए, अगर हर भाषाभाषी अराजक ढंग से अपने भाषायी गौरवबोध को उभारने और उसे अभिव्यक्ति देने लगे तो क्या होगा ? अराजकता का तीव्र विस्फोट होगा और उससे अंततः राष्ट्र की नींव में सुराखें बनने लगेंगी। जिसकी बुनियाद पर राष्ट का खड़े रह पाना कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन संदर्भों में भी देखा और समझा जाना चाहिए। राज्यपाल ने ठीक ही कहा है कि हमें ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। इसे लेकर कोई समझौता भी नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम किसी और की मातृभाषा से नफरत करें। भाषाओं के नाम पर अराजक होने की बजाय जरूरत इस बात की है कि हम एक-दूसरे की भाषा ही नहीं, उसके समूचे अस्तित्व के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। तुच्छ और तात्कालिक राजनीतिक फायदे के लिए भाषा के नाम पर सहिष्णुता का यह पुल एक बार टूटा तो उसे फिर से स्थापित कर पाना बेहद कठिन होगा। महाराष्ट्र के राज्यपाल के बयान को इन्हीं संदर्भों में देखा, परखा और समझा जाना चाहिए।

मराठी स्वाभिमान के बहाने हिंदीभाषियों से हिंसा का समर्थक रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना यानी मनसे हो या फिर शिवसेना-उद्धव ठाकरे, दोनों के नेता राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के विरोध में उतर आए हैं। शिवसेना-उद्धव के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि मराठी महाराष्ट्र में नहीं बोली जाएगी तो क्या भूटान में बोली जाएगी। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा है कि राज्यपाल को मराठी स्वाभिमान और मराठी भाषा के अपमान में अंतर समझना चाहिए। सीपी राधाकृष्णन भले ही तमिलभाषी हों, लेकिन मराठी गौरवबोध के बहाने जारी भाषा विवाद में हस्तक्षेप करके उन्होंने एक तरह से अपने दायित्वबोध को ही जाहिर किया है।

देश दुनिया से

थुनाग में आपदा और वानिकी कॉलेज

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला के सराज क्षेत्र के रोहांडी की चोटियों पर 30 जून की रात को बादल फटने से आई भीषण प्राकृतिक आपदा और बाढ़ ने भराड़, शरण, रुकचूई, प्याला, लंबाथाच, देजी व थुनाग तक भारी तबाही मचाई। सरकारी एजेंसियां जहां व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने में जुटी हुई हैं तो वहीं पक्ष-विपक्ष के नेताओं के दौरे जारी हैं और जमकर राजनीति का नजारा भी देखने को मिल रहा है। सराज क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा को आए हुए लगभग एक महीना हो चला है, लेकिन लापता 27 लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं 50 से अधिक भवनों और 200 के करीब दुकानों को नुकसान पहुंचा है। हिमाचल का एक छोटा सा गांव थुनाग जो मंडी से लगभग 60 किमी की दूरी पर बसा हुआ है, इन दिनों खबरों की सुर्खियों के केंद्र में है। वर्ष 2019 में पिछली सरकार ने बिना किसी आधारभूत ढांचे और तैयारी के वानिकी महाविद्यालय को यहां शुरू करवाया था। चूंकि थुनाग स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के विधानसभा क्षेत्र सराज का हिस्सा है, लिहाजा वहां सबसे पहले तो अच्छी सडक़ों, कनेक्टिविटी और अच्छे अस्पताल की स्थापना की दरकार थी। लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने बिना किसी आधारभूत संरचना, बड़े भवन और हॉस्टल के वानिकी महाविद्यालय का तोहफा अपने क्षेत्रवासियों को दिया। यह अलग बात है कि इस कॉलेज में बमुश्किल 6 या 7 ही छात्र स्थानीय हैं, शेष 300 के लगभग छात्र हिमाचल के अन्य इलाकों से इस दुर्गम इलाके में विपरीत हालात में पढऩे के लिए विवश हैं। हिमाचल में यह तीसरा वर्ष है जब मानसून के दौरान थुनाग क्षेत्र में भारी तबाही मची है। इसलिए वानिकी कॉलेज के विद्यार्थियों में भय का माहौल है। आपदा के दौरान राजकीय बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय थुनाग के छात्र-छात्राएं पूरी तरह प्रशासन व कालेज प्रबंधन की लापरवाही का शिकार हुए। तीन दिनों तक फंसे रहे छात्र जब कोई मदद नहीं मिली तो 22 किलोमीटर का कठिन सफर पैदल तय कर किसी तरह सुंदरनगर पहुंचे। इन बच्चों के साथ उनके अभिभावकों का गुस्सा अब चरम पर है। लिहाजा वे इस कॉलेज को सुंदरनगर अथवा किसी अच्छी कनेक्टिविटी वाली जगह पर शिफ्ट करने पर जोर दे रहे हैं, तो वहीं राजनीतिक एवं आर्थिक लाभ के चलते स्थानीय नेता एवं गांववासी इसके स्थानांतरण का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के बागबानी व राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने मंडी जिला के सराज क्षेत्र के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान बागबानी मंत्री का स्थानीय नेताओं और राजनीतिक समर्थकों ने जंजैहली और थुनाग में 'गो बैक' के नारे लगाकर और काले झंडे दिखा कर विरोध किया। इस वजह से भी यहां राजनीति गरमाई हुई है जबकि त्वरित आवश्यकता राजनीति न करके आपदा प्रभावित ग्रामवासियों के पुनर्वास की है। यह बात भी सराहनीय है कि शिमला के जिन सर्वजीत सिंह बॉबी के लंगर को पूर्व सरकार ने बंद करवा दिया था, उन्होंने और अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं, संगठनों और एनजीओ ने बड़ी मात्रा में इन दुर्गम इलाकों तक राहत सामग्री पहुंचाई है। इस आपदा और कॉलेज विवाद ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं? क्या थुनाग को इस कॉलेज की जरूरत थी या अच्छे अस्पताल की? एक छोटे से गांव में बुनियादी सुविधाओं की कमी के बावजूद विषय विशेष कॉलेज खोलने का निर्णय कितना उचित था? विद्यार्थियों, विशेषतया छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? बिना हॉस्टल और सुरक्षा व्यवस्था के कॉलेज चलाना कितना जायज है? ग्रामीणों द्वारा करवाए गए निर्माण से पहले क्या भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण करवाया गया था? इधर सरदार पटेल विश्वविद्यालय (एसपीयू) ने अपने सुंदरनगर स्थित कैंपस को देने की सहमति जताई थी, लेकिन कैंपस पर हक रखने वाले एमएलएसएम कॉलेज प्रबंधन ने भवन देने से साफ इंकार कर दिया है। वानिकी कॉलेज में 5 अगस्त से नया सत्र प्रस्तावित है, जिसमें प्रदेशभर के 300 के करीब विद्यार्थी पढ़ाई करेंगे। सरकार को भेजी रिपोर्ट में कॉलेज प्रशासन ने कहा कि थुनाग में अकादमिक कैंपस सुरक्षित है, लेकिन 300 प्रशिक्षुओं और 70 के करीब स्टाफ के रहने की कोई व्यवस्था नहीं है। न तो कॉलेज में हॉस्टल है और न ही थुनाग में बाहर पीजी या किराये के मकान उपलब्ध हैं। आपदा से प्रभावित स्थानीय लोग पहले से ही टैंटों और सरायों में रह रहे हैं, जिससे कॉलेज स्टाफ और विद्यार्थियों के ठहरने की गंभीर समस्या बनी हुई है। वर्तमान में बागबानी एवं वानिकी महाविद्यालय थुनाग, जो पहले थुनाग के पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में संचालित था, को अब अस्थायी रूप से नाचन विधानसभा क्षेत्र के गुड़ाहरी आदर्श स्कूल भवन (चैलचौक) में स्थानांतरित करने के आदेश जारी हुए हैं। थुनाग की आपदा ने न केवल प्राकृतिक चुनौतियों को उजागर किया है, बल्कि सरकारी नीतियों और प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए हैं। क्या राजनीतिक वाहवाही के लिए मनमर्जी से शिक्षण संस्थानों को खोलना उचित है? विकास के नाम पर बेतरतीब निर्माण और गलत प्राथमिकताएं आपदा को न्योता दे रही हैं। क्या राजनीतिक दौरे और वादे प्रभावितों की पीड़ा को कम कर पाएंगे? थुनाग के लोग न केवल अपने घरों और आजीविका को बचाने की जंग लड़ रहे हैं, बल्कि अपनी पहचान और संसाधनों को भी बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह राहत और पुनर्निर्माण के साथ-साथ आपदाओं की रोकथाम और स्थानीय जरूरतों की पूर्ति को प्राथमिकता दे, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

आप का नजरिया

एक अटकी बहस का समापन

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस समाप्त हो गई। प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह से लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तक ने बहस में अपने पक्ष रखे। छोटे दलों के सांसदों को भी अपनी बात रखने का मौका दिया गया। बेशक बहस व्यापक थी, लेकिन पुनरावृत्ति जारी रही। नए सवाल और नए सुझाव गायब रहे। विपक्ष युद्धविराम और राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता के दावों पर ही अटका रहा। उसने संसद में जो कुछ भी कहा, वह संसद के बाहर भी बोल रहा था। फिर संसद सत्र के मायने... ? बहरहाल भारत में आतंकवाद 1990 के दशक से निरंतर है। उससे पहले भी था, लेकिन इतना उग्र और जन-संहारक नहीं था। इन दशकों में असंख्य आतंकी हमले किए गए हैं, लेकिन आज तक कोई भी सरकार यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि आतंकी देश में कैसे घुसे और हमला क्यों किया? दरअसल यह बताया ही नहीं जा सकता था। यदि खुफिया-तंत्र इतने सचेत होते और बाज की तरह उनकी निगाहें होतीं, तो अमरीका में 9/11 जैसा विध्वंसक आतंकी हमला न किया जाता। इजरायल पर हमास का कातिलाना हमला न होता और मुंबई में 26/11 और ट्रेन के आतंकी हमले सफल न होते। खुफिया-तंत्र और सुरक्षा में चूक की नाकामियां हम झेलते रहे हैं और संभवतः भविष्य में भी झेलेंगे। इनकी गारंटी नहीं दी जा सकती। हां, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव सरीखे कुछ सांसदों ने ये सवाल जरूर उठाए कि पहलगाम में उस स्थल पर एक भी सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था, जहां हररोज औसतन 1000-1500 पर्यटक आते हैं! यह किसकी जिम्मेदारी है? क्या उसे दंडित किया गया है? भविष्य का आश्वासन क्या है और उसके लिए क्या व्यवस्था की गई है? इस सवाल का स्पष्ट जवाब प्रधानमंत्री मोदी भी नहीं दे सके। रक्षा मंत्री या गृहमंत्री ने जवाब क्यों नहीं दिए, यह वे ही जानते हैं। गृहमंत्री अमित शाह तो हादसे से दो दिन पहले कश्मीर की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेने गए थे और उन्होंने कहा था कि आतंकवाद हार गया। वह खत्म हो रहा है। आश्चर्य होता है कि गृहमंत्री शाह और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने भाषणों में उत्तेजित क्यों होते रहे? पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री मोदी की तुलना करना बेमानी था। देश के प्रधानमंत्री 'हिम्मत या दम' के आधार पर निर्वाचित नहीं होते। उनका आकलन उनकी सरकार की नीतियों के आधार पर किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे ताकतवर देश अमरीका के राष्ट्राध्यक्ष हैं। उन्हें किसी भी संसद में, किसी भी प्रधानमंत्री के द्वारा, 'झूठा' करार देना कूटनीति के स्थापित सिद्धांतों के खिलाफ है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में इतना जरूर कहा कि दुनिया के किसी भी देश ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोकने के लिए नहीं कहा। विपक्ष समझ सकता है। यदि नहीं समझना चाहेगा, तो देश समझा देगा। बहरहाल पक्ष और विपक्ष एक अटकी हुई बहस में ही उलझे रहे, लिहाजा कई सवाल निरुत्तर रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने 1 घंटा 42 मिनट (102 मिनट) तक भाषण दिया। उनका यह तीसरा सबसे बड़ा वक्तव्य रहा। उन्होंने भी पुनरावृत्ति की कि 'ऑपरेशन सिंदूर' कैसे शुरू हुआ और पाकिस्तान के कोने-कोने में स्थित आतंकी अड्डों को धुआं-धुआं कर दिया गया। युद्धविराम की स्थितियों में भी पुनरावृत्ति हुई। हां, प्रधानमंत्री ने यह खुलासा कर इस तथ्य को संसद के रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया कि पाकिस्तान ने 9 मई की रात में करीब 1000 मिसाइलों और ड्रोन से भारत पर हमला करने की कोशिश की थी, लेकिन हमारी वायु रक्षा प्रणाली ने उन्हें आसमान में ही चूर-चूर कर बिखेर दिया। मुद्दा था 'ऑपरेशन सिंदूर' और आतंकवाद का, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इसे खींच कर नेहरू और इंदिरा काल में ले गए। सिंधु जल संधि, सियाचिन का मसला और 1971 की लड़ाई जैसे मसले उठाए। दरअसल इन मुद्दों को दोबारा जिंदा करने का औचित्य ही क्या था? हम इतिहास-विरोधी नहीं हैं, लेकिन अतीत को हर समय खंगालते रहने के खिलाफ हैं। बहरहाल 'ऑपरेशन सिंदूर' तब तक शांत माना जा सकता है, जब तक पाकिस्तान कोई दुस्साहस नहीं करता।

प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह से लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तक ने बहस में अपने पक्ष रखे। छोटे दलों के सांसदों को भी अपनी बात रखने का मौका दिया गया। बेशक बहस व्यापक थी, लेकिन पुनरावृत्ति जारी रही। नए सवाल और नए सुझाव गायब रहे। विपक्ष युद्धविराम और राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता के दावों पर ही अटका रहा। उसने संसद में जो कुछ भी कहा, वह संसद के बाहर भी बोल रहा था। फिर संसद सत्र के मायने... ? बहरहाल भारत में आतंकवाद 1990 के दशक से निरंतर है। उससे पहले भी था, लेकिन इतना उग्र और जन-संहारक नहीं था।

कुछ अलग

खैरात संस्कृति की दीमक

देश की आबादी की समस्या इतनी गंभीर हो गई है कि लगता नहीं इसका समाधान किसी नई क्रांतिकारी या मौलिक सोच से किया जा सकता है। शुरू से ही हमारा देश क्रांतिकारी घोषणाओं के मुहाने पर खड़ा रहा है। देखते ही देखते सतहत्तर वर्ष बीत गए। पौन सदी की आजादी से गदगद होकर आजकल देश उसका अमृत महोत्सव मना रहा है, लेकिन लगता है कि क्रांति घोषणाओं से आगे चल कर नारों में तबदील हो गई। क्रांतिकारी बुढ़ा कर राजनीति की अंधगलियों में अपने लिए किसी कुर्सी की तलाश में भटकते प्रसादों के जयघोष को अंधेरों में गुम हो गए, लेकिन क्रांति न हुई। इस क्रांति के लिए कई आयाम इन घोषणाओं की धरातल से उठे थे। आजादी की आंख खुली तो आबादी के लिहाज से विश्व में भारत दूसरे नंबर पर था। दुनिया का हर सातवां आदमी भारतीय था, और पांचवां चीनी। इजरायल के बाद पहला देश था भारत जिसने परिवार नियोजन को एक सरकारी नीति के तौर पर घोषित किया। तब सरकारीकरण का जमाना था, अमृत महोत्सव तक आते-आते यह सब मिश्रित हो गया। निष्प्राण सरकारी क्षेत्र को जीवन स्पंदन देने के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था के नाम पर निजीकरण की कार्यकुशलता का यशोगान होने लगा। अब जब पौन सदी के बारे देश उत्सवधर्मी हो रहा है, तो क्रांति घोषणाएं भूलुण्ठित होती नजर क्यों आ रही हैं? परिवार नियोजन का नारा उठा था, 'हम दो, हमारे दो' की लोक धुन पर, लेकिन यह धुन तो मध्य वर्ग की सीमा रेखाओं के बीच ही भटकती रही।

दृष्टि कोण

आतंकी संगठन और आतंकवाद दुनिया के लिए खतरा

आतंकी संगठन और आतंकवाद दुनिया के लिए खतरा पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया। इसमे पहलगाम हमले के दो साथी शामिल है। आज विश्व मे इस्लामी आतंकी संगठन अपने वुतर्को से दुनिया के लिए खतरा बन गए है। दुनिया संगठित होकर इसका प्रतिकार करे। कश्मीर में समय समय पर आतंकी हमला कर निदरेष लोगों का खून बहाते है। भारत ने आपरेशन सिदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर नौ हमले कर आतंकियों का नाश किया। इसके बाद भारत ने अल्टीमेटम दे दिया कि इस बार पाकिस्तान की अपील की वजह से हमले रोक दिए है, लेकिन अगली बार कोईं भी आतंकी गतिविधि को भारत पर हमला मानकर भारत फिर से आपरेशन सिदूर से हमला करेगा। पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड को कश्मीर में ढेर किए जाने से आतंकी गतिविधिया पर विराम नही लगेगा। हमे मुहतोड़ जवाब देना होगा। कश्मीर में आतंकी संगठन सायि नही है। आतंकवाद पूरे विश्व मे जड़े जमा चुका है। यह पूरी दुनिया की समस्या बन गईं है। किस तरह से गरीब ,अशिक्षित या कम शिक्षित मुसलमान युवाओ को वुतर्व के सहारे गुमराह कर रहे है। आतंकी बंनाने के लिए पाकिस्तान का बहुत बड़ा जुड़ाव रहा है। पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियो को विदेशो से पंडिग आती है।जिसके बल पर निदरेष लोगों का खून बहाने में भी संकोच नही करते है। आज जरूरत यह है कि इस्लाम के वास्तविक अलम्बरदार इस धर्म के उन्माद से दुनिया को बचाने के लिए आगे आए और इसे पुनर्परिभाषित करे या दुनिया संगठित होकर इसका प्रतिकार करे। धर्म के लिए मरना और धर्म के लिए मारना के कितना अंतर है,ना ही यह कि दुनिया मे खून बहाकर खलीफा का शासन स्थापित करना अगर धर्म है तो वह पूरी

मानवता,समाज की स्थापना के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। जो सैनिक देश के लिए जान देता है वह अपने वतन की सुरक्षा के लिए ऐसा करता है। ताकि पूरा समाज महपूज रहे। भारत ने पाकिस्तान की अपील पर आपरेशन सिदूर रोका गया। हालांकि पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के तुरंत बाद यह कह दिया कि पहलगाम हमले में हमारा कोईं हाथ नही है। जबकि चारो आतंकी पाकिस्तान के ही थे।आतंकियों का धर्म नही होता है, यह तर्व तथ्यात्मक नही है। पहलगाम में धर्म पूछकर गोलिया चलाईं गईं।उसमे 26 निदरेष लोगों की हत्या कर दी गईं। सरकार का दावा है कि आतंकवाद का नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। लेकिन यह बात कहने में जितनी सरल और आत्मविश्वास से भरी हुईं लगती है,उतनी सरल नही है। वुकरमुत्तों की तरह आतंकी प्रशिक्षण ले रहे है। उन्हें आतंकी बनने की शपथ दिलाईं जा रही है। यह सब पैसे के जोर पर गतिविधि चल रही है। सरकार को विदेशो से आने वाली पंडिग पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। कश्मीर में आतंकवादियों को ढूंढने में सैनिकों की बड़ी भूमिका सामने आईं है।तीन आतंकियों को जंगल से ढूंढ कर मार गिराया।पाकिस्तान की कथनी करनी समान नही है।इतनी बडी घटना के बाद आतंकी फिर से मुह उठाने लगे है।जबकि भारत ने साफ कह दिया है कि इस बार वुछ गड़बड़ की गईं तो फिर से आतंकी संगठनों को लताड़ा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर–परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा ।व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बि–गड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है। कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़े–गा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय–मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 03:41 तक
योग : शुभ रात्रि 05:30 तक
करण : विष्टि सायं 06:12 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , भद्रा सायं 06:11 तक , तिलक पुण्य तिथि , चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल शर्मा ने की बाबा रामदेव मंदिर तक पदयात्रा

जैसलमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)।, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को एक दिवसीय जैसलमेर यात्रा के दौरान रामदेवरा में बाबा रामदेव पैनोरमा से बाबा रामदेव मंदिर तक पैदल यात्रा की। शर्मा ने इस पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं से आत्मीयता से मुलाकात की। श्रद्धालु भी अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर बेहद उत्साहित नजर आए।

पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं (जातरूओं) ने विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री का फूल बरसाकर तथा माला पहनाकर स्वागत–अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेव की ध्वजा (नेजा) थामे पैदल यात्रा की। इस भक्तिमय माहौल में लोक कलाकार रिक्खियां गाते हुए मुख्यमंत्री के साथ–साथ चले।

मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेव एवं डालीबाई के समाधि स्थल के किए दर्शन पदयात्रा समाप्त होने पर मुख्यमंत्री बाबा रामदेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने बाबा रामदेव की समाधि स्थल के दर्शन कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद श्री शर्मा डालीबाई के समाधि स्थल भी पहुंचे तथा वहां भी पूजा–अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेव पैनोरमा का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने पैनोरमा में किए गए बाबा रामदेव के जीवन वृतांत के सुंदर चित्रण को सराहा। इसके बाद श्री शर्मा ने परिसर में बरगद का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस दौरान श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। वहीं, हैलीपेड पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण के आधार पर बात की: भजनलाल

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के लोगों से मैं बात करता हूं तो उन्हें बड़ा दर्द होता है और दर्द भी ऐसा होता है कि मुझसे कहते हैं कि मुख्यमंत्री तो मंदिर जाते हैं, क्या मैं मेरे आस्था केंद्रों पर नहीं जाऊं। आप अपनी मानसिकता को बदलिए।सीएम ने कहा कि मालेगांव में जो आज फैसला आया है। कांग्रेस ने हमेशा वोटबैंक की, तुष्टिकरण की राजनीति की है। उन्होंने हिंदू टेरर जैसा अपमानजनक झूठ फैलाया था, निर्दोष साधु संतों और समाज गरिमा को निशाना बनाया था।

उन्होंने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हाल ही में हमारे गृह मंत्री ने कहा था कि हिंदू कभी आतंकी नहीं हो सकता, क्योंकि ये हमारे संस्कार में है। हमारे विचार में है। हम तो वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ चलते हैं। हम तो चलते हैं, तो देखते हैं कि कहीं पैर के नीचे चींटी तो नहीं आ गई। हम तो इस तरह के संस्कार के लोग हैं। आप किस तरह की बात करते हैं। लेकिन कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण के आधार पर बात की।

राजस्थान सरकार ने की अधिसूचना जारी

क्वारी लाइसेंसधारी और पट्टाधारकों को 30 सितंबर तक अवधि बढ़ाने के आवेदन की दी छूट

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अप्रधान खनिज क्वारी लाइसेंस धारक व खनन पट्टाधारी अब 30 सितंबर, 25 तक लाइसेंस व पट्टाअवधि बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि किसी कारण से अवधि बढ़ाने के लिए 31 मार्च, 25 तक आवेदन नहीं कर सकने वाले क्वारी लाइसेंसधारी व खनन पट्टाधारियों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह निर्णय किया है। खान विभाग द्वारा इस आषय की 31 जलाई को अधिसूचना जारी कर दी है।

रविकान्त ने बताया कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से प्रभावित खानधारकों व जनप्रतिनिधियों ने मिलकर अवधि बढ़ाकर अवसर प्रदान करने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने खनन क्षेत्र से जुड़े इन छोटे प्रतिभागियों को बड़ी राहत प्रदान की है। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में करीब 2500 क्वारी लाइसेंसधारी व खान पट्टाधारी लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही छोटे खान धारकों के साथ ही हजारों लोगों को रोजगार व खनन गतिविधियां निर्बाध जारी रह सकेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ खनन क्षेत्र से जुड़े छोटे व स्थानीय क्वारीलाइसेंसधारकों को होगा। इनमें सबसे अधिक 2000 हजार क्वारी लाइसेंसधारक इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। क्वारी लाइसेंस एक हैक्टेयर से कम क्षेत्रफल के है। रविकान्त ने बताया कि इस तरह के खनन पट्टों व क्वारी लाइसेंसधारियों में सेंड स्टोन, मार्बल, लाइमस्टान फर्सी, पट्टी कातला आदि खनिजों के पट्टाधारक है। इसमें सर्वाधिक जोधपुर और बालेसर के करीब 1500 क्वारी लाइसेंसधारी होंगे। इसके साथ ही भीलवाड़ा, बिजौलिया, सोजत, मकराना, चित्तोड़गढ़, निम्बाहेडा, राजसमन्द आदि क्षेत्रों के क्वारी लाइसेंस व खनन पट्टाधारी है।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बालवाहिनी समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित

भीलवाडा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बाल वाहिनी समिति की त्रैमासिक बैठक पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव की अध्यक्षता मे पुलिस अधीक्षक सभागार मे आयोजित हुई। बैठक के अन्तर्गत सर्वप्रथम जिला परिवहन अधिकारी द्वारा गत बैठक मे लिये गये निर्णयों की अनुपालना पर चर्चा करते हुए बाल वाहिनी योजना अंतर्गत विभाग द्वारा द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों के बारे मे पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र यादव ने बजट घोषणा 2023 मे बालवाहिनी वाहनों मे सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक ने यातायात पुलिस उप अधीक्षक सुरेश डाबरिया एवं समस्त थानाधिकारियों तथा परिवहन विभाग के उड़नदस्तों द्वारा संयुक्त रूप से जिले मे बालवाहिनियों की जॉच के लिए एक दिन का सघन जॉच अभियान चलाये जाने के निर्देश प्रदान किये साथ ही जॉच अभियान के दौरान नियमों की पूर्ण पालना करने वाली स्कूलों को चिन्हित करने के भी निर्देश दिये।

निर्वाण परम सुख हैं क्षमा से सुख और क्रोध और बैर से दुख ही मिलता है : आचार्य वर्धमान सागर

टोंक, 31 जुलाई (एजेंसियां)। क्रोध जब लंबे समय रहता है तो वह बैर का रूप लेता है और बैर के कारण कई जन्मों तक यह बेर निरंतर चलता रहता है वह जीव नर्कगति सहित दुख ही प्राप्त करते हैं जो क्षमा ,दया साम्य भाव रखते हैं वह अनेक उच्च गति मुनि, चक्रवती राजा महा मंडलेश्वर राजा सहित बहुत सुख प्राप्त कर एक दिन मोक्ष को भी प्राप्त करते हैं। उनका निर्वाण मोदक चढ़ाया जाता हैं यह मंगल देशना 23वें तीर्थंकर 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर आयोजित धर्मसभा में पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने प्रकट की।

राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि श्री पार्श्वनाथ भगवान 10 भव पूर्व मरूभूति थे ओर कमठऔर मरुभूति सगे भाई थे सभी 10 भवो की विवेचना में बताया कि क्रोध बेर का स्थाई रूप लेने से जीव अनेक भवों तक दुख ही दुख प्राप्त करता है ।आचार्य वर्धमान सागर जी संघ सानिध्य में 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का पंचामृत अभिषेक पूजन भक्ति भाव से कर मोक्ष कल्याणक पर मोदक लाडू चढ़ाया गया।

आचार्य श्री ने सभी भगवान के सही नाम उच्चारण करने की नसीहत दी।लौकिक जीवन में बहुत अधिक प्रसन्न होने पर आप मिठाई लड्डू वितरित करते हो उसी प्रकार भगवान के मोक्षकल्याणक की खुशी प्रसन्नता कारण मोदक लड्डू चढ़ाया जाता हैं क्योंकि निर्वाण का सुख परम सुख है इसके पूर्व आचार्य श्री सभी साधुओं अन्य कॉलोनी आदर्श नगर गए जहां पर श्री पार्श्वनाथ भगवान का भव्य पंचामृत अभिषेक 23 से अधिक द्रव्यों से पुण्यार्जक परिवारों द्वारा किया गया। जैन धर्म प्रचारक पवन कंटान व विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा से पूर्व श्रीजी एवं आचार्य शांतिसागर, आचार्य वीर सागर, आचार्य शिव सागर, आचार्य धर्म सागर, आचार्य अजीत सागर महाराज के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट अमीरगंज नसिया के श्रावकों द्वारा कर बड़े भक्ति भाव से आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज की अष्ट द्रव भव्य रूप से सुशोभित भजनों से भक्ति नृत्य करते हुए अर्घ्य समर्पित किए।जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पारसनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े भक्ति भाव पूर्वक निर्वाण काण्ड बोलकर आचार्य श्री के सानिध्य में श्रेष्ठी टीकमचंद, श्यामलाल, धर्मचंद, एंजे दाखिया, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़, अंकुर पाटनी, अनिल सर्राफ, सोनू पासरोटियां, पुनीत जागीरदार, विकास अतार, मनीष अतार, मनोज बहड,आशु दाखिया, राहुल पासरोटियां, सोहम कंटान, लोकेश कल्ली, जीतू बनेठा आदि मौजूद रहे ।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने गुरुवार को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल के साथ लेडी गवर्नर मित्रा घोष भी मौजूद थी। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा, गृह मंत्री अमित शाह जी से मिलकर मुझे बहुत शिक्षा मिली। उन्होंने मुझे मार्गदर्शन और सुझाव दिए, जो हरियाणा के प्रशासन के संबंध में मेरे लिए बहुत उपयोगी रहेगे।

गरीब–मध्यम वर्ग को चौतरफा महंगाई के बोझ तले कुचलना चाहती है भाजपा : हुड्डा

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कलेक्टर रेट में हुई बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक बार फिर जमीनों के रेट आसमान पर पहुंचने वाला फैसला लिया है। सरकार द्वारा सीधे 10 से लेकर 145 प्रतिशत यानी ढाई गुणा तक बढ़ोतरी कलेक्ट्रेट में की है। उदाहरण के तौर पर फतेहाबाद के एक इलाके में जमीन का रेट 15000 से बढ़कर सीधे 35000 रुपए प्रति वर्ग गज हो गया है यानी दोगुने से भी ज्यादा।

पिछले साल दिसंबर 2024 में ही सरकार ने इस रेट में भारी बढ़ोतरी की थी। तब भी सरकार ने कई जगह तो कलेक्टर रेट में 250% तक बढ़ोत्तरी कर डाली थी। जबकि आम तौर पर यह बढ़ोत्तरी 5 से 10 प्रतिशत ही होती थी। लेकिन अब ये सरकार सरकार हर गली, मोहल्ले और गांव के हिसाब से अलग–अलग दरों में बढ़ोत्तरी कर रही है।

हमेशा प्रेरणा देती रहेगी शहीद उधम सिंह की तपस्या, बलिदान और उनका साहस : सैनी

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महान क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह की तपस्या, बलिदान और उनका साहस हमेशा हमें प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों के हत्यारे जरनल डायर को विदेश में जाकर मौत के घाट उतारा था। जो पूरे देश के लिए आज भी प्रेरणादायक है और हमेशा देश सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को पंजाब में स्थित शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि सुनाम में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहीद उधम सिंह मैमोरियल पर जाकर उनकी प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने यहां पौधारोपण भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शहीद उधम सिंह संग्रहालय का दौरा किया और शहीद उधम सिंह से जुड़ी स्मृतियों, उनके फोटो व उनके पत्रों का अवलोकन कर अपने विचार भ्रमण पुस्तिका में दर्ज किए।

इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरदार हरदयाल सिंह की अगुवाई में शहीद उधम सिंह के परिजनों से मुलाकात की। परिजनों ने अपनी मांगों के संबंध में एक मांग पत्र भी हरियाणा के मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने संगरूर रोड पर भाजपा नेत्री एवं पंजाब प्रदेश सचिव दामन बाजवा द्वारा आयोजित जनसभा में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री का पंजाब भाजपा नेताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें शहीद उधम सिंह की जन्मभूमि पर आकर उन्हें नमन करने का अवसर मिला है। जब लोग जलियांवाला बाग में बैसाखी पर्व के लिए एकत्रित हुए थे, उस समय जरनल डायर ने सभी रास्ते बंद करवाकर निहत्थे लोगों पर फायरिंग का आदेश देकर हजारों लोगों को मौत के घाट उतरवा दिया था। उसी समय सरदार उधम सिंह ने देश की मिट्टी को माथे से लगाकर संकल्प लिया था कि जब तक मैं इस जरनल डायर को मौत के घाट नहीं उतार देता तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। 13 अप्रैल 1919 की इस हृदयविदारक घटना के बाद 13 अप्रैल 1940 को अंग्रेजों की धरती पर जाकर उन्होंने जरनल डायर को गोलियों से भून कर मौत के घाट उतार कर उन हजारों निहत्थे लोगों की हत्या का बदला लिया और अपना सर्वस्व इस देश पर कुर्बान कर दिया।

क्रांतिकारी वीर सरदार उधम सिंह ने लंबे समय तक तपस्या की और फिर अपना बदला लिया। जो उनके साहस, उनकी तपस्या व त्याग का परिणाम है। उनकी महान तपस्या, उनका साहस और उनका बलिदान हमेशा हमें प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम जिस आजाद भारत में रह रहे हैं, इस आजादी के लिए उधम सिंह, भगत सिंह जैसे असंख्य महान क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दिया और उन्होंने अंग्रेजों को भारत छोडने पर मजबूर कर दिया। आजादी हमें वैसे ही नहीं मिली है। इसके लिए बड़ी कुर्बानियां देनी पड़ी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि भारत शहीदों के सपनों का भारत बनें। हमारे क्रांतिकारियों ने जो सपना देखा था, उनके सपनों का भारत बनना चाहिए। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। हमें देश को उस दिशा में लेकर जाना है, जो सपना क्रांतिकारियों ने आजाद भारत के लिए देखा था।

धर्मांतरण गिरोह का गोरखधंधा

दुबई पाकिस्तान से आती है फंडिंग

दो नन गिरफ्तार, आगरा गिरोह से लिंक

आगरा, 31 जुलाई (ब्यूरो)। अवैध धर्मांतरण कराने के आरोपियों के कनेक्शन पाकिस्तान और दुबई में बैठे लोगों से मिले हैं। विदेश से ही गिरोह को फंडिंग हो रही थी। कश्मीर में सक्रिय गिरोह की सदस्य युवतियों के बारे में पुलिस पता कर रही है।

दिल्ली के मुस्तफाबाद का अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह, सराय ख्वाजा का रहमान कुरैशी, गोवा की आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, हसन अली और मोहम्मद अली रिमांड पर हैं। पुलिस अब आरोपियों से पाकिस्तानी और कश्मीरी युवतियों से कनेक्शन के बारे में पड़ताल में लगी है। यह भी पता किया जा रहा है कि फंडिंग कैसे और कहां से हो रही थी। फंडिंग करने वाले लोग कौन हैं। गिरोह कब से सक्रिय है? और अब तक कितने लोगों का धर्मांतरण करा चुका है? यह सब पता करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोपियों के मोबाइल और लैपटॉप का डाटा खंगाला जा रहा है।

पुलिस ने मंगलवार को आरोपियों को सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। इनमें से 6 आरोपी ओसामा, रित बानिक, अबू तालिब, अबुर रहमान, जुनैद कुरैशी और मुस्तफा उर्फ मनोज को जेल भेजा गया है। सभी आरोपियों को अलग-अलग बैरक में रखा गया है। वहीं 10 आरोपियों के अधिवक्ताओं ने सीजेएम कोर्ट में जमानत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है। मामले में 30 जुलाई तक पुलिस से आख्या मांगी गई थी। 1 अगस्त को सुनवाई के लिए केस डायरी तलब की गई है।

मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से दो नन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नन तीन लड़कियों को आगरा लेकर आ रही थी। यह जानकारी मिलने के बाद आगरा पुलिस अलर्ट है। यह पता किया जा रहा है कि किस संस्थान में तीनों लड़कियों को लाया जा रहा था। पता चला कि नारायणपुर की तीन लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने के बाद उनकी तस्करी की जा रही थी। उनसे नौकरी की बात कही गई थी। इसके बाद आगरा आया जा रहा था। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस से नन की गिरफ्तारी के बारे में कोई सूचना नहीं दी है। हालांकि जानकारी के बाद पुलिस को अलर्ट किया है। कई संस्थाओं में पता किया जा रहा है। किसी तरह की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

833 करोड़ के पिपरहवा रत्न नीलाम करने वाला था ब्रिटेन

ब्रिटेन से 127 साल बाद लौटा बौद्ध काल का दुर्लभ रत्न

सिद्धार्थनगर के पिपरहवा बौद्ध मंदिर में स्थापित

पिपरहवा, 31 जुलाई (ब्यूरो)। भारत को 127 वर्षों बाद भगवान बुद्ध से जुड़े पिपरहवा रत्न वापस मिले हैं। इन रत्नों का मूल्य 100 मिलियन डॉलर (लगभग 833 करोड़) है। ये रत्न ब्रिटेन में थे, जिनकी नीलामी की तैयारी की जा रही थी। भारत सरकार के प्रयास से पिपरहवा रत्न वापस मिल गए हैं। अब इन्हें सिद्धार्थनगर जिले में पिपरहवा मंदिर में स्थापित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अपने सोशल मीडिया फोरम पर यह जानकारी देशवासियों से साझा की है। पीएम मोदी ने कहा, वास्तव में यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण दिन है! पिपरहवा के पवित्र अवशेषों का 127 वर्षों बाद अपने देश लौटना न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि यह हमारे बौद्ध धरोहर और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से भारत के गहरे संबंध को भी दर्शाता है।

ये अवशेष हमारे उस सतत संकल्प का प्रतीक हैं, जिसके तहत हम अपनी विविध और गौरवशाली संस्कृति को संरक्षित और सुरक्षित रखने का प्रयास करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिपरहवा अवशेष 1898 में खोजे गए थे, लेकिन औपनिवेशिक काल के दौरान इन्हें भारत से बाहर ले जाया गया था। जब ये इस वर्ष की शुरुआत में एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में सामने आए, तो हमने इसे देश में वापस लाने के प्रयास सुनिश्चित किए। इस प्रयास में शामिल सभी लोगों के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं।

आईआईटी कानपुर के प्रो. अजीत चतुर्वेदी बीएचयू के कुलपति बने

वाराणसी, 31 जुलाई (ब्यूरो)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आईआईटी कानपुर के प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) का कुलपति नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, तब तक के लिए होगी।

प्रो. चतुर्वेदी 1994 से लेकर 1996 तक आईआईटी बीएचयू के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर रहे। प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी बीएचयू के 29वें कुलपति बने हैं।

प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 1986 से 1995 तक बीटेक, एमटेक, और पीएचडी किया। 1996 में आईआईटी बीएचयू के बाद वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी रुड़की के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर रहे। 1999 में आईआईटी कानपुर आ गए। यहां उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास डीन और उप निदेशक जैसे पदों को संभाला। अगस्त 2012 में उन्हें प्रोफेसर बनाया गया और मार्च 2015 से वे आईआईटी कानपुर में संजय और रचना प्रधान चेयर प्रोफेसरशिप पर रहे, इसके बाद वे 2017 में फिर आईआईटी रुड़की चले गए। प्रोफेसर चतुर्वेदी जनवरी 2017 से अक्टूबर 2022 तक रुड़की के निदेशक रहे। इसके बाद वह फिर आईआईटी कानपुर लौट आए। उन्हें आईएनएसए टीचर्स अवार्ड, आईआईटी कानपुर का विशिष्ट शिक्षक पुरस्कार और सिंगापुर के नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी का टैन चिन तुआन फैलोशिप प्राप्त हुआ है। वे टेलीकॉम स्टैंडर्ड्स डेवलपमेंट सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक सदस्य हैं।

पहलगाम हमले के आतंकियों का सफाया करने वाले

आगरा की 4-पैरा स्पेशल फोर्स के जांबाज

आगरा, 31 जुलाई (ब्यूरो)। पहलगाम के गुनहगार तीन आतंकियों को ढेर कर आगरा की 4 पैरा स्पेशल फोर्स ने कमाल कर दिया। वह टुकड़ी थी आगरा की मिट्टी में पली-बढ़ी देश की सबसे खामोश लेकिन सबसे घातक यूनिट। यह पहला मौका है जब किसी टुकड़ी का नाम संसद में गूंजा।

पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को लश्कर समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ ने 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या कर देश को झकझोर दिया था। देश की सुरक्षा के लिए यह सीधी चुनौती थी। 28 जुलाई को डाचीगाम के घने जंगलों में 4 पैरा के जांबाजों ने तीन आतंकियों हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान शाह, अफगान और जिब्रान को ढेर कर दिया। छह घंटे के मिशन में कमांडो दल ने वैज्ञानिक सटीकता, तकनीकी कुशलता और सामरिक दक्षता का अनुपम उदाहरण पेश किया। उनके इस शौर्य की संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने सराहना की। यह पल न सिर्फ सैन्य इतिहास में बल्कि लोकतांत्रिक चेतना में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया।

4 पैरा स्पेशल फोर्स कोई साधारण टुकड़ी नहीं। घात लगाओ और लुप्त हो जाओ इसकी पहचान है। आतंकियों के लिए खौफ और नागरिकों के लिए सुरक्षा का प्रतीक है। यह यूनिट 2001 में स्पेशल फोर्स बनने के बाद से कश्मीर घाटी में आतंकवाद के खिलाफ सबसे भरोसेमंद शक्ति है।

आगरा से 4 पैरा का गहरा नाता है। यह वही भूमि है, जहां इस पैराशूट रेजिमेंट का गठन हुआ। 4 पैरा ने 2001 में स्पेशल फोर्स के रूप में नया जन्म लिया।

अब भी जवान वार्षिक पैरा जंप और युद्ध प्रशिक्षण के लिए आगरा लौटते हैं। संसद यह सम्मान केवल 4 पैरा का नहीं, बल्कि भारतीय सेना और हर उस नागरिक का है, जो राष्ट्र को सर्वोपरि मानता है।

क्रिप्टो करेंसी खरीदने में लखनऊ देश में आठवें स्थान पर

एक बिटकॉइन की कीमत हो गई एक करोड़ से भी ज्यादा

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिप्टो करेंसी का ट्रेंड पूरे देश में बढ़ रहा है। बिटकॉइन सहित अन्य क्रिप्टोकरेंसी की खरीद में लखनऊ देशभर में आठवें स्थान पर आ गया है। देशभर में होने वाले कुल क्रिप्टो निवेश में लखनऊ की 3 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफार्म कॉइन स्विच की रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है।

दो करोड़ से अधिक निवेशकों की जानकारी पर आधारित यह रिपोर्ट भारत में विकसित हो रहे क्रिप्टो इकोसिस्टम की झलक पेश करती है। रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ ने इस वर्ष भारत के क्रिप्टो निवेश में 8वां स्थान हासिल किया। हैरत की बात ये है कि एक बिटकॉइन एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा हो गया है लेकिन इसके बावजूद इस क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। यहां के निवेशक बीटीसी और ईटीएच जैसी हल्की करेंसी में भी जमकर निवेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक लखनऊ क्रिप्टो बाजार के रूप में तेजी से उभर रहा है, जहां निवेशक नए अवसरों को भांपने में माहिर साबित हो रहे हैं। लखनऊ वालों के निवेश पोर्टफोलियो में मुख्य रूप से लार्ज-कैप (36.56 प्रतिशत) और मिड-कैप (35.76 प्रतिशत) करेंसी हैं। यह समान संतुलन इस बात का संकेत है कि निवेशकों को एक तरफ बिटकॉइन जैसी स्थापित करेंसी पर भरोसा है तो दूसरी तरफ उभरती हुआ क्रिप्टोकरेंसी को भी अपनाने के लिए भी तैयार हैं। रिस्क वाली क्रिप्टो करेंसी में लखनऊ की हिस्सेदारी 19.23 प्रतिशत और बहुत सस्ती क्रिप्टो करेंसी में हिस्सा 8.45 फीसदी है। इससे साफ है कि निश्चित मुनाफे के साथ लखनऊ के निवेशक दांव लगाने में भी माहिर हैं। इसी का नतीजा है कि यहां के निवेशकों के 67.29 प्रतिशत पोर्टफोलियो मुनाफे में हैं।

लखनऊ में क्रिप्टो अपनाने वाले निवेशकों में 35 वर्ष से कम आयु वालों का दबदबा है। कुल क्रिप्टो निवेशकों में इस उम्र की हिस्सेदारी करीब 72 फीसदी है। 26-35 आयु वर्ग 44.4 प्रतिशत के साथ सबसे आगे हैं, उसके बाद 18-25 आयु वर्ग 27.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। निवेशकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 12 फीसदी है।

एसबीआई में 100 करोड़ का फर्जीवाड़ा

मथुरा में पकड़ा गया बैंक का फरार अकाउंटेंट

मथुरा, 31 जुलाई (ब्यूरो)। पंजाब में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में हुए 100 करोड़ के घोटाले का फरार आरोपी बैंक अकाउंटेंट उत्तर प्रदेश के मथुरा में पकड़ा गया। रुपये का फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। आरोपी बैंक क्लर्क को मथुरा से पकड़ा गया है। पंजाब के एसबीआई सादिक शाखा में 100 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा करने वाले क्लर्क को पंजाब पुलिस ने बुधवार को मथुरा के हाई-वे थाना क्षेत्र के राधा वैली कॉलोनी से गिरफ्तार किया। पुलिस को देख आरोपी क्लर्क नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। राधा वैली में सुबह करीब तीन घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। इसके बाद पंजाब पुलिस ने अग्निशमन दल के सहयोग से आरोपी को पकड़ा और उसे कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर पंजाब ले जाया गया।

जिला फरीदकोट के सादिक थाने के प्रभारी नवदीप सिंह ने बताया कि कुछ ग्राहकों ने बैंक से कृषि ऋण खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट खातों में लेन-देन से संबंधित गड़बड़ियों की शिकायत की थी। सादिक शाखा के उप प्रबंधक शशांक शेखर अरोड़ा ने मामले की जांच कराई तो पता चला कि 130 ग्राहकों के खातों से अनधिकृत रूप से करीब 100 करोड़ रुपए की धनराशि निकाली गई है। जांच में बैंक क्लर्क अमित ढींगरा का नाम सामने आया। इसके बाद उप प्रबंधक ने 21 जुलाई को अमित के खिलाफ सादिक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उप प्रबंधक ने बैंक से करीब 100 करोड़ रुपए की हेराफेरी की आशंका जताई है। फिलहाल बैंक उप प्रबंधक अपने स्तर से भी मामले की जांच करा रहे हैं। इधर, रिपोर्ट दर्ज होने के बाद अमित ने परिचित के माध्यम से रिहायशी कॉलोनी राधा वैली निर्मला-सी फ्लैट नंबर 901 को किराए पर लिया और 22 जुलाई से उसमें रहने लगा।

अमित की खोज करती हुई पंजाब पुलिस बुधवार सुबह राधा वैली आ धमकी। पुलिस को देख वह नौवीं मंजिल से खिड़की पर लटक गया और आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। राधा वैली में सुबह तीन घंटे हाईवोल्टेज ड्रामा चला।

इसके बाद पंजाब पुलिस ने हाईवे थाने की पुलिस का सहयोग लिया। साथ ही अग्निशमन दल को भी बुलाया गया। बाद में अमित को गिरफ्तार किया। सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया है कि बुधवार सुबह पंजाब पुलिस के आने की सूचना मिली थी। बैंक में हेराफेरी करने वाले वांछित आरोपी को पकड़कर ले गई है। आरोपी और उसके अन्य साथियों ने बैंक से करीब 100 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया है।

सादिक शाखा के उप प्रबंधक शशांक शेखर अरोड़ा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि जांच के दौरान सामने आया कि ग्राहकों के खातों से अनधिकृत रूप से बड़ी धनराशि निकाली गई है। इसमें बूटा सिंह, निवासी गांव कौनी के खाते से 4.70 लाख, अमरीक सिंह, निवासी गांव ढिलवा के खाते से 4.85 लाख और एक खाते से करीब 1.20 लाख की धोखाधड़ी की गई है। तीन खातों से धोखाधड़ी होने के बाद जांच में यह भी खुलासा हुआ कि इसके अलावा अन्य खातों में भी इसी तरह से करीब 100 करोड़ रुपए की वित्तीय हेराफेरी पाई गई है।

ऑस्ट्रिया के इंजीनियरों की टीम पहुंची काशी, गोंडोला का ट्रायल शुरू

विश्व में तीसरा रोप-वे वाला शहर बनने जा रहा वाराणसी

वाराणसी, 31 जुलाई (ब्यूरो)। वाराणसी में लग रहे रोप-वे को लेकर लेकर लोगों में काफी उत्साह है। स्टेशनों पर तेजी से काम भी जारी है। ऑस्ट्रिया के इंजीनियर गोंडोला के मोटर, कंट्रोल सिस्टम, सेफ्टी, स्पीड-ब्रेक की गहनता से जांच करने के लिए वाराणसी पहुंच गए हैं। काशी विश्व के तीसरे शहर में शुमार होने जा रहा है जहां अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए देश के पहले रोप-वे का संचालन किया जाएगा। रोप-वे के संचालन में सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

रोप-वे प्रोजेक्ट की सुरक्षा और तकनीकी मजबूती सुनिश्चित करने के लिए ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम पहले सेक्शन के निर्माण के लिए 90 गोंडोला का परीक्षण कर रही है। यह परीक्षण रोप-वे के प्रथम चरण के पहले सेक्शन का कैंट रोप-वे स्टेशन से रथयात्रा रोप-वे स्टेशन तक किया जा रहा है। 14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण लगभग एक महीने तक चलेगा। पहले सेक्शन का कार्य सितंबर तक पूरा होना है। रोप-वे परीक्षण का उद्देश्य रोप-वे का सुचारू और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना है। इसके लिए विदेशी विशेषज्ञों की टीम वाराणसी में डेरा डाले हुए है। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों के मुताबिक रोप-वे का कमीशनिंग या परीक्षण का काम चल रहा है। एक बार में तीन-तीन गोंडोला को चलाए जा रहे हैं, रोप-वे के कमीशनिंग में गोंडोला, मोटर, केबल, कंट्रोल सिस्टम, सेफ्टी, स्पीड, ब्रेकिंग आदि की जांच कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वह पूरी तरह सुरक्षित और ठीक से काम कर रहा है। जिससे किसी भी खामियों को पहले ही दुरुस्त किया जा सके।

14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण का काम लगभग एक महीने में पूरा होगा। 90 गोंडोला को चलाकर परीक्षण किया जाएगा। कमीशनिंग का पूरा काम ऑस्ट्रिया की लाइटनर कंपनी के इंजीनियरों की टीम की ओर से किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, यह परीक्षण रोप-वे संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है। सुरक्षा के सभी मानकों के जांच के बाद ही रोप-वे का संचालन सुनिश्चित होगा। काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके। इसके लिए रोप-वे का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। रोप-वे का संचालन 16 घंटे होगा। पहले सेक्शन में रोप-वे का पहला स्टेशन, कैंट रोप-वे स्टेशन, दूसरा विद्यापीठ स्टेशन और तीसरा स्टेशन रथयात्रा होगा। दूसरे सेक्शन रथयात्रा से गोदौलिया तक कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसके पूर्ण होने बाद कैंट से गोदौलिया तक हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गोंडोला उपलब्ध रहेगा।

एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे। यानि 6,000 लोग दोनों दिशा से एक घंटे में आ जा सकेंगे। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। लगभग 148 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 पैसेंजर सवार हो सकते हैं। रोप-वे के संचालन में सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रोप-वे प्रोजेक्ट की सुरक्षा और तकनीकी मजबूती सुनिश्चित करने के लिए ऑस्ट्रिया के विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम ने पहले सेक्शन के निर्माण के लिए 90 ट्रॉली का परीक्षण किया है। ये परीक्षण रोप-वे के प्रथम चरण के पहले सेक्शन का कैंट रोप-वे स्टेशन से रथयात्रा रोप-वे स्टेशन तक किया जा रहा है। 14 जुलाई से शुरू हुआ परीक्षण लगभग एक महीने तक चलेगा। पहले सेक्शन का कार्य सितंबर तक पूरा होना प्रस्तावित है। कैंट से गोदौलिया तक हर डेढ़ से दो मिनट में यात्रियों को ट्रॉली मिलेगी।

एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे। इस हिसाब से 6,000 लोग दोनों दिशा से एक घंटे में आ जा सकेंगे। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेंगे। लगभग 148 ट्रॉली चलेंगी। एक ट्रॉली में 10 पैसेंजर सवार हो सकते हैं। रोप-वे का संचालन 16 घंटे होगा। रोप-वे परीक्षण का उद्देश्य इसे सुचारू और सुरक्षित संचालन के लिए सुनिश्चित करना है।

पीकेएल सीज़न 12 की शुरुआत 29 अगस्त से विशाखापत्तनम जयपुर, चेन्नई और दिल्ली यह शहर करेंगे मेज़बानी

मुंबई,31 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 की शुरुआत इस बार 29 अगस्त 2025 से होने जा रही है। चार शहरों विशाखापत्तनम (विजाग), जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में फैले इस बहु-शहर प्रारूप में देशभर के दर्शकों को बेहतरीन कबड्डी एक्शन देखने को मिलेगा।

ओपनिंग वीकेंड का शेड्यूल: पहला मुकाबला शुक्रवार, 29 अगस्त को विजाग के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच खेला जाएगा। इसके बाद दूसरे मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स का सामना पुनेरी पलटन से होगा। शनिवार, 30 अगस्त को तेलुगु टाइटंस एक बार फिर मैदान में उतरेंगे और इस बार उनका मुकाबला यूपी योद्धाज से होगा। वहीं, दूसरे मैच में यू मुंबा और गुजरात जायंट्स आमने-सामने होंगे। रविवार को सुपर संडे के तहत तमिल थलाइवाज और यू मुंबा के बीच मुकाबला होगा, जिसके बाद गत चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स अपनी खिताबी रक्षा की शुरुआत बंगाल वॉरियर्ज़ के खिलाफ करेंगे।

विजाग की घर वापसी: पीकेएल सीज़न 12 के लिए विजाग की वापसी एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह शहर सात वर्षों बाद फिर से लीग की मेज़बानी कर रहा है। विजाग ने पहली, तीसरी और छठी सीज़न में भी पीकेएल की मेज़बानी की थी।

जयपुर: 12 सितंबर से जयपुर के एसएमएस स्टेडियम के इंडोर हॉल में मुकाबले शुरू होंगे, जिसमें जयपुर पिंक पैंथर्स का सामना बेंगलुरु बुल्स से होगा। इसके बाद तमिल थलाइवाज और बंगाल वॉरियर्ज़ के बीच टक्कर देखने को मिलेगी।

चेन्नई: 29 सितंबर से चेन्नई के एसडीएटी मल्टीपर्पज़ इंडोर स्टेडियम में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चरण में यूपी योद्धाज का सामना गुजरात जायंट्स से, और दबंग दिल्ली केसी का मुकाबला हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जहां नवीन कुमार अपनी पूर्व टीम के खिलाफ खेलते नज़र आएंगे।

दिल्ली: लीग स्टेज का अंतिम चरण 13 अक्टूबर से दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इस चरण में पटना पाइरेट्स बनाम हरियाणा स्टीलर्स और यू मुंबा बनाम यूपी योद्धाज के मुकाबले प्रमुख रहेंगे। लीग राउंड का समापन ट्रिपल हेडर (तीन मुकाबलों) के ज़रिए होगा, जिससे प्लेऑफ से पहले फैंस को भरपूर कबड्डी का रोमांच मिलेगा। प्लेऑफ का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने एक बयान में कहा, सीज़न 12 प्रो कबड्डी लीग के विकास में एक नया अध्याय है।

न्यूज़ ब्रीफ

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: पूर्व 100 मीटर विश्व चैंपियन फ्रेड केरली प्रतियोगिता से बाहर

यूजीन (संयुक्त राज्य अमेरिका)। पूर्व 100 मीटर विश्व चैंपियन फ्रेड केरली ने इस सप्ताह ओरेगन में होने वाली यूएस ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है, जिससे अब वह सितंबर में टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। 2022 में विश्व चैंपियन रह चुके और दो बार के ओलंपिक 100 मीटर पदक विजेता केरली ने सोशल मीडिया पर अपने नाम वापसी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 100 मीटर दौड़ एक सीधी स्प्रिंट होनी चाहिए। 2025 ने कई बाधाएं पेश की हैं। अब कुछ समय ट्रैक पर वापसी के लिए ले रहा हूं। इस साल कोई चैंपियनशिप नहीं। सभी समर्थकों का धन्यवाद। 30 वर्षीय केरली ने टोक्यो ओलंपिक में 100 मीटर में रजत पदक और 2024 पेरिस में कांस्य पदक जीता था। 2022 में उन्होंने यूजीन स्थित हेवर्ड फील्ड में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था-यही स्टेडियम इस वर्ष की यूएस चैंपियनशिप का भी आयोजन स्थल है, जो विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल्स का कार्य भी करती है। केरली ने मई में 100 मीटर दौड़ में 9.98 सेकंड का समय निकाला था, जो कि एक प्रभावशाली प्रदर्शन माना गया। हालांकि, उनका यह सीजन ट्रैक से बाहर की विवादों से प्रभावित रहा है। मई की शुरुआत में उन्हें मायामी में ग्रैंड स्लैम ट्रैक मीटिंग से पीछे हटना पड़ा था, जब बैटरी (हिंसा) के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। जनवरी में, उन्हें मायामी बीच में पुलिस से हुए विवाद के बाद बैटरी ऑन पुलिस ऑफिसर, गिरफ्तारी में विरोध और अशांति फैलाने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें उस दौरान टेसर भी किया गया। इसी साल जनवरी में ही, फ्रेड केरली पर घरेलू हिंसा और गला घोंटने जैसे गंभीर आरोप भी लगे, जो मई 2024 की एक कथित घटना से जुड़े थे। इन सभी घटनाओं ने उनके एथलेटिक करियर पर गंभीर प्रभाव डाला है और अब वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा नहीं लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय अंडर 19 टीम घोषित , आयुष होंगे कप्तान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल के अंत में होने वाले अंडर-19 टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भी आयुष म्हात्रे को ही कप्तान बनाये रखा है। आयुष की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल में हुए इंग्लैंड दौरे में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में कप्तान आयुष म्हात्रे के अलावा उप कप्तान विहान मल्होत्रा और सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम के खिलाफ इस दौरे में भारतीय टीम को तीन एकदिवसीय और दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। इनकी शुरुआत 21 सितंबर को पहले सीमित ओवरों की सीरीज के साथ होगी। भारतीय अंडर 19 टीम का यह दौरा 10 अक्टूबर को समाप्त होगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, ''जूनियर चयन समिति ने सितंबर में होने वाले आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का चयन किया है। इस टीम को ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ तीन एकदिवसीय और दो बहुदिवसीय मैच खेलने हैं।''भारत की अंडर-19 टीम हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गयी थी जहां पर वैभव और आयुष का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। जूनियर चयन समिति ने पांच स्टैंडबाई खिलाड़ियों को भी इस दौरे के लिए रखा है। भारतीय अंडर 19 टीम : आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश सिंह, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, नमन पुष्पक, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार, अनमोलजीत सिंह, खिलान पटेल, उद्धव मोहन और अमन चौहान।

इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान से डब्ल्यूसीएल सेमीफाइनल का बहिष्कार किया

लंदन। इंडिया चैंपियंस टीम ने यहां आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मैच का बहिष्कार कर दिया। इससे पाक चैंपियंस बिना खेले ही फाइनल में पहुंच गयी। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम के आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तान टीम का बहिष्कार किया। वहीं इसको लेकर भारतीय खिलाड़ियों ने कहा कि अगर पाक के साथ फाइनल होता तब भी हम नहीं खेलते क्योंकि हमारे लिए सबसे पहले देश है। खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय भावना को प्राथमिकता देते हुए मैच से हटने का फैसला किया। साथ ही कहा कि कि हम पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल में नहीं खेल रहे हैं क्योंकि हमारा देश हमारे लिए हमेशा शीर्ष पर रहेगा, उसके बाद ही कुछ और। हमने अपने शर्ट पर भारतीय झंडे के लिए बहुत संघर्ष किया है और कड़ी मेहनत की है और उसके सम्मान के लिए जो भी करना हो करेंगे। हम कभी भी अपने देश को झुकने नहीं देंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। भारत माता की जय।' उन्होंने आगे कहा, अगर हम फाइनल में भी पहुंचे होते तब भी पाकिस्तान से खेलने का बहिष्कार करते। हम सभी भारतीयों का इस पर समान रुख है।

काकीनाडा में 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप आज से, 30 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली,31 जुलाई (एजेंसियां)।

15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 1 अगस्त से 12 अगस्त तक आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में किया जाएगा। इस वर्ष यह प्रतियोगिता एक नए डिवीजन-आधारित प्रारूप में आयोजित की जा रही है, जो इस साल की शुरुआत में सीनियर और सब-जूनियर पुरुष एवं महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी सफलतापूर्वक अपनाया गया था। इस चैंपियनशिप में कुल 30 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें प्रदर्शन के आधार पर तीन डिवीजनों—डिवीजन ए, बी और सी—में बांटा गया है। डिवीजन ए और बी की अंतिम स्थान पर रहने वाली टीमें क्रमशः डिवीजन बी और सी में निर्वासित होंगी, जबकि डिवीजन बी और सी की शीर्ष दो टीमें क्रमशः डिवीजन ए और बी में प्रोन्नत होंगी।

डिवीजन ए (शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिता डिवीजन):

डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें भाग लेंगी। इसमें गत चैंपियन हॉकी झारखंड को पूल ए में, उपविजेता हॉकी मध्य प्रदेश को पूल बी में, और तीसरे स्थान पर रही हॉकी हरियाणा को पूल सी में रखा गया है। डिवीजन ए के मुकाबले 5 अगस्त से शुरू होंगे।

टीमें व पूल संरचना (डिवीजन ए):

पूल ए: हॉकी झारखंड, छत्तीसगढ़ हॉकी, हॉकी कर्नाटक

पूल बी: हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी पंजाब, हॉकी चंडीगढ़

पूल सी: हॉकी हरियाणा, उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी बंगाल

पूल डी: हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी आंध्र प्रदेश

प्रत्येक पूल में राउंड-रॉबिन प्रारूप में मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक पूल की शीर्ष दो टीमें क्वार्टरफाइनल (9 अगस्त), सेमीफाइनल (10 अगस्त) और फाइनल व तीसरे स्थान का मुकाबला (12 अगस्त) में प्रवेश करेंगी। किसी भी वर्गीकरण मैच के ड्रॉ रहने पर एफआईएच नियमों के अनुसार शूट-आउट द्वारा परिणाम तय किया जाएगा।

डिवीजन बी (मध्य स्तर का डिवीजन):

डिवीजन बी में केवल लीग मुकाबले होंगे। शीर्ष दो टीमें डिवीजन ए में प्रोन्नत होंगी, जबकि अंतिम दो टीमें डिवीजन सी में भेजी जाएंगी। मुकाबले 1 अगस्त से 5 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे।

टीमें व पूल संरचना (डिवीजन बी):

पूल ए: मणिपुर हॉकी, ले पुडुचेरी हॉकी, हॉकी उत्तराखंड, केरल हॉकी, असम हॉकी

पूल बी: हॉकी हिमाचल, दिल्ली, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु, हॉकी अरुणाचल, हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार

डिवीजन सी (प्रवेश स्तरीय डिवीजन):

इस डिवीजन में भी केवल लीग मैच खेले जाएंगे, और शीर्ष दो टीमें डिवीजन बी में प्रोन्नत होंगी। मुकाबले 1 अगस्त से 4 अगस्त तक होंगे।

टीमें व पूल संरचना (डिवीजन सी):

पूल ए: दादरा एवं नगर हवेली व दमन और दीव हॉकी, जम्मू-कश्मीर, गोवा हॉकी, त्रिपुरा

पूल बी: हॉकी गुजरात, राजस्थान, हॉकी मिजोरम, तेलंगाना हॉकी

सभी डिवीजनों में जीत के लिए 3 अंक, ड्रॉ पर 1 अंक और हार पर 0 अंक मिलेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा,सीनियर और सब-जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नए फॉर्मेट को मिली सफलता के बाद अब जूनियर वर्ग में इसे लागू किया जा रहा है। हमें यकीन है कि जूनियर स्तर पर भी खिलाड़ियों को यह फॉर्मेट पसंद आएगा और उन्हें इससे अच्छा अनुभव मिलेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा,नई प्रणाली को घरेलू टीमें बहुत अच्छे से अपना चुकी हैं। डिवीजन बदलने का मौका मिलने से टीमों का उत्साह और प्रतिस्पर्धा बढ़ा है।

टोरंटो मास्टर्स: शेल्टन ने मानारिनो के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ा रूबलेव की हार्डकोर्ट पर 250वीं जीत

टोरंटो,31 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने बुधवार को टोरंटो मास्टर्स में फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी एड्रियन मानारिनो के खिलाफ पहली जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में जगह बना ली। शेल्टन ने 56 मिनट में 6-2, 6-3 की आसान जीत हासिल की। इससे पहले दोनों आमने-सामने मुकाबलों में शेल्टन को हार का सामना करना पड़ा था।

शेल्टन ने मैच के बाद कहा, यह जीत मेरे लिए बेहद अहम रही। वह शानदार शॉटमेकर हैं और कई बार वह आपके हाथ से रैकेट तक छीन लेते हैं। मैंने पहले भी उनके खिलाफ अच्छा खेला है लेकिन नतीजा मेरे पक्ष में नहीं रहा। पहले सेट में शेल्टन ने दो बार सर्विस ब्रेक कर बढ़त बनाई और दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त हासिल कर ली। अंतिम गेम में उन्हें हल्की परेशानी हुई जब उन्होंने डबल फॉल्ट किया, लेकिन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए 16वें ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ मैच अपने नाम किया। शेल्टन ने कहा, मानारिनो के हाथ बहुत सधे हुए हैं। इसलिए सर्विस करते वक्त सटीकता बेहद जरूरी होती है। मैं खुश हूं कि मैंने अच्छा सर्व किया। रूबलेव की 250वीं हार्डकोर्ट जीत वहीं, रूस के छठी वरीय एंड्री रूबलेव ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर की हार्डकोर्ट पर 250वीं जीत दर्ज की। पिछले साल इस टूर्नामेंट में उपविजेता रहे रूबलेव ने 86 मिनट में चार मैच प्वाइंट्स में से एक का फायदा उठाकर मुकाबला अपने नाम किया। अब रूबलेव का सामना इटली के लोरेंजो सोनेगो से होगा, जिन्होंने चीन के बु युनचाओकेटे को 6-1, 6-4 से हराया। कोबोली और डियालो भी अगले दौर में विंबलडन क्वार्टरफाइनलिस्ट फ्लावियो कोबोली ने वर्षा से बाधित मुकाबले में कनाडा के एलेक्सिस गालारनो को 6-4, 5-7, 6-4 से हराया। कोबोली ने अंतिम गेम में चार ऐस लगाते हुए जीत सुनिश्चित की। दूसरी ओर, कनाडा के गेब्रिएल डियालो ने इटली के माटेओ गिगांटे को 6-3, 7-6 (7/5) से हराकर घरेलू दर्शकों को खुशी का मौका दिया।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

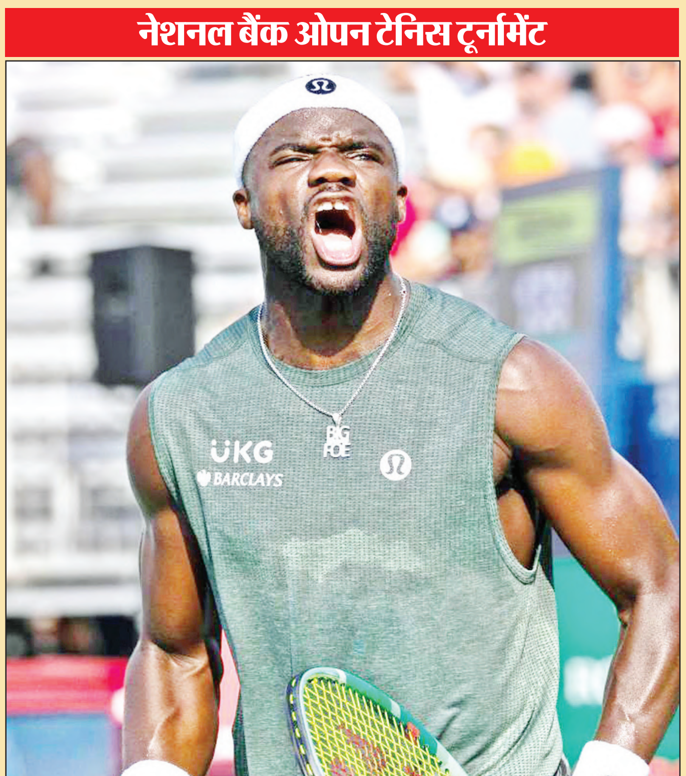

कनाडा में नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अंक मिलने पर उत्साहित फ्रांसिस टियाफोई।

लीग्स कप 2025 : मेसी के दो असिस्ट से इंटर मियामी ने एटलस को 2-1 से हराया

मियामी गार्डेंस (फ्लोरिडा),31 जुलाई (एजेंसियां)।

इंटर मियामी के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने दो शानदार असिस्ट करते हुए अपनी टीम को लीग्स कप 2025 के पहले मुकाबले में बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को एटलस के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत दिलाई।

यह मेसी का पहला मैच था, जब वह और उनके साथी खिलाड़ी जोर्डी अल्बा, एमएलएस ऑल-स्टार गेम में शामिल न होने के कारण लगे एक मैच के निलंबन के बाद मैदान में लौटे। मेसी ने मुकाबले के अंतिम सेकंडों में मार्सेलो वाइगांट को निर्णायक गोल के लिए असिस्ट किया, जिसने इंटर मियामी को जीत दिलाई।

मैच का पहला गोल 58वें मिनट में आया, जब मेसी ने टेलास्को सेगोविया को पास देकर स्कोरिंग का खाता खोला। इसके बाद एटलस के लिए 82वें मिनट में रिवाल्डो लोज़ानो ने बराबरी का गोल किया।

हालांकि, 96वें मिनट में वाइगांट ने निर्णायक गोल दागा, जिसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की पुष्टि के बाद गोल मान्य घोषित किया गया।

इस जीत के साथ जुलाई में मेसी के कुल पांच असिस्ट हो गए हैं। उन्होंने इस महीने आठ गोल भी किए, जिसके चलते उन्हें मेजर लीग सॉकर प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। इस दौरान इंटर मियामी ने एमएलएस में 4 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ दर्ज किया।

पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर पाए। मियामी के गोलकीपर रोको रियोज़ नोवो ने पहले हाफ में तीन बेहतरीन बचाव किए, जिनमें एक मौके पर उन्होंने एडुआर्डो एग्विर्रे के हेडर को शानदार तरीके से रोका। हाफ के अंतिम क्षणों में लुइस सुआरेज़ का एक शक्तिशाली शॉट क्रॉसबार से टकरा गया।

इस मैच में अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल ने इंटर मियामी के लिए डेब्यू किया। मेसी के राष्ट्रीय टीम साथी डि पॉल ने पिछले सप्ताह ही क्लब के साथ आधिकारिक अनुबंध किया था।

प्रीमियर लीग: मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बोर्नमाउथ को 4-1 से हराया; वेस्ट हैम ने एवर्टन को 2-1 से दी मात

शिकागो,31 जुलाई (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग समर सीरीज़ के तहत भारतीय समयानुसार गुरुवार को शिकागो के सोल्जर फील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बोर्नमाउथ को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

रुबेन आमोरिम की टीम की ओर से रासमुस होयलुंड, पैट्रिक डॉर्गू, अमाद डायलो और युवा खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने गोल दागे। यूनाइटेड ने इससे पहले शनिवार को वेस्ट हैम को 2-1 से हराया था।

बारिश और तेज हवाओं के बीच खेले गए मुकाबले में यूनाइटेड ने आठवें ही मिनट में बढ़त बना ली जब डॉर्गू के शानदार क्रॉस पर होयलुंड ने हेडर से गोल किया।

25वें मिनट में डॉर्गू ने खुद गोल कर यूनाइटेड की बढ़त 2-0 कर दी। मेसन माउंट की फ्री-किक पर गेंद को कंट्रोल कर उन्होंने बोर्नमाउथ के गोलकीपर डजॉर्ज पेट्रोविच को छकाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया।

दूसरे हाफ के 53वें मिनट में अमाद डायलो ने तीसरा गोल किया। फिर 70वें मिनट में ने नौ बदलाव किए और इसके दो मिनट बाद ही सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने लो शॉट के जरिए चौथा गोल किया।

हालांकि 88वें मिनट में यूनाइटेड के लिए एकमात्र निगेटिव पल तब आया जब डिफेंडर माथायस डी लिट ने आत्मघाती गोल कर दिया, जिससे स्कोर 4-1 हुआ।

वेस्ट हैम ने एवर्टन को हराया

दिन के दूसरे मुकाबले में वेस्ट हैम ने पिछड़ने के बावजूद दमदार वापसी करते हुए एवर्टन को 2-1 से शिकस्त दी। एवर्टन के लिए इद्रिसा गुये ने 17वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लुकास पकेटा ने बराबरी का गोल दागा।

फिर जर्मनी के निक्लास फुल्क्रुग ने 64वें मिनट में गोल कर वेस्ट हैम को निर्णायक बढ़त दिला दी।

एवर्टन के लिए यह प्री-सीजन में लगातार दूसरी हार रही। इससे पहले उन्हें बोर्नमाउथ के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

मैच के बाद एवर्टन के कोच डेविड मोयस ने कहा, मैं ज्यादा चिंतित नहीं हूं क्योंकि मेरे पास वो खिलाड़ी ही नहीं हैं जिनकी मुझे ज़रूरत है। हम पहले से जानते थे कि यहां हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इस समय हम न तो इस टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं और न ही प्रीमियर लीग सीज़न की शुरुआत के लिए।

अंतिम मुकाबले रविवार को

यह चार टीमों का टूर्नामेंट रविवार को अटलांटा में समाप्त होगा, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड का सामना एवर्टन से और वेस्ट हैम का मुकाबला बोर्नमाउथ से होगा।

टीसीएस ने किया छटनी का ऐलान, आईटी एंप्लॉयीज यूनियन ने ठोका मुकदमा

बेंगलुरू,31 जुलाई (एजेंसियां)।

टीसीएस से छटनी के ऐलान ने दुनिया को हैरान कर दिया है। आईटी सेक्टर की भारत ही नहीं दुनिया की इस दिग्गज कंपनी ने 12 हजार कर्मचारियों को हटाने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि फ्यूचर रेडी होने, नई तरह की डिमांड के लिहाज से खुद को तैयार करने और नई तकनीक से सामंजस्य बिठाने के लिए कंपनी ने यह फैसला किया है, लेकिन इससे आईटी कर्मचारियों में नाराजगी है। यही नहीं कर्नाटक स्टेट आईटी एंप्लॉयीज यूनियन ने इस मामले में एक केस भी दायर कर दिया है।

आईटी यूनियन ने लेबर कमिश्नर के पास

कंपनी पर नियमों का उल्लंघन कर छटनी करने का लगाया आरोप

मामला दायर किया गया है। यूनियन का कहना है कि टीसीएस ने नियमों का उल्लंघन करते हुए छटनी का फैसला लिया है। वहीं टीसीएस का कहना है कि फाइनेंशियल ईयर 2026 में वह अपनी वर्कफोर्स में 2 फीसदी की कमी करेगी। इसका अर्थ है कि 12 हजार लोग नौकरी खो देंगे। इस फैसले के खिलाफ कर्नाटक आईटी यूनियन के प्रतिनिधियों ने अडिशनल लेबर कमिश्नर से मुलाकात की और कर्मचारियों की संस्थाओं से अवगत कराया है।

इन कर्मचारियों ने इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स ऐक्ट का हवाला देते हुए कहा कि किसी कंपनी में यदि 100 से ज्यादा कर्मचारी होते हैं तो वहां छटनी के लिए सरकार से पहले अप्रूवल लेना जरूरी होता है। इसके लिए ऐक्ट में कुछ नियम तय किए गए हैं। यूनियन का कहना है कि टीसीएस मैनेजमेंट ने इन नियमों का उल्लंघन किया है। यूनियन की मांग है कि उन अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही की जाए, जिन्होंने यह फैसला लिया है। यूनियन ने कहा है कि लेबर डिपार्टमेंट को इस मामले में तत्काल न्याय करना चाहिए ताकि इस छटनी से प्रभावित होने वाले लोगों के साथ न्याय हो सके।

मीडिया रिपोर्ट में श्रम विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जल्द ही टीसीएस के मैनेजमेंट के साथ बैठक की जाएगी। इसमें चर्चा की जाएगी कि आखिर इस तरह लेऑफ का फैसला क्यों लिया गया। अभी तारीख तय नहीं है, लेकिन कर्नाटक के श्रम मंत्री ने साफ कहा है कि जल्द ही बैठक होगी। वहीं यूनियन का कहना है कि यदि नियमों का उल्लंघन करके इस तरह से छटनी की गई तो फिर भविष्य के लिए यह खतरनाक ट्रेंड स्थापित हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

इफको ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

Patel, MD, IFFCO

नई दिल्ली। सहकारी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने केजे पटेल को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। इफको के मौजूदा प्रबंध निदेशक डॉक्टर उदय शंकर अवस्थी 40 साल की सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। इफको ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी को 29 जुलाई को बोर्ड ने नए एमडी का नाम तय करने के लिए अधिकृत किया था। उन्होंने केजे पटेल को नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। उर्वरक क्षेत्र में 32 साल से अधिक की विशेषज्ञता के साथ पटेल इफको को नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता और किसानों एवं सहकारी समितियों के लिए बेहतर मूल्य सृजन की दिशा में आगे बढ़ाएंगे। अभी तक वे इफको के तकनीकी निदेशक का पद संभाल रहे थे। उनको उर्वरक उद्योग में फील्ड और ऑफसि वर्क का व्यापक अनुभव है। पटेल ने सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियर की डिग्री हासलि की है। उन्हें नाइट्रोजन और फॉस्फेट उर्वरक संयंत्रों के रखरखाव में 32 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। इफको के मौजूदा प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉक्टर उदय शंकर अवस्थी 40 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत हो गए हैं।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 4 से 6 अगस्त के बीच, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त के बीच होने वाली है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए जाने वाले फैसलों की घोषणा 6 अगस्त को करेंगे। अर्थशास्त्रियों ने बैठक में रेपो रेट 5.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रहने की संभावना जताई है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अमेरिका की 25 फीसदी नए टैरिफ की घोषणा के बावजूद रिजर्व बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकता है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली एमपीसी की यह समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त तक चलेगी। आरबीआई ने यह बैठक पहले 5-7 अगस्त के लिए निर्धारित थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी, 2025 से लेकर अभी तक रेपो रेट में कुल मिलाकर 100 आधार अंकों यानी एक फीसदी की कटौती की है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल में 25 आधार अंकों की कटौती की गई थी। आरबीआई ने पहली और दूसरी एमपीसी समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी और तीसरी बार यानी जून में 0.50 फीसदी की कटौती की थी, जो अभी 5.50 फीसदी है।

बड़ी कंपनियां 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

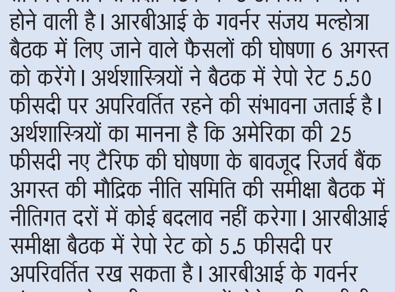

नई दिल्ली। कई बड़ी कंपनियां दिवाली 2025 तक 5 दमदार एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं, जो डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के मामले में जबरदस्त होंगी। महिंद्रा अपनी लोकप्रिय बोलेरो नियो का फेसलिफ्ट वर्जन 15 अगस्त 2025 को लॉन्च करेगी। यह एसयूवी कंपनी के नए फ्रीडम एनयू प्लेटफॉर्म पर तैयार होगी। इसमें गोल हेडलैम्प, नया बंपर और रिफ्रेश इंटीरियर देखने को मिलेगा। हालांकि इंजन में कोई बदलाव नहीं होगा। मारुति अपनी नई मिडसाइज एसयूवी इस्कूडो को लॉन्च करने वाली है, जो ग्रैंड विटारा पर आधारित होगी लेकिन ज्यादा किफायती होगी। यह एसयूवी सिर्फ अरेना डीलरशिप पर मिलेगी और इसमें पेट्रोल, सीएनजी और हाइब्रिड इंजन विकल्प दिए जा सकते हैं। हुंडई अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन इस साल लाएगी। इसमें पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन और एडीएएस जैसे प्रीमियम फीचर्स मिल सकते हैं। एक्सटीरियर और इंटीरियर में बड़ा बदलाव होगा। टाटा अक्टूबर 2025 में पंच और पंच ईवी का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करेगी। नए आईसीई वर्जन में पंच ईवी जैसे डिजाइन एलिमेंट्स देखने को मिलेंगे।

भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान

नई दिल्ली,31 जुलाई (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि इस साल भारत में बिजली की मांग में मामूली चार फीसदी बढ़ोतरी होने का अनुमान है। वर्ष की पहली छमाही में गर्मी अपेक्षाकृत कम पड़ने से खपत में कमी आई है और अधिकतम मांग सितंबर में आने की संभावना है। आईईए ने अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक बिजली की मांग 2025-26 में पिछले अनुमान और पिछले दशक की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चीन और भारत में बिजली की मांग इस साल 2024 में तीव्र वृद्धि के मुकाबले धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल छह फीसदी की वृद्धि के बाद इस साल भारत में बिजली की मांग में चार फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। आईईए ने अनुमान लगाया है कि 2025 में चीन की खपत पांच फीसदी बढ़ेगी, जो पिछले साल के सात फीसदी से कम है। अकेले चीन की वैश्विक बिजली मांग वृद्धि में 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जैसा कि 2024 में हुआ था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में औद्योगिक गतिविधियों पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और 2024 की तुलना में कम गर्मी पड़ने से 2025 की पहली छमाही में बिजली की मांग में सालाना आधार पर 1.4 फीसदी की वृद्धि हुई। साल की बची हुई अवधि में मांग में और ज्यादा वृद्धि होने का अनुमान है और इसमें चार फीसदी वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। आईईए ने 2026 में 6.6 फीसदी की मजबूत वृद्धि का अनुमान है। इसका कारण उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मजबूत गतिविधियां और एसी की बढ़ती संख्या है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस स्थित एजेंसी ने विद्युत मंत्रालय के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। यह इस साल गर्मियों के बजाय सितंबर में स्थानांतरित हो सकती है। हालांकि उत्पादन क्षमता में वृद्धि से इस मांग को पूरा किए जाने का अनुमान है। आईईए ने उत्पादन के संबंध में कहा कि सौर पीवी और पवन ऊर्जा का संयुक्त उत्पादन 2025 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा रहा। कुल बिजली उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी 14 फीसदी रही जो 2024 की पहली छमाही में 11 फीसदी थी। सौर पीवी उत्पादन में 25 फीसदी और पवन ऊर्जा में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई।

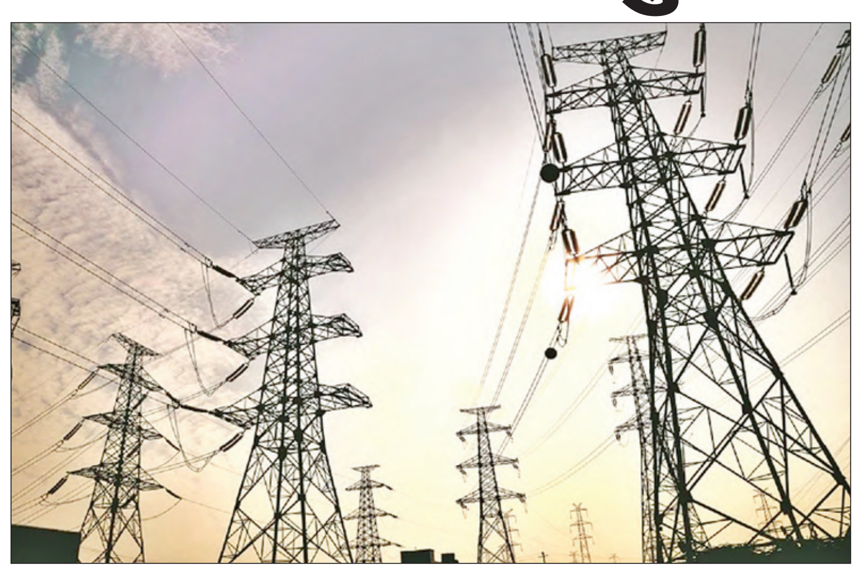

यह गिरावट गन्ने की कमी, कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ लिमिटेड (एनएफसीएसएफएल) ने कहा है कि चालू सत्र में जुलाई तक भारत का चीनी उत्पादन 18.38 फीसदी से घटकर दो करोड़ 58.2 लाख टन रहा। ऐसा प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम उत्पादन के कारण हुआ है। संस्था को उम्मीद है कि पूरे सत्र में कुल उत्पादन दो करोड़ 61.1 लाख टन तक पहुंच जाएगा, जो 2023-24 में उत्पादित 3.19 करोड़ टन से काफी कम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक और तमिलनाडु में जून से सितंबर तक चलने वाले विशेष पेराई कार्य चल रहे हैं और कुल उत्पादन में कुछ और टन बढ़ने की उम्मीद है। कर्नाटक में पिछले साल के एक मिल की तुलना में सात मिलें चल रही हैं, जबकि तमिलनाडु में पिछले साल के 11 मिलों की तुलना में नौ मिलें चालू हैं। एनएफसीएसएफएल के मुताबिक भारत के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य, यूपी में जुलाई तक उत्पादन एक साल पहले के 103.6 लाख टन से घटकर 92.7 लाख टन रह गया। दूसरे सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में में भारी गिरावट आई उत्पादन पहले के 1.1 करोड़ टन से घटकर 80.9 लाख टन रह गया, जबकि कर्नाटक में उत्पादन 51.6 लाख टन से घटकर 40.6 लाख टन रह गया है। यह गिरावट गन्ने की उपलब्धता में कमी, प्रतिकूल मौसम, एथनॉल उत्पादन में इसके इस्तेमाल का बढ़ता रुझान और कीट एवं रोगों के प्रकोप के कारण आई है। एक अहम उपलब्धि के रूप में भारत ने 2025 में पेट्रोल के साथ 20 फीसदी एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है जो 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले है। यह उपलब्धि ग्रामीण आय को बढ़ावा देते हुए ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के देश के प्रयासों को रेखांकित करती है।

खाते में बैलेंस नहीं रखने पर बैंकों ने ग्राहकों से वसूले 8,933 करोड़ रुपए

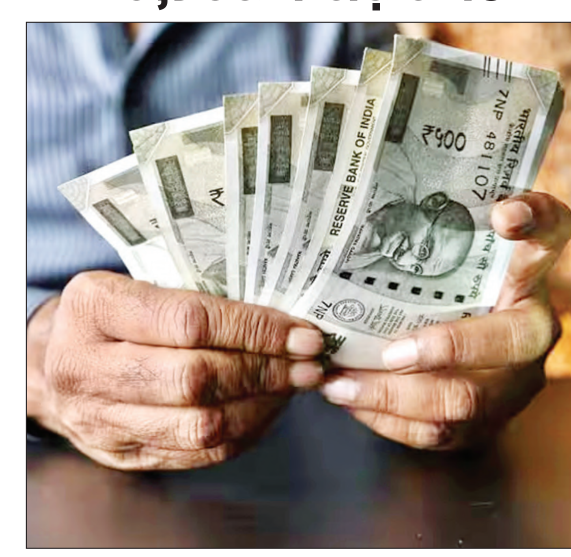

नई दिल्ली,31 जुलाई (एजेंसियां)।

पिछले पांच सालों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्राहकों से करीब 8,933 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला। यह जुर्माना खातों में न्यूनतम औसत बैलेंस नहीं रखने में के एवज में वसूला गया। यह जानकारी केंद्र सरकार ने संसद में साझा की है।

भारतीय स्टेट बैंक तो मार्च 2020 से ही ये जुर्माना नहीं ले रहा है लेकिन बाकी कई बड़े सरकारी बैंक फाइन लगा रहे हैं। इन बैंकों में इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया तक शामिल रहे हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी हाल ही में यह चार्ज माफ कर दिया है। बैंकों का कहना है कि ये कदम ग्राहकों को राहत देने और हर किसी के लिए बैंकिंग सेवाओं को समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए हैं। 2020-21 से लेकर 2024-25 की अवधि में बैंकों ने यह जुर्माना वसूला। शुरुआती 2020-21 में 1,142 करोड़ वसूले गए थे, जो 2023-24 में बढ़कर 2,331 करोड़ हो गए। वहीं 2024-25 में इसमें थोड़ी गिरावट आई और यह 2,175 करोड़ रहा।

सबसे अधिक जुर्माना वसूलने वाले बैंकों में इंडियन बैंक 1,828.18, पंजाब नेशनल बैंक 1,662.42, बैंक ऑफ बड़ौदा 1,531.62, केनरा बैंक 1,212.92, बैंक ऑफ इंडिया 809.66, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 585.36, बैंक ऑफ महाराष्ट्र 535.20, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 484.75, यूको बैंक 119.91, पंजाब एंड सिंध बैंक 100.92, इंडियन ओवरसीज बैंक 62.04 करोड़ का जुर्माना वसूला। सरकार ने बैंकों को सुझाव दिया है कि वे ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के ग्राहकों को इस शुल्क से राहत दें या इसे पूरी तरह समाप्त करें। इसका उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं को अधिक समावेशी और सुलभ बनाना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट का...

दोनों बीआरएस नेताओं की याचिका में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता कार्यवाही पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा समय पर कार्रवाई करने की मांग की गई थी।शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता कार्यवाही में निर्णायक भूमिका में कार्य करते हुए, विधानसभा अध्यक्ष उच्च न्यायालय और शीर्ष न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन एक न्यायाधिकरण के रूप में भी कार्य करते हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि विधानसभा अध्यक्ष को ऐसे मामलों में कोई संवैधानिक छूट प्राप्त नहीं है।शीर्ष अदालत ने इस तथ्य पर गौर करते हुए कि राजनीतिक दलबदल राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है और अगर इसे रोका नहीं गया तो यह लोकतंत्र के लिए बाधा बन सकता है। अदालत ने कहा कि किसी भी विधायक को अध्यक्ष के समक्ष लंबित अयोग्यता कार्यवाही को लंबा खींचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस फैसले से तेलंगाना की राजनीति में चल रहे इस दलबदल विवाद पर जल्द समाधान की उम्मीद जगी है।

तेलंगाना स्पीकर एससी...

पूर्ण आदेश की प्रति मिलने के बाद हम कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेंगे। हम आपको भविष्य की कार्रवाई के बारे में बताएंगे। एक सवाल के जवाब में स्पीकर ने कहा कि उन्होंने पहले ही कांग्रेस में दलबदल करने वाले बीआरएस विधायकों को नोटिस जारी कर दिए हैं और उन्होंने जवाब देने के लिए कुछ समय मांगा है।

एससी के फैसले के...

केटीआर ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को यह सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया कि इस देश की लोकतांत्रिक संरचना दुर्भावनापूर्ण तरीकों से खत्म न हो। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, रामा राव ने कांग्रेस लोकसभा नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया और कांग्रेस नेता को अपने स्वयं के उपदेशों पर कायम रहने की चुनौती दी। उन्होंने राहुल गांधी के पंच न्याय के तहत कड़े दलबदल विरोधी कानूनों और दलबदलुओं की स्वचालित अयोग्यता के वादे का हवाला दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि न तो राहुल गांधी और न ही उनकी पार्टी स्पीकर के पद का दुरुपयोग करके संविधान का मखौल उड़ाएंगे।बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने 10 विधायकों पर अवैध रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने और खुले तौर पर आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने का आरोप लगाया, इसे संवैधानिक मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा, इसमें ज्यादा जांच की जरूरत नहीं है, और दलबदल पर सत्ताधारी पार्टी की चुप्पी पर निशाना साधा। के.टी.आर. ने बीआरएस की कानूनी टीम और पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की जो पार्टी के साथ खड़े रहे और उम्मीद जताई कि अदालत का यह आदेश उपचुनावों की तैयारी के लिए एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने घोषणा की, हमारे पास 10 निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनावों की दिशा में काम करने के लिए तीन महीने हैं। चलिए, काम पर लगते हैं!

वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने कांग्रेस लोकसभा नेता राहुल गांधी से जो उपदेश देते हैं, उसका पालन करने को कहा। उन्होंने सवाल किया, क्या राहुल गांधी स्पीकर से आग्रह करेंगे कि वे उनके पिता राजीव गांधी द्वारा लाए गए दलबदल विरोधी कानून के अनुसार कार्य करें? या क्या संविधान को साथ लेकर चलना केवल एक चुनावी ढोंग है?उच्च न्यायालय में दलबदल मामले में याचिकाकर्ता रहे विधायक के.पी. विवेकानंद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रेवंत रेड्डी सरकार की दलबदल को बढ़ावा देने में भूमिका को बेनकाब कर दिया है। उन्होंने स्पीकर से तीन महीने की समय-सीमा पूरी होने का इंतजार किए बिना तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।बीआरएस के महासचिव सोमा भारत कुमार ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया और याद दिलाया कि दलबदल विरोधी कानूनों को लागू करने में अपनी विफलता के कारण कांग्रेस ने आठ राज्यों में अपनी सरकारें खो दी थीं।बीआरएस संसदीय दल के उपनेता वद्दिराजु रविचंद्र ने इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि अब उपचुनाव अपरिहार्य हैं। उन्होंने दोहराया, स्पीकर को अदालत के आदेश के अनुसार तीन महीने के भीतर कार्रवाई करनी होगी।

17 वर्ष बाद...

इस फैसले से पहले दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे और न्यायालय परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।गौरतलब है कि यह बम विस्फोट 29 सितंबर, 2008 की रात मालेगांव के भिक्कू चौक के पास हुआ था। इस भयावह घटना में छह लोग मारे गए थे और सौ से ज़्यादा घायल हुए थे। बम एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था, जिससे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में दहशत और अफरा-तफरी मच गई थी।इस मामले की जाँच पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने की थी, लेकिन वर्ष 2011 में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए ने इस मामले को फिर से दर्ज किया और गहन जांच की, जिसके बाद कई आरोपपत्र और पूरक रिपोर्ट दायर की गईं। इस मामले के सातों आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय होने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमे की कार्यवाही शुरू हुई थी।

रेणुका चौधरी के...

पिछली भगवा आतंकवाद की थ्योरी से आगे बढ़कर सीधे हिंदू आतंकवादी शब्द के उपयोग को लेकर है। उन्होंने यह तक कह दिया कि हिंदू आतंकवादी कहने में कुछ गलत नहीं है। आलोचकों का कहना है कि कांग्रेस पहले भगवा आतंकवाद की थ्योरी गढ़कर संतों और साध्वियों को जेल में डालती रही और अब खुले तौर पर हिंदू आतंकवादी शब्द का इस्तेमाल कर रही है, जो हिंदू समाज को कलंकित करने का एक और प्रयास है।वहीं, अदालत के फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर अदालत में ही भावुक हो गईं। रोते हुए उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त की, मेरे ऊपर आतंकवादी का टैग लगाया गया। मेरी पूरी जिंदगी बर्बाद कर दी गई। मैं संन्यासी थी, इसलिए जिंदा रह गई, वरना रोज-रोज मरने जैसा जीना पड़ा।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस का यह रवैया कोई नया नहीं है। भगवा आतंकवाद की थ्योरी रचने से लेकर अब हिंदू आतंकवाद कहने तक, कांग्रेस पर बार-बार हिंदू समाज की आस्था को ठेस पहुँचाने की कोशिश करने का आरोप लगता रहा है। असल सवाल यह है कि जब अदालत ने आरोपियों को निर्दोष पाया है, तो क्या कांग्रेस को देश की न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं है? या फिर उसकी राजनीति ही हिंदू आस्था को ठेस पहुँचाने पर टिकी है? यह बयान निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ सकता है।

पीड़ित परिवार...

बरी किए जाने के 24 घंटे के भीतर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिन्हें पहले एक विशेष मकोका अदालत ने दोषी ठहराया था। उन्होंने कहा, सरकार को मालेगांव मामले में भी उच्च न्यायालय में जाने में उतनी ही तेजी दिखानी चाहिए।नदीम ने आगे कहा, बम विस्फोट अदालत द्वारा साबित हो चुका है। हम इस बरी होने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे। उन्होंने बताया कि मालेगांव विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हुए थे। अदालत ने सभी आरोपियों को 'संदेश का लाभ' देते हुए बरी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया, यह स्पष्ट बरी होना नहीं है, इस मामले में अपील दायर की जाएगी। आरोपी नंबर 10 (सुधाकर चतुर्वेदी) ने कहा था कि कोई बम विस्फोट नहीं हुआ, लेकिन वह एक झूठा बयान है।

राष्ट्रीय हितों की...

वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। सुधारों, किसानों, एमएसएमई और उद्योगपतियों की मेहनत के दम पर हम 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से दुनिया की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में आ गए हैं। उम्मीद है कि कुछ वर्षों में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। आज वैश्विक संस्थाएँ और अर्थशास्त्री भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देख रहे हैं।उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार को विश्वास है कि हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर समावेशी और सतत विकास की अपनी तेज गति वाली यात्रा जारी रखेंगे। आत्मनिर्भरता की ओर भारत, आत्म-विश्वास के साथ बढ़ रहा है।

यह सपना कभी ...

तरह निभाया नहीं गया। यह पहला मौका नहीं है जब मियां पहचान को टकरावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया हो। साल 2020 में पूर्व कांग्रेस विधायक शर्मन अली अहमद ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में मियां म्यूजियम बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिस पर भी विवाद हुआ था।गोलाघाट जिले के रेंगमा रिजर्व फॉरेस्ट में लगभग 11,000 बीघा भूमि अवैध कब्जे में थी, जहां सुपारी की खेती और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियां पनप रही थीं। सरकार ने पहले चरण में 4.2 हेक्टेयर भूमि को शांतिपूर्वक अतिक्रमणमुक्त कराया और 120 से अधिक अवैध दुकानों एवं ढांचों को ढहा दिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि राज्य सरकार अब तक 182 वर्ग किलोमीटर भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करा चुकी है।इस मुद्दे पर असमिया, आदिवासी और मूल मुस्लिम समुदायों ने भी मियांलैंड की मांग का पुरजोर विरोध किया है। छात्र संगठनों, नागरिक समाज और सांस्कृतिक मंचों ने असम की धरती पर नहीं बनेगा मियांलैंड के नारे लगाए हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की चुप्पी को लेकर भी व्यापक आलोचना हो रही है, जिसे लोग कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति का उदाहरण बता रहे हैं।असम भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस शासन के दौरान दशकों तक बांग्लादेशी घुसपैठ ने असम की जनसांख्यिकी को बदल दिया है। भाजपा प्रवक्ता किशोर कुमार उपाध्याय ने धुबरी, बारपेटा, दरांग, मोरीगांव और दक्षिण सालमारा जैसे जिलों में मुस्लिम जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के आंकड़े प्रस्तुत किए और कहा कि यह प्रवृत्ति मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बना रही है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर अतिक्रमण और अवैध घुसपैठ के खिलाफ अपनी सरकार की नीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अब वही घुसपैठिए 'मियांलैंड' नामक अलग राज्य की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका यह सपना भारत में कभी पूरा नहीं होगा, हां, यदि वे चाहें तो बांग्लादेश या अफगानिस्तान में इसके लिए प्रयास कर सकते हैं और सरकार उन्हें वहां पहुंचाने में मदद करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि गुवाहाटी शहर में अवैध रूप से बसे लोगों और अतिक्रमणकारियों की पहचान के लिए सर्वे कराया जाएगा, जिसका असर असम के मूल निवासियों पर नहीं पड़ेगा। यह कदम विशेषकर उन लोगों के खिलाफ है जो गुवाहाटी की पहाड़ियों में गैरकानूनी रूप से बस गए हैं।

हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम सरकार अवैध घुसपैठियों की पहचान, गिरफ्तारी और देश से बाहर भेजने की दिशा में देश में अग्रणी बन चुकी है। असम सरकार का अतिक्रमण के खिलाफ यह कठोर रुख एक स्पष्ट संदेश है कि राज्य की भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह कार्रवाई असम के हित और सुरक्षा के लिए हर हाल में जारी रहेगी।

असम का इतिहास अपनी पहचान और भूमि की रक्षा का रहा है। आज राज्य को सीमा पार घुसपैठ के साथ ही आंतरिक राजनीति के उन प्रयासों से भी खतरा है जो असम की जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक वास्तविकता को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का संदेश स्पष्ट है- असम में अलगाववाद को जगह नहीं है, अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई होगी और राज्य की सांस्कृतिक व भौगोलिक अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 01 अगस्त, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
सभी वैष्णवों एवं सनातनियों से विशेष अनुरोध है कि वे अपनी कमाई का नहीं बल्कि अपने दैनिक खर्च, वैवाहिक खर्च, जन्म दिन, वैवाहिक वर्षगाँठ एवं मंगल प्रसंगों पर होने वाले खर्च का 1% अपनी गोमाता की रक्षा, सेवा व चारा – आहार के लिए योगदान दें।
जय गो माता – जय गोपाल
9849467807
9246532277
Scan for Donation

अ.भा. अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की श्रीशैलम यात्रा के सफल आयोजन की अभिनंदन सभा सम्पन्न

सदस्यों का सहयोग रहा सफलता का आधार, शाखाओं के विस्तार का प्रस्ताव

हैदराबाद, 31 जुलाई 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, तेलंगाना इकाई द्वारा सावन के दूसरे सोमवार को श्रीशैलम में मल्लिकार्जुन स्वामी दर्शन के लिए 150 सदस्यों की यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भजन-कीर्तन, उत्साह और स्वादिष्ट भोजन के साथ अत्यंत हर्षोल्लास के माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इस आयोजन की सफलता का उत्सव मनाने और लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के लिए गुरुवार को हैदरगुड़ा के होटल बीकानेरवाला में एक अभिनंदन सभा आयोजित की गई। सभा की शुरुआत राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने की, जिन्होंने बताया कि अध्यक्ष योगेश जैन और मंत्री विनय जैन के कुशल नेतृत्व में मात्र पांच दिनों में इस यात्रा का सफल आयोजन संभव हुआ। उपस्थित सदस्यों ने दोनों के प्रयासों की सराहना करते हुए करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया।

अध्यक्ष योगेश जैन ने सभा का स्वागत करते हुए कहा, इस आयोजन की सफलता के पीछे प्रत्येक सदस्य का सहयोग रहा। बिना आप सबके साथ के, हम यह नहीं कर पाते। उन्होंने महिला समिति से भविष्य में और कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

मानद मंत्री विनय जैन ने पिछली सभा का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठन के कार्यक्रमों में तन-मन से सहयोग देने की अपील की, ताकि संस्था और सशक्त हो सके।

शशि कांत अग्रवाल ने आभास दिल्ली के प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए बताया कि तेलंगाना के प्रत्येक जिले और शहर में शाखाओं के विस्तार की योजना है। सभा ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए हैदराबाद में पांच दिशाओं में पांच शाखाएँ और प्रत्येक जिले में शाखाएँ स्थापित करने का निर्णय लिया।

सह राष्ट्रीय संगठन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल ने महिला और युवा समिति से छोटे-छोटे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का आग्रह किया। विनय जैन ने सुझाव दिया कि कार्यकारिणी द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया जाए, ताकि जिम्मेदारियाँ साझा की जा सकें और कार्य अधिक प्रभावी हो।सभा का समापन शिव भलवाले के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस अवसर पर डी.पी. अग्रवाल, पंकज कुमार मित्तल, सुमित अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, नवल बंसल, प्रदीप चंद्र संघी, निर्मला संघी, रितु जैन, रेखा अग्रवाल, अल्का अग्रवाल, बरखा संघी और कविता संघी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

यह आयोजन और अभिनंदन सभा अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की सामुदायिक एकता, संगठनात्मक विस्तार और सक्रिय सहभागिता को दर्शाता है। संगठन के इस प्रयास से तेलंगाना में सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल का 149वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैम्प 3 अगस्त को

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा शिव मंदिर कमेटी पब्लिक गार्डन के सहयोग से 149वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार, 3 अगस्त को सुबह 6 से 9 बजे तक नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन में आयोजित किया जाएगा।

_आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस विशाल मेडिकल कैंप में निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। जिसमें किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट के सहयोग से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, और बीपी व आरबीएस (रैंडम ब्लड शुगर) की जाँच की सुविधा मिलेगी। दंत चिकित्सा की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी।

__इस अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा जांच के बाद योग्य रोगियों को निशुल्क कृत्रिम पैर, हेड क्लिप, कैलिपर्स एवं हैंड प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, आवश्यक रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था भी की जाएगी।

_शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 8 बजे तक किया जाएगा। आयोजकों ने सभी से इस निशुल्क मेडिकल कैंप का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है।अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाशचंद केडिया, मणिलाल शाह, उत्तम सुगंध, और गोविन्द केडिया से संपर्क किया जा सकता है।

प्रगतिनगर वरिष्ठ नागरिक संघ के चुनाव 5 अगस्त को

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित प्रगतिनगर वरिष्ठ नागरिक संघ के चुनाव मंगलवार, 5 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। चुनाव परिणाम उसी दिन शाम 5 बजे तक घोषित कर दिए जाएँगे। इस चुनाव में कुल 143 मतदाता मतदान के पात्र हैं।संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और चार सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 30 जुलाई से 2 अगस्त तक सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों को नामांकन पत्र के साथ अपने मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड की एक प्रति जमा करना अनिवार्य होगा।नामांकन पत्रों की जाँच 3 अगस्त को शाम 4 बजे तक की जाएगी और योग्य उम्मीदवारों की घोषणा उसी दिन शाम 5 बजे की जाएगी।चुनाव समिति के सदस्य जि. कामेश्वर राव, पि. वेंकटेश्वरलु गारू, पि.वि. सीताराम राव गारू और के. हरनाथ ने एक बयान में बताया कि संघ की वर्तमान कार्यकारी समिति का कार्यकाल 27 जुलाई को समाप्त होने के कारण इन चुनावों की घोषणा की गई है।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा अंक ज्योतिष, प्रेरणा और व्यक्तित्व मनोविज्ञान पर संगोष्ठी का भव्य आयोजन

जीवन में परिवर्तन और विकास पर जोर

हैदराबाद, 31 जुलाई 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति ने 30 जुलाई 2025 को अपने सेड़मल हॉल में दिव्य अंक ज्योतिष शास्त्र, प्रेरणा एवं व्यक्तित्व मनोविज्ञान विषय पर एक संवादात्मक संगोष्ठी का भव्य और सफल आयोजन किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता विश्व विख्यात अंक ज्योतिषाचार्य और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक श्री मुदीगोंडा गोपी कृष्ण (एमजीके) थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। मंच पर समिति के मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल, अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन, एन.बी. साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बाबूराव, व्यक्तित्व विकासकर्ता और एंकर मोहन गांधी, तथा मुख्य अतिथि श्री गोपी कृष्ण उपस्थित रहे। डॉ. बाबूराव ने अतिथियों का स्वागत किया।

मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा, जीवन में परिवर्तन प्रभावी हो सकते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियाँ भी व्यक्तित्व विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। मुख्य अतिथि का परिचय रसायन विज्ञान की व्याख्याता एम. अशिता ने दिया। मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों ने श्री गोपी कृष्ण को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि श्री गोपी कृष्ण ने अपने संबोधन में कहा, दिव्य अंक ज्योतिष से सटीक भविष्यवाणी संभव है। यह विद्यार्थियों को उनके भविष्य की योजना बनाने में प्रशिक्षित करने की एक प्रभावी विधि है। उन्होंने बताया कि अंक ज्योतिष के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित कर सकता है और प्रेम, विवाह, व्यापार, सफलता-असफलता जैसे क्षेत्रों में अनुमान लगा सकता है। 1 से 9 तक के अंकों के गुणों की व्याख्या करते हुए उन्होंने व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया, जिससे व्यक्ति के व्यवहार और गुणों का आकलन संभव होता है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अंक ज्योतिष न केवल वैज्ञानिक है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायक है। संगोष्ठी में उन्होंने संवादात्मक सत्र के माध्यम से उपस्थित लोगों के साथ विचार-विमर्श किया, जिसे सभी ने सराहा।

कार्यक्रम में समिति के संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, सीईओ आराधना मोदनी, विभिन्न संस्थाओं के प्रधान, शिक्षकगण और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी व्याख्याता श्रीमती जी. कविता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन न्यूट्रिशन व्याख्याता विनीता ने किया। राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

यह संगोष्ठी अग्रवाल शिक्षा समिति की शैक्षिक और सांस्कृतिक सक्रियता को दर्शाती है। अंक ज्योतिष और मनोविज्ञान जैसे विषयों पर इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों और समाज के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक हैं।

लायन्स क्लब ऑफ हैदराबाद राजधानी द्वारा किया गया अन्नदान और पौधारोपण

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायन्स क्लब ऑफ हैदराबाद राजधानी ने गुरुवार को निवर्तमान अंतर्राष्ट्रीय निदेशक लायन जी. बाबू राव जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, लायंस डिस्ट्रिक्ट 320 डी के गवर्नर ए. अमरनाथ के आह्वान पर सेवा कार्य आयोजित किए। क्लब ने मारवाड़ी हिंदी विद्यालय और मुस्लिम जंग पूल बेगम बाजार पर अन्नदान किया और स्कूल के विद्यार्थियों को स्नैक्स व जूस वितरित किए। क्लब के मानद मंत्री प्रकाश एच. भंडारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सेवा के इस अनुपम अवसर पर क्लब द्वारा लगभग 150 व्यक्तियों को भोजन प्रसाद कराया गया। इसके अतिरिक्त, स्कूल के करीब 350 विद्यार्थियों को जूस और स्नैक्स वितरित किए गए।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत स्कूल प्रांगण में पौधे लगाए गए। स्कूल के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए क्लब के अध्यक्ष श्रीगोपाल अट्टल और पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी ने उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बिजली और पानी का अनावश्यक उपयोग न करने तथा अपने आस-पास वृक्षारोपण करके पर्यावरण संतुलन को बेहतर बनाने का प्रयास करने का आग्रह किया।

विद्यालय के प्रिंसिपल और डॉ. संदीप साबू जी ने लायंस क्लब के सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि लायंस क्लब के सदस्य समय-समय पर विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग देते रहते हैं, और भविष्य में भी वे ऐसे सहयोग की भावना रखते हैं।

क्लब के कोषाध्यक्ष मुन्ना लाल बंग और पूर्व अध्यक्ष रमेश गांधी ने इन कार्यक्रमों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्लब से बाल किशन नावंदर, पुरुषोत्तम अट्टल, राजेश अग्रवाल, कमल किशोर गोयंका, सागर अट्टल आदि सदस्य उपस्थित थे।

रायकंती नागराजू को सेवानिवृत्ति पर किया गया सम्मान

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाषा एवं संस्कृति विभाग के फील्ड ऑफिसर रायकंती नागराजू के सेवानिवृत्ति (सुपरएनुएशन) के अवसर पर गुरुवार को रवींद्र भारती कॉन्फ्रेंस हॉल, हैदराबाद में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर ओल्ड सिटी उनमादी देवालय उरेगिम्पु कमेटी के पूर्व महासचिव और हरिबोली श्री अक्कन्ना मदनन्ना महाकाली मंदिरम आयोजन सचिव एस.पी. क्रांति कुमार ने रायकंती नागराजू को सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्कृति निदेशक मामिडी हरिकृष्णा, सहायक निदेशक रघुनंदन और विभिन्न जिलों से आए कलाकार उपस्थित थे। यह आयोजन नागराजू के विभाग को दिए गए योगदान को रेखांकित करता है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,185.58
-296.28 -0.36% ↓
एनएसई :24,768.35
-86.70 (-0.35%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,180/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,13,370/-
(प्रति किलोग्राम)

आचार्य महाश्रमण जी की प्रबुद्ध सुशिष्या साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ठाना-4 की पावन प्रेरणा से तपस्वी जीतमल बांठिया एवं मंजू बांठिया सजोड़े मासखमण (लगातार उपवास) की तपस्या के 21वें दिन एक विशेष भजन और बहुमान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विजय गेल्डा, कमल सेठिया, राजू धाड़ेवा, विशाल, नवरत्न बेंगानी जैसे गणमान्य व्यक्तियों सहित प्रमुख भजन गायक दिलीप डागा, राजकुमार सांखला और मनोज बोथरा, प्रकाश दफ़्तरी आदि भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर तपस्वी युगल के तपस्यामय जीवन की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 ने मलकपेट स्थित साई चैतन्य ओल्डएज होम में जरूरतमंदों के लिए खाने-पीने की सामग्री भेंट की। इस अवसर पर डॉ. प्रशांत नीमकर (एन.ई.सी. सदस्य), श्रीमती शीतल नीमकर (अध्यक्ष), सोनू घनाते एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को आवश्यक सहायता प्रदान करना था।

डॉ. आसकरण नाहटा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छात्रों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. आसकरण नाहटा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में बी. आर. नगर, इंदिरा पार्क के पास स्थित सामुदायिक भवन में एक परोपकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्री सिद्धार्थ हाई स्कूल, बी. आर. नगर के छात्रों को किताबें, पेन और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित करना था। इस नेक कार्य में स्कूल प्रबंधन ने पूरा सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में भाजपा नेता गोविंद राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि पवन मोर ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इनके अतिरिक्त, जाने-माने सामाजिक सेवा कार्यकर्ता रतनलाल जैन, भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कमांडर सुथराम सुरेश और दीपचंद बरडिया जैन भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

स्वागत और प्रेरणादायक उद्बोधन

कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा किए गए पारंपरिक स्वागत से हुआ, जिसने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। सभी अतिथियों को सम्मानपूर्वक पारंपरिक पगड़ी, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधनों में, अतिथियों ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने, पूरी लगन और समर्पण के साथ पढ़ाई करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने छात्रों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

सामग्री वितरण और सम्मान

भोजन के उपरांत, उपस्थित अतिथियों ने छात्रों को किताबें और स्टेशनरी सामग्री वितरित की। यह वितरण शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के ट्रस्ट के उद्देश्य को दर्शाता है। श्री श्रीनिवास, जो स्कूल के संवाददाता हैं, ने मेधावी छात्रों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्या श्रीमती नेड्डुरी अरुणा और अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।

श्री कृपा मार्केट होलसेल एवं रिटेल मर्चेंट एसोसिएशन की सावन की सैर कल

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कृपा मार्केट होलसेल एवं रिटेल मर्चेंट एसोसिएशन द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर बापटला के चिराला बीच और रिसोर्ट में एक विशेष सावन की सैर टूर का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर 2 अगस्त 2025 को शुरू होगा और आंध्र प्रदेश के खूबसूरत समुद्र तट पर भक्तों और यात्रियों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करेगा।

टूर की शुरुआत 2 अगस्त 2025 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से रात्रि 10:00 बजे ट्रेन संख्या 12710 (सिंहपुरी एक्सप्रेस) के माध्यम से होगी। वापसी यात्रा 3 अगस्त 2025 को चिराला रेलवे स्टेशन से रात्रि 9:00 बजे ट्रेन संख्या 12709 (सिंहपुरी एक्सप्रेस) द्वारा हैदराबाद के लिए होगी। यह यात्रा प्रतिभागियों को चिराला बीच और रिसोर्ट की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का अवसर प्रदान करेगी।

यात्रा के टिकट का विमोचन श्री वेंकटेश ट्रेडिंग कंपनी, परसराम उपाध्याय के प्रतिष्ठान पर एक समारोह में किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिससे इस आयोजन की शुरुआत उत्साहपूर्ण रही।यात्रा से संबंधित अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए- चिक्का चंद्रमोहन, दीपक मोदी, परसराम उपाध्याय, सुरेंद्र रेड्डी, विकास जैन, नितेश अग्रवाल एवं नरसिम्हा से संपर्क किया जा सकता है।

कवि गोष्ठी में नवोदित प्रवाह पर सारगर्भित व विचारोत्तेजक चर्चा सम्पन्न

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-335 का आयोजन विचारोत्तेजक और सारगर्भित ढंग से मोज़मजाही मार्केट स्थित समाज सेवी डॉ. मोहन गुप्ता के आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नास्टिक सेंटर के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद में संपन्न हुआ। गीत चाँदनी का यह 44वाँ वर्ष चल रहा है। गीत चाँदनी के सह-कोषाध्यक्ष श्री ठाकुर दिनेश सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और संस्था की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने आलोच्य पत्रिका का परिचय देते हुए बताया कि देहरादून (उत्तराखंड) की हिंदी साप्ताहिक नवोदित प्रवाह पाँच वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही है। पत्रिका के अंक : 6, 23 जुलाई, 2025 के अंक में प्रकाशित रचनाओं पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकार चर्चा कर रहे हैं। इस पत्रिका के संपादक : रजनीश कुमार त्रिवेदी, संयुक्त संपादक : डॉ. रेणु पंत, समाचार संपादक : रश्मि आलोक हैं। मूल्यांकन गोष्ठी में हैदराबाद के विद्वान साहित्यकार श्री ठाकुर दिनेश सिंह, संत कुमार मंडल जागृति, रत्नकला मिश्र, उमेश चंद श्रीवास्तव आदि ने अपने-अपने मूल्यांकन प्रस्तुत किये।

मूल्यांकन चर्चा को आरंभ करते हुए युवा कवि संत कुमार मंडल ने डॉ. देवकीनंदन शर्मा, ममता तिवारी मृदुल, सोनम मंजू श्री ओमर की कविताओं को अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि माना। व्याकरण की दृष्टि से भी समृद्ध कविताओं के रुप में रेखांकित किया।

वरिष्ठ कवि उमेश चंद श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. मधु प्रधान, आलोकेश्वर चांडाल, प्रतिभा सिंह और जयकुमार भारद्वाज की कविताओं में प्रकृति का सुंदर चित्रण है। वर्षा ऋतु की मधुर ध्वनि, पेड़-पौधों की महक का सार्थक वर्णन किया गया है।

कवयित्री रत्नकला मिश्र ने कहा कि प्रेम की पीड़ा को अभिव्यक्ति देने वाला महाकाव्य पद्मावत नारी प्रधान महाकाव्य है। इसमें प्रेम को महत्व दिया गया है। इसमें स्त्री और पुरुष के प्रेम की गहराई है। प्रेम का आनोखा संबंध है।

अध्यक्षीय टिप्पणी में ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा कि नवोदित प्रवाह में बहुत ही विचारोत्तेजक सामग्री प्रकाशित हुई है। जनहीत और राष्ट्रहीत में रचनाकारों को लेखन करना चाहिए। लोकगीतों से हमें जुड़ने की आवश्यकता है।

विशेष अतिथि श्री श्रुतिकांत भारती ने कहा कि गीत चाँदनी की मूल्यांकन गोष्ठियाँ वास्तव में लाजवाब हैं क्योंकि साहित्यिक पत्रिकाओं पर इस प्रकार की गोष्ठियाँ देशभर में देखने को नहीं मिलती है। इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय के कविगण देश की समसामयिक समस्याओं, श्रृंगार, वीर रस, हास्य व्यंग्य की कविताएँ और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत और ग़ज़लें प्रस्तुत कर एक समाँ बाँध दिया और श्रोताओं से ख़ूब वाहवाही लूटी। गीत चाँदनी के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। श्री विश्वनाथ पेंढारकर, श्री बंसीलाल आदि ने भी कार्यक्रम को गौरवान्वित बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

समाजसेवी और जीवदया प्रेमी रिद्धिश रमेश जागीरदार नेशनल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रमुख समाजसेवी और जीवदया प्रेमी जैन युवा रत्न ऋद्धिश रमेश जागीरदार को बुधवार, 27 जुलाई 2025 को नॉर्थ दिल्ली कल्चरल एकेडमी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 'नेशनल अवॉर्ड 2025' से सम्मानित किया गया।चिकड़पल्ली स्थित त्यागराया गान सभा में आयोजित एक विशेष समारोह में, पूर्व केंद्रीय मंत्री वेणुगोपालाचारी, जस्टिस अमरनाथ गौड़, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमतभाई पटेल, तिरुमल तिरुपति देवस्थानम हिंदू धर्म प्रचार बोर्ड के सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, और वंडर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटर बिंगी नरेंद्र गौड़ के कर-कमलों से उन्हें यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्रदान किया गया।इस अवसर पर ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन के मुकेश चौहान, विख्यात हैंड राइटिंग एक्सपर्ट डॉ. समिता पंड्या आदि सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि ऋद्धिश जागीरदार एक जाने-माने समाजसेवी और जीवदया प्रेमी कार्यकर्ता हैं। वे अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं, जिनमें मुख्य रूप से:

-लव फॉर काऊ फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी
-ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन
-हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट एस.पी.सी.ए. के सदस्य
-श्री गुजराती सेवा मंडल सिकंदराबाद एवं श्री गुजराती प्रगति समाज हैदराबाद के सदस्य
-श्री कच्छी मित्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य
-हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य
-अखिल भारत गुजराती समाज, आ.प्र. गुजराती समाज, श्री जीव रक्षा ज्ञान प्रचारक मंडली के मानद सचिव
-नारायण सेवा संस्थान के प्रचार प्रसार संयोजक
-भारतीय जैन संगठन, ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन, जैन माइनॉरिटी काउंसिल आदि जैसी करीब 80 से भी ज्यादा संस्थाओं में वे सक्रिय रूप से जुड़कर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। ऋद्धिश जागीरदार को उनके सेवा कार्यों के लिए कई राष्ट्रीय एवं स्थानीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

टी. गोविंद सिंह आज बैंगलोर में हिंदी शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे

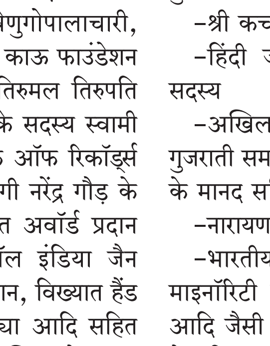

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) के विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी) के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, टी. गोविंद सिंह, आज शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025 को बैंगलोर में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे।यह प्रस्तुति अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा एवं तकनीकी संगोष्ठी में होगी, जिसका आयोजन सेमिलाक, बैंगलोर और डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। गोविंद सिंह संगोष्ठी के प्रथम सत्र में अनुसंधान एवं प्रबंधन कार्यों में राजभाषा की उपस्थिति विषय पर अपना शोध-पत्र प्रस्तुत करेंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना PUB/0930

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से **22.08.2025 को प्रातः 11.30** बजे तक खुली निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांक 31.07.2025

क्रम. सं.: 1, निविदा सं.: Y/SG/ 36/ 2025-26/17, कार्य का नाम: हैदराबाद मंडल, हैदराबाद मंडल के एससी डीएचएनई खंड में 7 स्टेशनों (अर्थात, केक्यूक्यू, मरीखल, डीकेसी, एमक्यूएन, एमबीएमआर, डीटीपी और जेसीएल) पर आरडीएसओ/ आरडीपीएमएस/ एफआरएस/ 2025 संस्करण 1.0 या नवीनतम संस्करण के अनुसार रिमोट डायग्नोस्टिक और पूर्वानुमानित रखरखाव प्रणाली (आर डी पी एमएस) का प्रावधान और 4-मध्य खंड इंटरलॉक्ड एलसी गेट संख्या 60, 60ए, 61 और 70। **अनुमानित मूल्य** (₹): 6,41,49,620.56, **पूधरा** (₹): 4,70,800.00

वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/हैदराबाद

निविदा सूचना सं.: एनईडी/ई-08, 09, 10 और 11/2025-26, दि. 29.07.2025 PUB/0931

निम्नलिखित **ई-निविदाओं** के लिए **www.ireps.gov.in** पर प्रस्ताव आमंत्रित हैं।

क्रम सं.: 1, NED/E-08/2025-26, कार्य का नाम: रोटेगांव स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने हेतु प्लेटफार्म के ऊपर कवर का विस्तार, विद्युत व्यवस्था, **अनुमानित लागत:** ₹ 25,12,679.50, **बोली सुरक्षा:** ₹50,300.00, **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **समापन अवधि:** 12 महीने, उपलब्ध: www.ireps.gov.in, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अधीन, **समापन तिथि और समय:** 20.08.2025 को 15:00 बजे।

क्रम सं.: 2, NED/E-09/2025-26, कार्य का नाम: कवर का विस्तार सेलू स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने के लिए ओवर प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार, विद्युत व्यवस्था, **अनुमानित लागत:** ₹20,58,845.50, **बोली सुरक्षा:** ₹41,200.00, **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **पूरा होने की अवधि:** 12 महीने, उपलब्ध: www.ireps.gov.in, नांदेड़ डिवीजन प्रशासन के अधीन, **समापन तिथि और समय:** 20.08.2025 को 15:00 बजे।

क्रम सं.: 3, NED/E-10/2025-26, कार्य का नाम: परतुर स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने के लिए ओवर प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार, विद्युत व्यवस्था, **अनुमानित लागत:** ₹ 22,38,370.50, **बोली सुरक्षा:** ₹44,800.00, **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **पूरा होने की अवधि:** 12 महीने, उपलब्ध: www.ireps.gov.in, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अधीन, **समापन तिथि और समय:**20.08.2025 को 15:00 बजे।

क्रम सं.: 4, NED/E-11/2025-26, कार्य का नाम: मन्वथ रोड स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मों की पूरी लंबाई को कवर करने हेतु प्लेटफार्म के ऊपर कवर का विस्तार, विद्युत व्यवस्था, **अनुमानित लागत:** ₹ 16,69,089.00, **बोली सुरक्षा:** ₹33,400.00, **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **समापन अवधि:** 12 महीने, उपलब्ध: www.ireps.gov.in, नांदेड़ मंडल प्रशासन के अधीन, **समापन तिथि और समय:**20.08.2025 को 15:00 बजे।

निविदा दस्तावेज़, पात्रता मानदंड, विशेष शर्तें आदि के विवरण के लिए, ऊपर उल्लिखित हमारी वेबसाइट देखें। यह सलाह दी जाती है कि पहले जाँच लें कि क्या कोई शुद्धिपत्र ऑनलाइन प्रकाशित हुआ है। प्रस्ताव प्रस्तुत करना।

मंडलीय रेल प्रबंधक (विद्युत), नांदेड़
A1147

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Pambhau F/o Peharkar Ganesh Rambhau, R/o RM 235-02, Jay Bhawani Chowk, Balaji Nagar, Wadgaon Kolhati, Aurangabad, M.H-431136, have changed my name from PAMBHAU to RAMBHAU TULSIRAM PEHARKAR & DOB from 3-7-1946 to 1-1-1943 vide affidavit dt.31-7-2025, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME & DOB
I, Shantabai M/o Peharkar Ganesh Rambhau, R/o RM 235-02, Jay Bhawani Chowk, Balaji Nagar, Wadgaon Kolhati, Aurangabad, M.H-431136, have changed my name from SHANTABAI to SHANTABAI RAMBHAU PEHARKAR & DOB from 3-7-1951 to 1-1-1948 vide affidavit dt.31-7-2025, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME
I, RUKAMA mother of Service No JC 701036X Sub (NT) RAM DEV SAD, R/o. Vill and Po:Dujar, Teh:Ladnun, Dist:Nagaur, Rajasthan-341306 have changed my name from RUKAMA to RUKHAMA DEVI vide affidavit dt:16-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, ACCHI MURTAIAH father of Service No.JC 442281W Sub SUDHAKAR RAO ATCHI, Resident of H.No.4-195, Vill and PO:Punuru, Teh:YeddanaPudi, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523161 have changed my name and DOB from MOORTHAIAH, DOB:08-05-1955 to ACCHI MURTAIAH, DOB: 01-01-1961 vide affidavit dt:26-7-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No 15169947F Hav BARNELA BALAMADDIETI, Resident of H.No.2-98, Vill:Thimmapuram, PO:Cherukucherla, Teh:Miduthur, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518405 have changed my name from BARNELA BALAMADDIETI to BARNELA BALAMADDILETI vide affidavit dt:31-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15169947F Hav BARNELA BALAMADDIETI, Resident of H.No.2-98, Vill:Thimmapuram, PO:Cherukucherla, Teh:Miduthur, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518405 hereby declare that my son name is to be changed from YATHISH KUMAR to BARINELA YATHISH KUMAR vide affidavit dt:31-7-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14684137H, Rank-NK, Name-S Gurusamy Residing at Vill&PO-Keelarajakularaman,Teh-Rajapalayam, Distt-Virudhunagar,PIN-626136, State-Tamilnadu. I have changed my father name from P SENTHILVEL to SENTHIVEL PALANI and also date of birth changed from 01/07/1960 to 23/07/1963 Affidavit dated 29 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14684137H, Rank-NK, Name-S Gurusamy Residing at Vill& PO-Keelarajakularaman,Teh-Rajapalayam, Distt-Virudhunagar,PIN-626136, State-Tamilnadu. I have changed my Mother name from S BABBA to S PAPPA and also date of birth changed from 01/07/1966 to 01/01/1967 Affidavit dated 29 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-777378Y, Rank-Sub, Name-Vijay Kumar Residing at Vill-Chhameri Patti,Janauri,PO-Janauri, Distt-Hoshiarpur, PIN-144209,State-Punjab. I have changed my Son name from SHIV PRATAP SINGH JARIAL to SHIV PRATAP SINGH Affidavit dated 31 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-777378Y,Rank-Sub, Name-Vijay Kumar Residing at Vill-Chhameri Patti,Janauri,PO-Janauri, Distt-Hoshiarpur, PIN-144209, State-Punjab. I have changed my Son name from SHUBH PRATAP SINGH JARIAL to SHUBH PRATAP SINGH Affidavit dated 31 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-771062W, Rank-Sub, Name-Mithun Biswas Residing at Vill & PO-Kastadanga,Teh-Kalyani, Distt-Nadia, PIN-741257,State-West Bengal. I have changed my Father name from RANAJIT BISWAS to RANJIT BISWAS and also date of birth changed from 01/07/1962 to 01/01/1958 Affidavit dated 31 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-771062W, Rank-Sub, Name-Mithun Biswas Residing at Vill & PO-Kastadanga,Teh-Kalyani, Distt-Nadia, PIN-741257,State-West Bengal. I have changed my Mother name from SHUMITRA BISWAS to SUMITRA BISWAS and also date of birth changed from 01/07/1967 to 01/01/1966 Affidavit dated 31 Jul 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Ex-Service No 14582674A, Rank- Ex-NK, MUNI RATHNAM, S/O A. KRISHNAIAH, R/o H.No:- 5-1-87/2/A/4, Siddartha Nagar, Sangareddy, Telangana, PIN-502001. I have to change my Wife name & Date of Birth from HELEN PRIYA DARSHANI (DOB:13-08-1969) to M HELEN PRIYADARSHINI (DOB:09-10-1965) for all purpose vide affidavit dated: 25/07/2025.

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना
सं.26-2025 दि. : 30/07/2025 PUB/0928

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडलीय अभियंता/समन्वय/गुंतकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। **अंतिम तिथि एवं समय: 26.08.2025, अपराह्न 3:00 बजे।**

क्रम.सं 1, निविदा सं.: इंजीनियरिंग-जीटीएल-पश्चिम-1892, कार्य विवरण: गुंतकल प्रभाग:- डीएमएम-जीवाई, केपीडी-टीपीटीवाई एवं डीएमएम-पीएके खंड: एसडब्लू-1:- सीटीआर(पी) 8.341 टन किमी, टीआरआर(पी) 12.623 टन किमी, टीएसआर(पी) 6.300 टन किमी। SW-II:- TFR(-II)- 70.004 किमी SW-III:- TTR/TTRR-111 सेट (FS+TWS+WCMSC)- 07 सेट, (TWS+WCMSC)- 22 सेट और (WCMSC)- 82 सेट) DEN/पश्चिम/GTL क्षेत्राधिकार के अंतर्गत (स्थान अनुलग्नक के अनुसार), **विज्ञापित मूल्य** ₹ : 4,14,14,059.04, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 3,57,100.00

क्रम.सं 2, निविदा सं.: इंजीनियरिंग-GTL-पश्चिम-1893, कार्य का विवरण: GTL डिवीजन: DMM-GY, DMM-P-K और KPD-TPTY खंड:- SW-1:- CTR(P) यात्री रनिंग लूप लाइनों पर 5.782 किमी. एसडब्लू-II:- सीटीआर(एस)- 3.097 किलोमीटर लंबाई के लिए गैर यात्री लूप लाइनें एसडब्लू-III:- टीबीआर(बीसीएम) 39.584 टीकेएम लंबाई के लिए बीसीएम द्वारा सादे ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग। दक्षिण-पश्चिम-IV:- (टीबीआर (एल.एल)- 23.960 टीकेएम लंबाई के लिए मैनुअल द्वारा लूप लाइनों की डीप स्क्रीनिंग। दक्षिण-पश्चिम:- टीबीआर (पी एंड सी)- पॉइंट्स और क्रॉसिंग की डीप स्क्रीनिंग- डीईएन/पश्चिम/जीटीएल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 72, **विज्ञापित मूल्य** ₹ : 5,68,12,001.01, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 4,34,100.00

क्रम.सं 3, निविदा सं.: इंजीनियरिंग-जीटीएल-दक्षिण-1894, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन: 8.5 में 1, 12 में 1 और 16 में 1 (60 किग्रा/52 किग्रा/90 आर रेल सेक्शन) के घिसे हुए सीएमएस क्रॉसिंग की आरडीएसओ अनुमोदित ट्रांसलैमैटिक रोबोटिक तकनीक/आरडीएसओ अनुमोदित एच-3सी श्रेणी वेल्डिंग इलेक्ट्रोड के साथ प्रस्तावित इन-सीटू रीकंडीशनिंग और घिसे हुए सीएमएस क्रॉसिंग की रीकंडीशनिंग। सीनियर डीईएन/दक्षिण/जीटीएल क्षेत्राधिकार में आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित एच-3सी श्रेणी वेल्डिंग इलेक्ट्रोड सहित 8.5 इंच, 1 इंच 12 इंच और 1 इंच 16 इंच (60 किग्रा/52 किग्रा/90 आर रेल सेक्शन) की टंग रेल (स्विच घुमावदार/सीधे)। **विज्ञापित मूल्य** ₹ : 52,50,683.75, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ :1,05,000.00

क्रम.सं 4, निविदा सं.: इंजीनियरिंग-जीटीएल-दक्षिण-1895, कार्य विवरण: गुंतकल प्रभाग: 1. केएमएच-एमओओ के बीच अप और डाउन मुख्य लाइनों Ch: 307/400-308/400 और 310/0-312.300 और Ch: 304/0-305/7 के बीच एमयूएम-केडीपी के बीच कुल लंबाई में केंद्रीय नाले का निर्माण। 5000 मीटर। 2. Y--KMH-MOO-MUM स्टेशनों के बीच सभी प्रमुख और लघु पुलों पर गिट्टी अवरोधक दीवार का निर्माण। **विज्ञापित मूल्य** ₹ :3,73,94,064.55, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 3,37,000.00

क्रम.सं 5, निविदा सं.: इंजीनियरिंग-GTL-दक्षिण-1896, **कार्य विवरण:** गुंतकल प्रभाग: 1. ADEN/HX उप प्रभाग के SSE/P.Way/HX खंड में KNLP-HX पर अप और डाउन लाइन के बीच किमी 253/250-255/360, किमी 256/100-240 पर केंद्रीय नाले का निर्माण। 2. HX-KPU खंड में पुल संख्या 513, 533 और 537 के पहुँच मार्गों पर अप और डाउन लाइन के बीच केंद्रीय नाले का निर्माण। एडीईएन/एचएक्स सब डिवीजन के एसएसई/पी.वे/एचएक्स सेक्शन। 3. एडीईएन/एचएक्स सब डिवीजन के एसएसई/पी.वे/एचएक्स सेक्शन के तहत केपीयू-जीपीवाई सेक्शन में पुल संख्या 548 और 550 के पहुंच बिंदुओं पर यूपी और डीएन लाइन के बीच सेंट्रल ड्रेन का निर्माण। 4. एडीई एन/एच सब डिवीजन के एसएसई/पी.वे/एचएक्स सेक्शन के तहत केकेएम-वाईजीडी सेक्शन में किमी: 287/610-288/101 और 288/175-620 पर पुल संख्या 598 के पहुंच बिंदुओं पर यूपी और डीएन लाइन के बीच सेंट्रल ड्रेन का निर्माण। 5. Ch: 247/600-248/000 पर पास के ट्रैक का उल्लंघन किए बिना 0.03 घन मीटर से कम आकार के पत्थरों या बोल्डर वाली मिट्टी सहित कठोर मिट्टी में कटाई में मौजूदा संरचना को चौड़ा करने के लिए उत्खनन, एडीईएन/एचएक्स सब डिवीजन के एसएसई/पी.वे/एचएक्स सेक्शन में डीएन लाइन (एलएच और आरएच), Ch: 247/690-920 अप लाइन (एलएच और आरएच), Ch: 248/550-770 अप लाइन (एलएच और आरएच), Ch: 248/550-770 डीएन लाइन (आरएच)। 6. एडीईएन/एचएक्स सब डिवीजन के एसएसई/पी.वे/एचएक्स सेक्शन में Ch: 251/470-700 अप लाइन (एलएच) और Ch: 251/470-700 डीएन लाइन (आरएच) पर 0.03 घन मीटर से कम आकार के पत्थरों या बोल्डर वाली मिट्टी सहित कठोर मिट्टी में कटाई में मौजूदा संरचना को चौड़ा करने के लिए खुदाई, जिसमें पास के ट्रैक का उल्लंघन किए बिना हैकिंग के लिए पिक्स या क्रॉबर की आवश्यकता होती है।, **विज्ञापित मूल्य** ₹ : 6,78,82,283.58, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ :4,89,400.00)

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

मंडलीय रेल प्रबंधक/वर्क्स/गुंटकल

ई-निविदा सूचना संख्या 469/ डीआरएम/ डब्ल्यू/जीएनटी दि. 30.07.2025 PUB/0929

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लिखित कार्यों के लिए 25.08.25 को अपराह्न 3:30 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्रम.सं. 1, निविदा आईडी: 2798, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** उत्तर, **कार्य कज्ञ विवरण:** दक्षिण-पश्चिम-I: एडीईएन/ उत्तर/ जीएनटी क्षेत्राधिकार के एसएसई/पी.वे/एनजीएनटी अनुभाग में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। दक्षिण-पश्चिम-II: एडीईएन/ उत्तर/ जीएनटी क्षेत्राधिकार के एसएसई/ पी.वे/एसएपी अनुभाग में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। दक्षिण-पश्चिम-III: एसएसई/ पी.वे/एसएपी अनुभाग में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। एडीईएन/ उत्तर/जीएनटी क्षेत्राधिकार का वे/ पीजीआरएल खंड, **अनुमानित मूल्य** ₹ : 3,01,56,812.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 3,00,800.00

क्रम.सं. 2, निविदा आईडी: 2799, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** उत्तर, **कार्य का विवरण:** दक्षिण-पश्चिम-I: एडीईएन/ एनएलडीए क्षेत्राधिकार के एसएसई/ पी.वे/एनडीकेडी खंड में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। SW-II: ADEN/NLD क्षेत्राधिकार के SSE/ P.Way/ CTYL खंड में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य, **अनुमानित मूल्य** ₹ : 1,43,12,963.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 2,21,600.00

क्रम.सं. 3, निविदा आईडी:2800, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** पश्चिम, **कार्य का विवरण:** SW-I:- ADEN/पश्चिम/GNT क्षेत्राधिकार (SSE/P.Way/ GNT, NLPD, VKN खंड) में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। SW-II:- -ADEN/पश्चिम/GNT खंड में रेलों के लिए संक्षारण निवारण उपाय। **अनुमानित मूल्य** ₹ : 4,53,74,918.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 3,76,900.00

क्रम.सं. 4, निविदा आईडी: 2801, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** पश्चिम, **कार्य का विवरण:** SW-I:-ADEN/NDL क्षेत्राधिकार (SSE/ P.Way/ MRK, GID, NDL(G) खंड) में सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। SW-II:- -DEN/NDL खंड के यार्डों में पटरियों के लिए संक्षारण निवारण उपाय। **अनुमानित मूल्य** ₹ :2,88,02,993.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 2,94,100.00

क्रम.सं. 5, निविदा आईडी: 2802, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** उत्तर, **कार्य का विवरण:** 1) गुंटूर नादिकुडी खंड: ADEN/उत्तर/GNT खंड में TETR द्वारा सेस की कुल लंबाई 6.99 Tkm तक चौड़ीकरण मरम्मत (सेस कार्य: 6643 घन मीटर और टो बैंक: 77148 घन मीटर) 2) गुंटूर-तेनाली खंड: TFTR - gog की कुल लंबाई 6.99 ढ्ढा तक चौड़ीकरण मरम्मत 21.87 टी.कि.मी., जिसमें एडीईएन/ उत्तर/जीएनटी खंड में केंद्रीय नाले (800 मीटर) का प्रावधान शामिल है (सेस कार्य: 72222 घन मीटर और टो बैंक: 60898 घन मीटर) 3) तेनाली-रेपल्ले खंड: एडीईएन/ उत्तर/जीएनटी खंड में कुल 11.00 टी.कि.मी. लंबाई के लिए टीएफटीआर चौड़ीकरण/सेस की मरम्मत (सेस कार्य: 28675 घन मीटर), **अनुमानित मूल्य** ₹ :7,97,56,320.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 5,48,800.00

क्रम.सं. 6, निविदा आईडी: 2803, **वरिष्ठ डीईएन/डीईएन अनुभाग:** पश्चिम, **कार्य का विवरण:** एडीईएन/पश्चिम/जीएनटी खंड में केंद्रीय नाले (1465 मीटर) का प्रावधान शामिल है (सेस कार्य: 60905 घन मीटर, टो बैंक: 51390 घन मीटर), **अनुमानित मूल्य** ₹ : 4,78,54,151.00, **पूर्व धरोहर राशि** ₹ : 3,89,300.00

1. ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 25.08.2025 को दोपहर 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें।

2. किसी भी अन्य सूचना/शुद्धिपत्र की सूचना ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दी जाएगी।

मंडलीय रेल प्रबंधक (निर्माण), गुंटूर
A1144

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

यादाद्रि भुवनगिरि में मवेशियों के टीकाकरण पर जोर

कलेक्टर हनुमंत राव ने किया निरीक्षण

यादाद्रि भुवनगिरि, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादाद्रि भुवनगिरि के जिला कलेक्टर हनुमंत राव ने जिले में पशुधन को नील जिह्वा (ब्लूटूथ) और खुरपका-मुंहपका (फुट-एंड-माउथ) जैसी बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने गुरुवार को यादगिरिगुट्टा मंडल के वंगापल्ली गाँव में आयोजित एक निःशुल्क नील जिह्वा टीकाकरण शिविर का औचक निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने बताया कि 29 जुलाई 2025 से 08 अगस्त 2025 तक राज्य भर में सरकार द्वारा निःशुल्क थूथन सूजन टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बरसात के मौसम को देखते हुए, चरवाहों से अपने पशुओं, विशेषकर भेड़ों को, बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए टीका लगवाने का आग्रह किया।

कलेक्टर राव ने वंगापल्ली गाँव में चरवाहे कोमुरय्या की भेड़ों के टीकाकरण प्रक्रिया का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने पशु चिकित्सकों को समय पर गाँवो का दौरा करने और आवश्यक चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पूरे जिले में नियमित टीकाकरण शिविर आयोजित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी पशुओं का समय पर टीकाकरण हो।

इस दौरान, स्थानीय चरवाहों ने कलेक्टर हनुमंत राव को एक गाय और एक मेमना भेंट कर उनके प्रति अपना सम्मान और आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में जिला पशु चिकित्सा अधिकारी मोतीलाल और विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस पहल से जिले में पशुधन स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलने और किसानों को होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मदनूर में गुरुकुल स्कूल के लिए 2 लाख रुपए के विकास कार्यों का निरीक्षण

मदनूर, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुभ लाभ ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, जिला कलेक्टर आशीष सांगवान द्वारा स्वीकृत 2 लाख रुपये के विकास कार्यों के शुभारंभ की दिशा में आज मंडल अधिकारियों ने बड़ा एकलारा स्थित गुरुकुल स्कूल का निरीक्षण किया।बुधवार को मदनूर मंडल के दौरे पर आए जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने गुरुकुल स्कूल में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की थी। बांसवाड़ा उपजिलाधिकारी किरणमयी के आदेशों का पालन करते हुए, गुरुवार को मंडल तहसीलदार एमडी मुजीब के नेतृत्व में पंचायत राज सहायक अभियंता, विद्युत विभाग सहायक अभियंता और आरडब्ल्यूएस (ग्रामीण जल आपूर्ति) सहायक अभियंता सहित मंडल अधिकारियों की एक टीम ने कार्यस्थल का दौरा किया।

मंडल तहसीलदार एमडी मुजीब ने बताया कि स्वीकृत राशि से छात्रावास के मेस तक बिजली के खंभे लगाने, छात्रों के लिए पानी की कमी दूर करने हेतु बोरवेल लगाने, और छात्रावास के सुरक्षा कर्मचारियों के लिए कमरे बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य शुरू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। यह पहल गुरुकुल स्कूल में छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुविधाओं में सुधार लाएगी।

छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने कहा कि शासकीय जूनियर कॉलेज में छात्रों को सामुदायिक मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। गुरुवार को उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित शासकीय जूनियर कॉलेज का दौरा किया और छात्रों की उपस्थिति और बुनियादी ढाँचे का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए कई पहल कर रही है और छात्रों को सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विशेष कदम उठा रही है। इसी क्रम में, उन्होंने कॉलेज में छात्रों को बिना किसी असुविधा के सुविधाएँ प्रदान करने के साथ-साथ विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षा प्रदान करने और पिछड़े छात्रों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को कॉलेज में किए जाने वाले मरम्मत कार्यों में तेजी लाने और उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। आर.आर. कॉलोनी में बन रहे इंदिराम्मा आवासों के निर्माण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीबों को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से इंदिराम्मा आवास योजना के तहत लाभार्थियों को आवास स्वीकृत किए हैं और लाभार्थियों को नियमानुसार 600 वर्ग फुट क्षेत्रफल में आवास निर्माण का कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा आवास के बिल समय पर उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कदम उठाए जाएँगे।इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

मंचेरियाल में निजी कॉलेज पर गंभीर आरोप

नियमों को ताक पर रख छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ ?

छात्रा की मौत के बाद सवालों के घेरे में प्रशासन

मंचेरियाल, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला मुख्यालय में स्थित एमआईएमएस जूनियर कॉलेज पर छात्रों के भविष्य और जीवन से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप लगे हैं। कॉलेज प्रबंधन कथित तौर पर बिना परमिट वाली इमारतों में कॉलेज चला रहा है, छात्रों को इंटरमीडिएट पूरा करने के तुरंत बाद वहीं से डिग्री लेने के लिए मजबूर कर रहा है, और प्रमाण पत्र जारी करने के लिए मोटी रकम मांग रहा है। हाल ही में एक छात्रा की दुखद मौत ने कॉलेज परिसर में सुरक्षा की कमी और अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही निष्क्रियता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

-ज्ञात हो कि एमआईएमएस जूनियर कॉलेज नियमों के विरुद्ध चल रहा है, जिससे छात्रों को लगातार परेशानी हो रही है। कॉलेज मूल रूप से मंचेरियाल-गोदावरी मार्ग पर स्थित था, लेकिन प्रशासकों ने बाईपास रोड पर एक नए भवन (आईआईटी और एनईईटी परिसर) में स्थानांतरित करने के लिए आवेदन किया। हालांकि, इंटर बोर्ड ने भवन के नियमों को पूरा न करने के आधार पर इसकी अनुमति नहीं दी। इसके बावजूद, कॉलेज प्रबंधन ने बाईपास रोड पर इस अनधिकृत भवन में आईआईटी और एनईईटी जूनियर कॉलेज शुरू कर दिया है, और इंटर के पहले वर्ष की कक्षाएं धड़ल्ले से संचालित की जा रही हैं। यह भी पता चला है कि वेम्पल्ली के उपनगरीय इलाके में एसआरकेएम नर्सिंग कॉलेज गर्ल्स हॉस्टल में एमआईएमएस इंटर द्वितीय श्रेणी के लड़कों का छात्रावास भी चलाया जा रहा है।

_कॉलेज पर आरोप है कि वह इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को वहीं से डिग्री लेने के लिए मजबूर कर रहा है। बात न मानने पर न केवल सर्टिफिकेट देने से मना किया जा रहा है, बल्कि पैसे की भी मांग की जा रही है। प्रबंधन कथित तौर पर छात्रों को केजी से पीजी तक हमारे साथ पढ़ें का वादा कर रहा है और इंटरमीडिएट में दाखिले के साथ ही डिग्री का आश्वासन दे रहा है। यदि छात्र इंटरमीडिएट के बाद दूसरे कॉलेज में शामिल होना चाहते हैं, तो उनसे यह कहकर परेशान किया जा रहा है कि वे अतिरिक्त पैसे देने पर ही टीसी (स्थानांतरण प्रमाण पत्र) जारी करेंगे, क्योंकि वे डिग्री का वादा करके बीच में ही छोड़ रहे हैं।

उतुरी मैत्री नामक छात्रा ने हाल ही में सीधे जिला इंटरमीडिएट अधिकारी (डीआईईओ) से शिकायत की। मैत्री ने 2021-23 शैक्षणिक वर्ष में एमआईएमएस से इंटरमीडिएट पूरा किया था और सभी शुल्क (पहले वर्ष के 10,000 रुपये और दूसरे वर्ष के 12,000 रुपये सहित) का भुगतान किया था। अब जब उन्हें टीएस बी.आर्क (कृषि डिग्री) काउंसलिंग के लिए टीसी की आवश्यकता है, तो कॉलेज संचालक कथित तौर पर 56 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। मैत्री ने 30 जुलाई को डीआईईओ से शिकायत की कि उनकी टीसी को क्रूर तरीके से रोका जा रहा है।

इसी तरह, साई तेजा नामक एक अन्य छात्रा ने 2017-18 में इसी कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की थी। उसने 13 हजार रुपये का भुगतान किया था और रसीद भी प्राप्त की थी, लेकिन कॉलेज अभी भी यह मेमो नहीं दे रहा है कि भुगतान हो गया है, और उसका इंटरमीडिएट का मेमो भी कॉलेज में ही अटका हुआ है।

तेलंगाना तल्ली चौरास्ता में जूनियर कॉलेज के भवन में इंटर की छात्राओं को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है, लेकिन भवन का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इंटर की छात्रा कोथापल्ली सहसरा (18) की हाल ही में गिरकर मौत हो गई क्योंकि तीसरी मंजिल पर, जहां छात्रावास स्थित है, वहां खिड़कियों पर ग्रिल भी नहीं लगाई गई थी। यह घटना कॉलेज में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी को उजागर करती है।यह सवाल उठता है कि जब यह सब हो रहा था, तो अधिकारी इतने लंबे समय से कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई किए बिना क्या कर रहे थे। जिला इंटरमीडिएट शिक्षा अधिकारी (डीआईईओ) अंजैया से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगने पर, उन्होंने स्वीकार किया कि बोर्ड ने उस इमारत को अनुमति नहीं दी थी जहाँ एमआईएमएस आईआईटी और एनईईटी परिसर चलाया जा रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि उस इमारत में अनधिकृत रूप से कक्षाएं और एक छात्रावास भी संचालित किए जा रहे थे। अधिकारियों की यह लंबे समय से चली आ रही चुप्पी और छात्रा की मौत से ठीक एक दिन पहले शिकायत दर्ज होना, उनकी भूमिका पर गंभीर संदेह पैदा करता है। इस पूरे मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि छात्रों के भविष्य और सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

लाभार्थी बढ़िया चावल का सदुपयोग करें : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि लाभार्थी सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सस्ती दरों की दुकानों के माध्यम से राशन कार्ड धारकों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे बढ़िया चावल का सदुपयोग करें। गुरुवार को जिले के सिरपुर-यू मंडल के महागांव रायथु वेदिका में जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव और कृषि बाजार समिति अध्यक्ष कुदमेथा विश्वनाथ ने सिरपुर-यू और लिंगापुर मंडलों के नए राशन कार्ड स्वीकृति दस्तावेजों के वितरण कार्यक्रम में भाग लिया और लाभार्थियों को दस्तावेज सौंपे। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार सभी पात्र लोगों को राशन कार्ड उपलब्ध कराएगी और इसी क्रम में, लाभार्थियों को सस्ती दरों की दुकानों के माध्यम से राशन

कार्ड धारकों को उपलब्ध कराए जा रहे बढ़िया चावल का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार ने लोक प्रशासन कार्यक्रम के तहत नए राशन कार्ड और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के लिए प्राप्त आवेदनों की मैदानी स्तर पर जाँच की है और पात्र गरीबों को राशन कार्ड प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सिरपुर-उ मंडल को 241 नए राशन कार्ड, लिंगापुर मंडल को 304 नए राशन कार्ड और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के साथ 25 राशन कार्ड अनुदान दस्तावेज़ प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी और जो लोग पात्र हैं, लेकिन अभी तक उन्हें राशन कार्ड नहीं मिले हैं और उन्होंने राशन कार्ड में परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के लिए मी सेवा केंद्रों में आवेदन किया है, उनकी जाँच संबंधित तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी करेंगे और पात्र लोगों को कार्ड जारी करने के लिए कदम उठाएँगे। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि सस्ती दरों की दुकानों के माध्यम से राशन कार्ड लाभार्थियों को मुफ्त में उपलब्ध कराया जाने वाला बढ़िया चावल कहीं और न चला जाए।

इससे पहले, उन्होंने मंडल केंद्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया और बाह्य रोगी रजिस्टर, दवा भंडारण कक्ष, वार्डों और अस्पताल के परिवेश का निरीक्षण किया और इलाज के लिए आए छात्रों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की जाएँ और चूँकि बरसात का मौसम है, इसलिए लोगों को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और कर्मचारी समय पर अपनी ड्यूटी पर रहें और अस्पताल आने वाले लोगों को चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करें।

श्री चैतन्या पाठशाला, जहीराबाद में प्रेमचंद जयंती का भव्य आयोजन

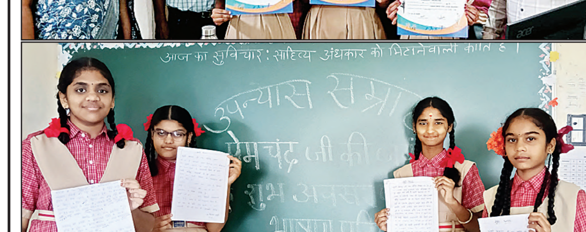

जहीराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

श्री चैतन्या पाठशाला में आज हिंदी साहित्य के महान लेखक और 'उपन्यास सम्राट' मुंशी प्रेमचंद की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर, छात्रों ने उनकी साहित्यिक विरासत को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान, प्रेमचंद जी के जीवन और साहित्य पर आधारित निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली विजेता छात्राओं को पाठशाला के प्राचार्य मुरली प्रसाद द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

इस शुभ अवसर पर, पाठशाला के डीन वेंकट, हिंदी शिक्षिका श्रीमती राजेश्वरी, और शिक्षक व कवि प्रभाकर भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को प्रेमचंद के आदर्शों और उनके लेखन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह आयोजन छात्रों को हिंदी साहित्य और अपने महान लेखकों से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

दमरे नांदेड मंडल के डीआरएम ने किया किनवट रेलवे स्टेशन का दौरा

किनवट, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड मंडल प्रबंधक (डीआरएम) प्रदीप कामले ने गुरुवार को अपनी स्पेशल निरीक्षण यान से नांदेड - आदिलाबाद का दौरा कर रेलवे से संबंधित कार्यों का जायजा लिया। इस दौरे के दौरान डीआरएम प्रदीप कामले किनवट रेलवे स्टेशन पर भी रुके, जहाँ उन्होंने पत्रकारों और स्थानीय प्रतिनिधियों से मिलकर रेलवे से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने डीआरएम कामले के समक्ष कई अहम मुद्दे उठाए, जिनमें शामिल हैं: विवादित शिवाजी नगर अंडरब्रिज निर्माण कार्य: इस रुके हुए काम को लेकर चिंता व्यक्त की गई। परली-आदिलाबाद पैसेजर डेमू ट्रेन की असुविधाएँ: यात्रियों ने बताया कि डेमू ट्रेन में यात्रा करना काफी मुश्किल हो गया है, क्योंकि इसमें बैठने की सुविधा पर्याप्त नहीं है, जिससे लंबी यात्रा में परेशानी होती है। साथ ही, शौचालय में गंदगी की समस्या भी उठाई गई। यात्रियों ने डेमू ट्रेन को रद्द कर पुरानी परली-आदिलाबाद पैसेजर गाड़ी को यात्रियों की सुविधा के लिए फिर से शुरू करने की मांग की। आदिलाबाद रेलवे स्टेशन की पिट लाइन का मामला: इस महत्वपूर्ण मुद्दे को भी डीआरएम के संज्ञान में लाया गया। डीआरएम प्रदीप कामले ने इन सभी समस्याओं पर सकारात्मक जवाब दिया। उन्होंने बताया कि पिट लाइन का निर्माण कार्य जारी है। शिवाजी नगर अंडरब्रिज निर्माण कार्य के लिए नया टेंडर जारी किया जाएगा।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इन समस्याओं को लेकर इस क्षेत्र के सांसद और रेल यात्री संगठन अपनी आवाज उठाएंगे, तो रेल विभाग उन्हें प्राथमिकता देगा।इस अवसर पर किनवट रेलवे स्टेशन पर पूर्व नगराध्यक्ष के. मूर्ती अण्णा, गोकुल भवरे, कचरू जोशी, विश्वास कांबले, मनोज तिरमनवार सहित कई स्थानीय गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। डीआरएम प्रदीप कामले के साथ रेल विभाग के विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।उन्होंने आदिलाबाद से नांदेड के बीच दौरे में रेलवे स्टेशनों और अमृत भारत योजना के तहत चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया। किनवट स्टेशन पर स्टेशन मास्टर एम. अताऊल्लाखान और रेल पुलिस भी इस दौरान उपस्थित थे। यह निरीक्षण क्षेत्र में रेल सेवाओं के सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंचेरियाल कॉलेज में गिरने से 17 वर्षीय छात्र की मौत

जनता और छात्र समूहों ने 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की मांग की

मंचेरियाल, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

एक निजी जूनियर कॉलेज की इमारत से कथित तौर पर गिरने से घायल हुई 17 वर्षीय लड़की की कल रात करीमनगर के एक अस्पताल में ले जाते समय मौत हो गई।पुलिस के अनुसार कॉलेज में इंटरमीडिएट बीआईपीसी द्वितीय वर्ष की छात्रा कोथापेल्ली शिरीषा रात करीब 8 बजे सीढ़ियों से फिसलकर गिर गई जिससे उसके पैरों और हाथों में चोटें आई उसे पहले मंचेरियल के एक अस्पताल ले जाया गया लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे करीमनगर रेफर कर दिया गया रात करीब 10 बजे अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई शिरीषा लक्सेटीपेट कस्बे की रहने वाली थी और रमेश की सबसे बड़ी बेटी थी उसके माता-पिता ने आरोप लगाया है कि कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही के कारण उसकी मौत हुई हालांकि सूत्रों का कहना है कि शिरीषा हॉस्टल में रहने को तैयार नहीं थी और हो सकता है कि उसने यह आत्मघाती कदम उठाया हो मंगलवार दोपहर को जब से उसे हॉस्टल में छोड़ा गया था तब से वह उदास दिख रही थी उसने पिछले साल करीमनगर स्थित एक अन्य निजी कॉलेज द्वारा संचालित हॉस्टल खाली कर दिया था और हाल ही में इस संस्थान में आई थी यह घटना मंचेरियाल स्थित तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज (टीएसआरडीसी) फॉर गर्ल्स में दो अन्य छात्राओं की आत्महत्या की घटना के कुछ सप्ताह बाद हुई है 24 जून की रात डिग्री की छात्रा कुमारी स्वप्ना (19) अपने छात्रावास की इमारत से कथित तौर पर कूदने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई 27 जून को हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई इससे पहले 24 अप्रैल को टीएसआरडीसी की एक और द्वितीय वर्ष की छात्रा लक्ष्मी प्रसन्ना (19) की कथित तौर पर अपने छात्रावास की इमारत से कूदने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी उसकी मौत के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और उसके परिवार वालों ने न्याय की मांग को लेकर धरना दिया प्रसन्ना भीमिनी मंडल के जगय्यापेट गाँव की रहने वाली थी।

अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा की सावन की सैर का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 31 जुलाई 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा द्वारा 27 जुलाई 2025, रविवार को इब्राहिमपट्टनम में आयोजित सावन की सैर बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस आयोजन में शाखा के लगभग 200 सदस्यों ने परिवार सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों का आनंद उठाया।

सैर के दौरान झूले, वाटर राइड, स्विमिंग, आउटडोर गेम्स, एडवेंचर गतिविधियाँ और तम्बोला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन में स्वादिष्ट नाश्ता, दोपहर का भोजन, हाई-टी और रात्रिभोज की शानदार व्यवस्था की गई, जिसने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष अपने परिवार के साथ उपस्थित रहे।

शाखा द्वारा उनका विशेष सम्मान किया गया। सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की और आयोजन की सफलता के लिए अपना भरपूर योगदान दिया।

यह सावन की सैर न केवल मनोरंजन और उत्साह का अवसर थी, बल्कि अग्रवाल समाज दिलसुखनगर शाखा की सामुदायिक एकता और सक्रियता को भी दर्शाती है। इस आयोजन ने समाज के सदस्यों को एक-दूसरे के साथ समय बिताने और सामाजिक बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

शाखा के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों के सहयोग से यह आयोजन यादगार बन गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज और आपसी भाईचारे के माहौल के साथ हुआ। यह आयोजन अग्रवाल समाज तेलंगाना की सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में दिलसुखनगर शाखा के योगदान को और सशक्त करता है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर भी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत गुरुवार को स्व. श्रीमती केसरबाई चोकडा की पुण्यतिथि पर हरिकिशन कमलकिशोर राठी परिवार एवं स्व. सेठ ओमप्रकाश सोमाणी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ओमप्रकाश मनोजकुमार सोमानी परिवार द्वारा बेगम बाजार गौशाला के समीप माता के मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में सक्रिय योगदान दिया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के -सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल,महेश अग्रवाल,रोहित भाई,रवि अग्रवाल,रीतेश गुप्ता,नीतीश कुमार,राजेश सर योग,पन्ना लाल जी,अशोक अग्रवाल,राधा अग्रवाल,नरेश बंसल,नमन अग्रवाल,लता गोयल,रजनी गुप्ता,शर्मिला अग्रवाल,अनिल भाई,गोविंद भाई,विनोद तोशनीवाला,आशीष, किशन पाल एवं अन्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने नियमित अन्नदान कार्यक्रम के तहत गुरुवार को स्व. श्रीमती राधाभाई सावारिया की पुण्यतिथि पर श्री सावारिया परिवार (कृष्णा सर्चिस स्टेशन एवं सावांरिया प्लाई लाम) की ओर से नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के -सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,ई-जगन चम्पापेट,श्याम सुंदर अग्रवाल,भगतराम गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,सविता अग्रवाल,संजय अग्रवाल,गोविंद केडिया,महेश गुप्ता,रोहित अग्रवाल,महेश कुमार,नवीन गुप्ता,अंजना गुप्ता,आशीष गुप्ता,एवं अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा की।

अग्रवाल समाज शालीबंडा महिला शाखा की सावन की सैर 11 अगस्त से

जगन्नाथ पुरी और बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का होगा दर्शन

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा महिला शाखा की ओर से 'सावन की सैर' का आयोजन आगामी 11 से 18 अगस्त तक किया जाएगा। इस दौरान भारत के चारों धाम में से एक जगन्नाथ पुरी और देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग महादेव जी के दर्शन किए जाएंगे।

शाखा की मानद मंत्री शीतल बंसल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा की केंद्रीय समिति सदस्य प्रियंका डोकानिया के निवास पर इस संदर्भ में एक सभा आयोजित की गई। सर्वप्रथम अध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया और सैर से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया।

संयोजक पवन डोकानिया ने सभी को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 11 अगस्त को यात्री ट्रेन द्वारा सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से रवाना होंगे और 12 अगस्त को शाम तक भुवनेश्वर पहुंचेंगे। वहां से बसों द्वारा पुरी पहुंचकर, रात में भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन कर रात्रि विश्राम पुरी में किया जाएगा। रास्ते में ट्रेन में शाम की हाई-टी, डिनर, नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की व्यवस्था रहेगी।

यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम :- 13 अगस्त: बस द्वारा गोल्डन बीच, कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगेश्वर महादेव मंदिर, साक्षी गोपाल मंदिर और अन्य लोकल साइट सीन के दर्शन कर रात को पुरी में ही विश्राम। 14 अगस्त: पुनः भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन एवं लोकल साइडसीन कर दोपहर को ट्रेन द्वारा पुरी से देवघर के लिए प्रस्थान। 15 अगस्त: प्रातःकाल देवघर पहुंचकर बाबा बैद्यनाथ महादेव ज्योतिर्लिंग के स्पर्श दर्शन एवं माता पार्वती के दर्शन कर रात्रि विश्राम देवघर में। 16 अगस्त: देवघर स्थित लोकल साइडसीन के दर्शन, बासुकिनाथ मंदिर के दर्शन, रात्रि विश्राम देवघर में। 17 अगस्त: पुनः बाबा बैद्यनाथ महादेव जी के दर्शन कर दोपहर को ट्रेन द्वारा हैदराबाद के लिए प्रस्थान। 18 अगस्त: शाम में यात्री हैदराबाद पहुंचेंगे।

यात्रा के संयोजक पवन डोकानिया, राजेश अग्रवाल एवं चंचल बंसल हैं। शाखा की उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल, उपाध्यक्ष मंजू अग्रवाल, मानद मंत्री शीतल बंसल, संयुक्त मंत्री रेणु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लीना अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रियंका डोकानिया, भूतपूर्व अध्यक्ष किरण गोयनका, सरिता डोकानिया, संगीता अग्रवाल, एवं सैर के संयोजक पवन डोकानिया उपस्थित थे।

अग्र महिला मंच तेलंगाना द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का वितरण

शिक्षकों का सम्मान और विद्यालय का आभार

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित होकर, अग्र महिला मंच द्वारा बेगम बाजार, नागर खाना स्थित एकता विद्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षा दीपा गर्ग की अध्यक्षता और सरला जिंदल के नेतृत्व में, मंच ने कक्षा 6 से 10वीं तक के विद्यार्थियों को लॉन्ग नोटबुक्स का वितरण किया।

उपरोक्त जानकारी देते हुए, अध्यक्षा दीपा गर्ग ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पाठ्य सामग्री के वितरण के साथ ही, मंजू केजरीवाल द्वारा छात्रों को शरबत, चिप्स, बिस्किट्स, चॉकलेट्स और नमकीन भी दिए गए। इस अवसर पर उपस्थित सभी महिलाओं ने बच्चों को तिलक लगाकर और राखी बांधकर उनके प्रति आत्मीयता की भावना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान, मंच के पदाधिकारियों ने विद्यालय के शिक्षकगण का दुपट्टों से सम्मान भी किया। इस सेवा कार्य के लिए विद्यालय के प्राचार्य श्री श्यामसुंदर भांगड़िया जी और श्रीमती रचना भांगड़िया ने अग्र महिला मंच के पदाधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्रीमती विद्या दवे और श्रीमती माली जी भी उपस्थित रहीं और मंच के कार्यों की सराहना करते हुए महिला सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इस सेवा कार्य को सफल बनाने में सरला जिंदल, मंजू केजरीवाल, अध्यक्षा दीपा गर्ग, सीमा पंसारी, मंत्रानी अंजू गोयल, संतोष गर्ग, वंदना अग्रवाल, मधु गोयल और वंदना सुनील अग्रवाल ने उपस्थित रहकर सहयोग दिया। सरला अग्रवाल ने मंच की महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह पहल समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने की अग्र महिला मंच के प्रयासों को दर्शाती है।

रेलवे बोर्ड के सदस्य नवीन गुलाटी ने इरिसेट और उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया

कवच कार्यान्वयन और प्रशिक्षण की समीक्षा

हैदराबाद, 31 जुलाई 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) और भारत सरकार के पदेन सचिव श्री नवीन गुलाटी ने 30 जुलाई 2025 को भारतीय रेलवे सिगनल और दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान (इरिसेट) और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने इरिसेट के महानिदेशक श्री शरद कुमार श्रीवास्तव और अन्य अधिकारियों के साथ भारतीय रेलवे के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और उद्योग कर्मियों को सिगनल, दूरसंचार और कवच प्रणाली के कार्यान्वयन से संबंधित प्रशिक्षण की प्रगति की समीक्षा की।श्री गुलाटी ने क्षेत्रीय रेलवे के सिगनल और दूरसंचार विभागों के प्रधान विभागाध्यक्षों के समूह को संबोधित करते हुए सिगनल और दूरसंचार पेशेवरों के कौशल विकास और भारतीय रेलवे में कवच प्रणाली के शीघ्र कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कवच प्रयोगशाला में स्थापित प्रशिक्षण उपकरणों और इरिसेट व सीओई द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर श्री गुलाटी ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान रेलवे बोर्ड की अपर सदस्य (सिगनल) श्रीमती विजयलक्ष्मी कौशिक और प्रमुख कार्यकारी निदेशक (एस एंड टी)/विकास श्री सौरभ बंदोपाध्याय भी उपस्थित रहे।कवच, भारतीय रेलवे की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, रेल संचालन में सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्री गुलाटी के दौरे और समीक्षा से इस प्रणाली के शीघ्र और प्रभावी कार्यान्वयन को गति मिलने की उम्मीद है।

लव फॉर काऊ फाउण्डेशन - प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन की ओर से सभी को हार्दिक शुभकामनायें

Sri Ridesh Jagirdar on being awarded National Award 2025 by North Delhi Cultural Academy
Dr. Samita Pandya on being awarded National Award 2025 by North Delhi Cultural Academy
Sri Jasmat Patel on being appointed Vice President of Telangana Gaushalala Seva Samakhya
Sri Vijaya Rama Rao on being appointed President of Telangana Gaushalala Seva Samakhya
Sri Anirudh Gupta on being Elected as President of Agarwal Samaj Telangana
Sri Omprakash Agarwal on being elected as President Sri Govats Foundation
Sri Murali Manohar Palod on being elected as President Govats Foundation
Sri Govind Shah on being elected as President Sri Gujarati Pragati Samaj, Hyderabad
Sri Nitin Dharod Shah on being elected as Vice President Sri Gujarati Pragati Samaj, Hyderabad
Sri Keshavji Chheda on being elected as Vice President Sri Kutchi Mitra Mandal,Hyderabad

:: Best Wishes from : Team Love For Cow Foundation ::

Nanjibhai Patel, Chief Advisor; Jasmat Patel, Chairman; Ridesh Jagirdar, Managing Trustee; Ranjana Shah, Trustee; Virender Agarwal, Trustee; Shashikala Kothari, Trustee; Parmeshwari Sharma, Trustee; Meghana Jain, Trustee; Dhanjibhai Patel, Trustee; Tarun Mehta, Trustee; Jaswant Surani, Trustee; Mukesh Chouhan, Trustee; Ravi Kumar Jain, Trustee; Jayanti Patel (Daddu), Trustee; Dr. Rakesh Sharma, Trustee; Ajay Ojha, Trustee

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.